राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 128, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली गुरुवार 23 नवंबर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

दिल्ली जल बोर्ड केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है .... पेज 03

पूर्वी यूपी का नोएडा बनने की राह पर सोनभद्र, जीबीसी के पहले फेज में सोनभद्र में उतर रही .... पेज 05

डब्ल्यूपीएल के व्यस्त कार्यक्रम के कारण टेस्ट की तैयारी का मौका नहीं : हरमनप्रीत कौर .... पेज 07

डीजीसीए के डायरेक्टर कैप्टन अनिल गिल सस्पेंड

फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल से रिश्वत में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट लेने का आरोप

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन में डायरेक्टोरेट ऑफ एयरोस्पोर्ट्स के डायरेक्टर कैप्टन अनिल गिल को बुधवार को सस्पेंड कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन पर फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल से रिश्वत में 3 ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट लेने का आरोप है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अनिल पर एक महीने पहले भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिसके बाद छ्लड्ढ ने मामले की जांच के लिए विजिलेंस कमेटी का गठन किया था। कमेटी की प्रारंभिक जांच के बाद एविएशन मिनिस्ट्री ने यह फैसला लिया है। मामले की जांच अब सीबीआई और ईडी कर रही है।

अनिल इस पद से पहले डीजीसीए के फ्लाइंग एंड ट्रेनिंग डिवीजन के डायरेक्टर थे। उन्हें हाल ही में डायरेक्टोरेट ऑफ एयरोस्पोर्ट्स का डायरेक्टर बनाया गया था।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डीजीसीए को एक व्हिसलब्लोअर ने 25 अक्टूबर को शिकायत भेजी थी। इसमें अनिल पर फ्लाइंग ट्रेनिंग

आर्गनाइजेशन से रिश्वत में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट लेने का आरोप है।

शिकायत के मुताबिक, अनिल अपनी फैमिली से जुड़ी कंपनियों के लिए मामूली कीमत पर ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट लेते थे। फिर इन विमानों को कुछ अन्य एफटीओ को किराए पर दे देते थे। इस रिश्वत के बदले अनिल ऑडिट के दौरान इन एफटीओ की कमियों को नजरअंदाज कर देते थे, जिसमें सुरक्षा से जुड़ी खामियां भी शामिल हैं।

अनिल ने सभी आरोपों से इनकार किया

शिकायत में यह भी बताया है कि जो एफटीओ अनिल को एयरक्राफ्ट की रिश्वत नहीं दे पाते थे, वे मामूली कीमत पर उनसे जुड़ी कंपनियों को अपने ट्रेनिंग विमान बेच देते थे। जिन कंपनियों को एफटीओ विमान बेचते थे, उनमें अनिल की मां, उनके भाई की पत्नी, चाची, एक चचेरा भाई और उनके बहनोई डायरेक्टर हैं। हालांकि अनिल ने इन सभी आरोपों से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि ये सभी आरोप गलत हैं।

एक लाख 66 हजार लोगों तक पहुंची 'विकसित भारत संकल्प यात्रा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' देशभर की 203 ग्राम पंचायतों में एक लाख 66 हजार लोगों तक पहुंची है और 33 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनायें गये हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में 21 नवंबर तक, 203 ग्राम पंचायतों में 1232 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं, जिसमें कुल 1,66,000 से अधिक लोग शामिल हुए है। ये शिविर लोअर सुबनसिरी -अरुणाचल प्रदेश, डांग- गुजरात, राजौरी- जम्मू-कश्मीर, उत्तर और मध्य अंडमान, कोरापुट- ओडिशा और वन्थाडापल्ली -आंध्र प्रदेश में आयोजित किये गये हैं।

पूरे देश में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की शुरुआत की। तात्कालिक सेवा-सुविधा के लिए, डाक विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों द्वारा विभिन्न शिविर लगाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 2 अफसर समेत 4 फौजी शहीद

फायरिंग कर रहे आतंकी भी घायल; एनकाउंटर जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के दो अफसर और दो जवान शहीद हो गए। आर्मी की 16 कॉर्प्स मिलिट्री यूनिट के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, जान गंवाने वालों में कैप्टन शुभम, मेजर एमवी प्रांजिल और हवलदार माजिद शामिल हैं।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में बुधवार को आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। यहां दो आतंकियों के छिपे होने की खबर है।

वहीं, आर्मी पीआरओ ने बताया कि 19 नवंबर को कालाकोट इलाके के गुलाबगढ़ जंगल में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद से इलाके में लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आज हुई मुठभेड़ में आतंकी भी घायल हुए हैं। उन्हें घेर लिया गया है। एनकाउंटर जारी है।

लश्कर-ए-तैयबा के दो सहयोगी गिरफ्तार, हथियार बरामद

श्रीनगर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि पुलिस को मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर संदिग्ध आतंकी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली थी, जिसके बाद श्रीनगर पुलिस और सीआरपीएफ के त्वरित प्रतिक्रिया दलों की एक संयुक्त टीम ने एनएच बाईपास पर एक मजबूत जांच चौकी स्थापित की। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान परिमपोरा से आ रही एक सफेद रंग की सैंट्रो कार दिखी जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेके09 ए 2788 थी और जांच चौकी पर पुलिस दल को देखकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों के दो सहयोगियों मुमताज अहमद लोन और जहांगीर अहमद लोन को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया, जिसमें दो पिस्तौल, चार मैगजीन, दो फिलर मैगजीन और आठ ग्रेनेड शामिल हैं। बटमालू थाना में यूएलएपी अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम की कानून संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में खड़गे का मोदी-शाह पर हमला

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों की कुर्की को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह की आलोचना की और कहा कि इस तरह के किसी भी हथकंडे से कांग्रेस डरने वाली नहीं है। खड़गे ने कहा कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र समूह की 760 करोड़ रुपये की संपत्तियों की कुर्की का काम श्री मोदी और शाह के इशारे पर हुआ है। उनका कहना था कि यह कदम आवाज दबाने के मकसद से किया है लेकिन उनकी यह सोच गलत है। उन्होंने कहा यदि मोदी और शाह को लगता है कि इस तरह के कदमों से कांग्रेस को डरा या धमका सकते हैं तो उनकी यह सोच गलत है। कांग्रेस ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और देश को आजादी दिलाई है और कांग्रेस इस तरह के कदमों से डरने वाली नहीं है। खड़गे ने कहा कि नेशनल हेराल्ड समूह एक महान संस्था है और किसी व्यक्ति विशेष की नहीं है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश की आजादी के लिए आवाज उठाने के लिए इसकी शुरुआत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम जानबूझकर लोगों को कांग्रेस को वोट देने से डराने के लिए उठाया गया है ।

जी20 में मोदी : बंधकों पर इजरायल-हमास सहमति का स्वागत, आतंकवाद का विरोध

नागरिकों की मौत, कहीं भी हो, निंदनीय है : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल और हमास के बीच बंधकों की रिहायी के लिये समझौते का स्वागत करते हुये बुधवार को विश्व समुदाय से यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि इन दोनों पक्षों के बीच पश्चिम एशिया के एक सीमित इलाके में चल रही यह लड़ाई किसी तरह का क्षेत्रीय रूप धारण न कर ले।

मोदी भारत की जी20 की अध्यक्षता में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के इस मंच की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित शिखर बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस संबोधन में आतंकवाद और निर्दोष नागरिकों की हत्या पर भारत के कड़े रुख को पुन: व्यक्त किया और कहा, हम मानते हैं कि आतंकवाद हम सभी को अस्वीकार्य है। नागरिकों की मौत, कहीं भी हो, निंदनीय है।

गौरतलब है कि इजरायल में फिलिस्तीनी बहुल स्वायत्त गाजा पट्टी क्षेत्र में ताकत रखने वाले हमास आतंकवादियों ने गत सात अक्टूबर को

दक्षिणी इजरायल पर हथियारों के साथ धावा बोल दिया था। उनके इस अप्रत्याशित हमले में एक हजार से अधिक लोग मारे गये थे और हमलावर ने महिलाओं तथा बच्चों समेत बहुत से लोगों को बंधक बना कर उठा ले गये थे। इमें कुछ विदेशी नागरिक भी बताये जाते हैं।

मोदी ने वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुये कहा कि विश्व एक परिवार है, इस भावना में बड़ी ताकत है जिससे हम शांति कायम कर सकते हैं और आतंक और हिंसा के खिलाफ मजबूती से आवाज उठा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज हुये समझौते के तहत बंधकों के छोड़े जाने के समाचार का हम स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि सभी बंधक जल्दी रिहा हो जायेंगे । मानवीय सहायता का समय से और निरंतर पहुंचाना आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इजरायल और हमास की लड़ाई किसी तरह का क्षेत्रीय रूप धारण न कर ले। आज संकटों के जो बादल हम देख रहे हैं, (दुनिया) एक परिवार (के भाव) में वह ताकत है कि हम शांति के लिए काम कर सकते हैं।

मानवीय कल्याण के दृष्टिकोण से, हम आतंक और हिंसा के विरुद्ध, और मानवता के प्रति अपनी आवाज बुलंद कर सकते हैं।आज विश्व की, मानवता की इस अपेक्षा की पूर्ति के लिये भारत कदम से कदम मिलाकर चलने के लिये तत्पर है।

मोदी ने कहा, जब मैंने इस वर्चुअल समिट (ऑनलाइन शिखर बैठक) का प्रस्ताव रखा था, तो कोई पूर्वानुमान नहीं था कि आज की वैश्विक स्थिति कैसी होगी। पिछले महीनों में नयी चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र में असुरक्षा और अस्थिरता की स्थिति हम सबके लिये चिंता का विषय है।

एनएचएआई का निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा जांच का निर्णय

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी में चारधाम मार्ग के निर्माण के दौरान सुरंग धंसने की घटना को देखते हुए निर्माण के दौरान सुरक्षा और उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए देश की सभी 29 निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा जांच करने का निर्णय लिया है।

एनएचएआई का कहना है कि देश की सुरंगों की सुरक्षा की जांच के लिए दिल्ली मेट्रो रेल के विशेषज्ञों तथा अन्य सुरंग विशेषज्ञों की टीम देश की विभिन्न सुरंग परियोजनाओं का सुरक्षा के लिहाज से निरीक्षण करेगी और सात दिन के भीतर इस संबंध में रिपोर्ट सौंपेंगी। आधिकारिक सूचना के अनुसार देश में लगभग 79 किमी लंबी 29 सुरंगों का निर्माण कार्य चल रहा है जिनमें से 12 सुरंगें हिमाचल प्रदेश, 6 जम्मू कश्मीर तथा महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान में दो-दो और मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और दिल्ली में एक-एक सुरंग का काम शामिल है। सरकार का कहना है कि इसके लिए उसने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत एनएचएआई परियोजनाओं के लिए सुरंग निर्माण और ढलान स्थिरीकरण से संबंधित डिजाइन, ड्राइंग और सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा के लिए सेवाएं प्रदान करेगा।

फर्रुखाबाद में दुकान में आग, आठ झुलसे

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में आज एक तारपीन तेल दुकान अचानक आग लगने से फायर ब्रिगेड के एक जवान समेत आठ लोग झुलस कर घायल हो गए। फतेहगढ़ फायर ब्रिगेड सूत्रों ने बताया कि फर्रुखाबाद जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के मैन चौराहे पर तारपीन तेल की एक दुकान में रखे छह ड्रम और अन्य सामान में आग लग गयी। अफरा तफरी के बीच एटा जिले के थाना अलीगंज से आई फायर ब्रिगेड का एक जवान मोनू आग बुझाते समय झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा सात अन्य लोग भी झुलस कर घायल हुए।

बठिंडा में पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के 3 गुर्गे गिरफ्तार

धार्मिक नेता की टारगेट किलिंग करने आए; संगरूर जेल में बंद गैंगस्टरों के टच में थे

एजेंसी

बठिंडा। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को कहा कि पुलिस ने आईएसआई नियंत्रित पाकिस्तान स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े तीन सदस्यों को भारी मात्रा में हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। इनकी गिरफ्तारी के साथ पुलिस राज्य में योजनाबद्ध एवं लक्षित हत्याओं को रोकने में सफल रही है।

गिरफ्तार किये गये लोगों की पहचान बठिंडा के गांव दिख के राजभूपिंदर सिंह उर्फ भिंदा, फाजिल्का के गांव गुरु हरसहाय के रमन कुमार और कोटकपूरा के ढिलवा कलां के जगजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस

दलों ने उनके कब्जे से तीन .30 बोर पिस्तौल और पांच .32 बोर पिस्तौल सहित आठ पिस्तौल, नौ मैगजीन और 30 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। इसके अलावा एक चोरी की ऑल्टो कार भी जब्त की है, जिसमें वे यात्रा कर रहे थे।

श्री यादव ने कहा कि विश्वसनीय सूचनाओं के बाद, काउंटर इंटेलिजेंस बठिंडा के पुलिस दलों ने बठिंडा के गोबिंदपुरा गांव में पुल के पास एक विशेष नाका लगाया और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किये गये व्यक्ति गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत वर्तमान में संगरूर जेल में बंद लोगों के संपर्क में थे। अतिरिक्त महानिरीक्षक (काउंटर इंटेलिजेंस) अवनीत कौर सिद्धू ने कहा कि जांच से पता चला कि गिरफ्तार आरोपी मध्यप्रदेश से हथियार लाये थे और उन्हें समाज में दहशत पैदा करने के लिए राज्य में लक्षित हत्यायें करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि उनके संपर्कों का खुलासा करने के लिये आगे की जांच जारी है और अधिक हथियारों की बरामदगी की उम्मीद है।

इस संबंध में मंगलवार को पुलिस स्टेशन कैंट बठिंडा में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 379, 411, 115, 109 और 120बी और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(7) और 25(8) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सुरंग दुर्घटना

दुर्घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए

उत्तरकाशी सुरंग दुर्घटना लापरवाही का परिणाम : सीडब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय निर्माण कामगार महासंघ (सीडब्ल्यूएफआई) ने उत्तरकाशी सुरंग दुर्घटना को पूंजीवादी प्रवृत्ति और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम करार देते हुए कहा कि सुरंग के काम के विभिन्न चरणों में किसी भी स्तर पर ढिलाई की गहन जांच होनी चाहिए और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

महासंघ के महासचिव यू पी जोसेफ ने बुधवार को कहा कि उत्तरकाशी जिले में सिल्क्यारा सुरंग में 41 श्रमिकों का फंसना श्रमिकों की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति सरकारों की आपराधिक लापरवाही को उजागर

करता है। उन्होंने कहा कि यह मानव निर्मित विनाशकारी दुर्घटना नव उदारवादी भारतीय जनता पार्टी की सरकारों के अमानवीय लाभ के भूखे 'विकास' मॉडल और नीतियों का परिणाम है। रिपोर्टों और विशेषज्ञों के बयानों के अनुसार, इतनी बड़ी निर्माण परियोजनाओं में जहां सैकड़ों श्रमिक काम करते थे और दिन-रात काम करते थे, वहां बचाव के मार्गों सहित कोई भी सुरक्षा उपाय आवश्यक नहीं थे। इसमें और ऐसे कई मामले पहले भी हुए हैं, खासकर हिमालयी क्षेत्र में, बड़ी निजी निर्माण कंपनियां श्रमिकों के जीवन को खतरे में डालकर भूवैज्ञानिकों के निर्देशों की पूरी तरह से उपेक्षा करती हैं। सुरंग बनाने के नए तरीकों और प्रौद्योगिकियों का प्रयास नहीं किया गया है। प्रशासन सुरक्षा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने में विफल रहा है। जोसेफ ने कहा कि सरकारों की समय पर कार्रवाई और बचाव कार्यों के समन्वय में ढिलाई दिखाई दे रही है। विरोध प्रदर्शन के बाद ही सीटू प्रतिनिधिमंडल को कार्य स्थल पर अन्य श्रमिकों से मिलने की अनुमति दी गई। मजदूरों ने शिकायत की कि पहले हुए हादसों के बाद जो 'ह्यूम पाइप' लगाए गए थे, उन्हें भी सुरंग में काम पूरा होने से पहले ही हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि निजी निर्माण कंपनी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि परिस्थिति के अनुरुप से नाजुक क्षेत्र में सुरंग के काम के विभिन्न चरणों में किसी भी स्तर पर ढिलाई की गहन जांच होनी चाहिए और दुर्घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों पर मामला दर्ज किया जाना चाहिए। श्रमिकों के परिवारों को हरसंभव सहायता दी जानी चाहिए।

श्रमिक नेता ने कहा कि व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य संहिता को तुरंत वापस लेना चाहिए। सरकार को निर्माण श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय करने चाहिए।

पंजाब-हरियाणा में 14 जगहों पर एनआईए रेड

सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास पर हुए हमले में एक्शन; डिजिटल डेटा और डॉक्यूमेंट जब्त

चंडीगढ़। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में 14 जगहों पर रेड की। एनआईए की रेड मार्च और जुलाई महीने में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हुए हमलों की जांच के सिलसिले में हुई। इन हमलों के पीछे खालिस्तानियों का हाथ सामने आया था। खालिस्तानी संगठन से जुड़े संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर एनआईए की टीम ने पंजाब के मोगा, लुधियाना, गुरदासपुर, मोहाली पटियाला के अलावा हरियाणा के कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में कार्रवाई की।

मार्च और जुलाई में हुआ था दूतावास पर हमला

एनआईए की तरफ से बताया गया कि

19 मार्च और 2 जुलाई को हुए हमलों के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए उत्तर भारत में स्थित इन स्थानों पर छापे मारे गए, जिसमें आपराधिक अतिक्रमण, बर्बरता, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों को चोट पहुंचाने के अलावा इमारत को आग लगाने का प्रयास शामिल था।

एनआईए की टीम ने अमेरिका का किया था दौरा

हमले के तार पंजाब के मोगा, जालंधर, लुधियाना, गुरदासपुर, मोहाली, पटियाला और हरियाणा के कुरुक्षेत्र और यमुनानगर जिलों में फैले हुए थे। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि कार्रवाई के दौरान आरोपियों से संबंधित जानकारी वाले डिजिटल डेटा को जब्त कर लिया गया है।

साथ ही अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए। एनआईए हमलावरों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने और ऐसे भारत विरोधी तत्वों को कड़ा संदेश भेजने के उद्देश्य से मामले की जांच कर रही है।

शार्ट न्यूज

राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले एक और उम्मीदवार का निधन

नई दिल्ली/ जयपुर। (पी एम ए) राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में मंगलवार को एक और प्रत्याशी का आकस्मिक निधन हो गया। हालांकि इस बार निर्दलीय प्रत्याशी के निधन के कारण चुनाव स्थगित नहीं होंगे। इससे पहले श्रीकरणपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी का निधन हो गया था। अब गंगानगर विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी राधेश्याम पुत्र गुरदित्ता राम की मृत्यु हो गई। उसकी आयु करीब 65 साल बताई जाती है। पुरानी आबादी के वार्ड छह में रहने वाले इस प्रत्याशी को निर्वाचन विभाग ने चुनाव निशान प्रेस आवंटित किया गया था। प्रत्याशी के निधन की सूचना मिलने पर चुनाव आयोग के अधिकारियों की टीम ने उसके आवास पर जाकर फीडबैक लिया। रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी संजय अग्रवाल ने बताया कि प्रत्याशी राधेश्याम के निधन की सूचना आई है, इसकी पुष्टि की जा रही है। वह कैंसर रोग से पीड़ित था। इस संबंध में राधेश्याम के परिजनों से भी संपर्क किया गया है। अग्रवाल ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इधर, चुनाव आयोग ने किसी भी निर्दलीय प्रत्याशी के निधन होने पर चुनाव प्रक्रिया स्थगित नहीं करने का संकेत दिया है।

अगरतला में 23 नवंबर से शुरू होगा विरासत उत्सव

अगरतला। गांधीवादी दर्शन में विश्वास रखने त्रिपुरा के युवा विकास केंद्र ने युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रीय एकता और विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां गुरुवार से एक सप्ताह तक चलने वाले विरासत उत्सव का आयोजन करेगा। आयोजकों के अध्यक्ष तपन लोध ने कहा कि देश के 25 राज्य महोत्सव में भाग लेंगे और अपनी संस्कृति तथा पारंपरिक विरासत का प्रदर्शन करेंगे। यह उत्सव भाग लेने वाले संगठनों को अन्य राज्यों के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, भारतीय राज्यों के अलावा पड़ोसी देश भूटान, नेपाल, बंगलादेश और इंडोनेशिया के प्रतिनिधियों के इस उत्सव में शामिल होने की संभावना है। लोग विभिन्न उद्देश्यों से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे हैं, लेकिन उन्हें संस्कृति और परंपरा के मुद्दे पर एक-दूसरे से बातचीत करने की गुंजाइश नहीं मिल रही है। यह उत्सव युवाओं के लिए एक मंच प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा युवा मामलों के मंत्री के साथ स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में एक सप्ताह तक चलने वाले महोत्सव का उद्घाटन करने वाले हैं।

राज ने की चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने राज्य में 30 नवंबर को होने वाले मतदान की तैयारियों की समीक्षी की और निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर चुनाव आयोग (ईसीआई) को सभी रिपोर्ट जमा करने के महत्व को रेखांकित किया। राज ने मंगलवार को आभासी माध्यम से चुनाव संबंधी तैयारियों को लेकर 'होम वोटिंग' की विस्तृत समीक्षा की। होम वोटिंग वरिष्ठ नागरिकों और विकलांगों (पीडब्ल्यूडी) को घर पर वोट डालने की अनुमति देने वाली एक नई पहल है। इसमें सावधानीपूर्वक अधिकारियों को प्रशिक्षण देना, वीडियोग्राफी के माध्यम से मतदान की गोपनीयता बनाए रखना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के साथ दैनिक संचार शामिल है। सीईओ ने खुलासा किया कि अधिकांश जिलों में एक ही दिन घरेलू मतदान हो गया था, जिससे मतदाताओं को एक सकारात्मक अनुभव मिला। उन्होंने मतदाता केंद्रों पर परेशानी मुक्त मतदान की व्यवस्था का आकलन किया, जिसमें चुनाव ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव पर जोर दिया गया।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिला कार्मिकों के हाथ होगी 8 बूथों की कमान

जयपुर। विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए एवं सभी वर्गों के मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए विधानसभा चुनाव में महिला बूथ, युवा बूथ, दिव्यांग बूथ के साथ साथ आदर्श बूथ की स्थापना की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जयपुर जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-8 महिला बूथ स्थापित किये जाऐंगे। जिनमें मतदान दल की सभी कार्मिक महिलाएं होंगी। इसी प्रकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-8 युवा मतदाता बूथ स्थापित होंगे जिनकी कमान युवा कर्मचारियों एवं अधिकारियों के हाथों में होगी। वहीं, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक दिव्यांग मतदाता बूथ की भी स्थापना की जाएगी जिसमें मतदान प्रक्रिया का संचालन दिव्यांग कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा।इस प्रकार जयपुर जिले के कुल 19 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 172 महिला बूथ, 172 युवा मतदाता बूथ एवं 19 दिव्यांग बूथों की स्थापना की जाएगी। जयपुर जिले में 29 आदर्श मतदान केन्द्रों की भी स्थापना होगी। 10 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में 2-2 एवं 9 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक आदर्श बूथ की स्थापना होगी।

जमुई : हत्या मामले में एक गिरफ्तार

जमुई। बिहार के जमुई जिले में जमुई थाना क्षेत्र के महिसौढी बाईपास रोड पर एक व्यक्ति की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक शौर्य सुमन ने बुधवार को यहां बताया कि इसी थाना क्षेत्र के वार्ड-11 के निवासी अभय सिंह को मंगलवार देर शाम महिसौढी बाईपास रोड पर अपराधियों ने गोली मार दी। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। श्री सुमन ने बताया कि घटना के उद्भेदन और मामले में संलिप्त अपराधियों को अविलंब गिरफ्तारी का उन्होंने निर्देश दिया। उनके निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जमुई थाना पुलिस ने इस मामले के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार की पहचान इसी थाना क्षेत्र का रहने वाला अमित कुमार सिन्हा उर्फ संटू सिन्हा के रूप में को गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में अमित के खुलासे के आधार पर इस हत्याकांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जनवरी से शुरू होगा चिल्ला एलिवेटड का निर्माण

3 साल में पूरा होगा; सेतु निगम ने जारी किया टेंडर, 940 करोड़ होंगे खर्च

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में पिछले दो साल से बंद चिल्ला एलिवेटेड रोड का काम जल्द ही फिर से शुरू होगा। सेतु निगम ने इसके लिए टेंडर जारी कर 13 दिसंबर तक कंपनियों से आवेदन मांगे हैं। कंपनियों के आवेदन आने के बाद सबसे कम दर वाली कंपनी को निर्माण का ठेका दिया जाएगा। जिससे नए साल यानी जनवरी में इस एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो सकेगा। एलिवेटड बनने से करीब पांच लाख लोगों को लाभ मिलेगा। इसका निर्माण में 940 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

25 जनवरी को सीएम ने किया था शिलान्यास, 2021 में पूरी तरह से बंद हो गया काम

चिल्ला एलिवेटेड रोड बनाने की योजना करीब 10-12 साल पुरानी है, लेकिन इस पर गंभीरता से काम साल 2018 में शुरू हुआ। एलिवेटेड रोड बनाने को लेकर नोएडा प्राधिकरण और यूपी के लोक निर्माण विभाग के बीच सहमति बनी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जनवरी 2019 को इसका शिलान्यास किया। उस समय इसके निर्माण की लागत 605 करोड़ 31 लाख रुपए तय की गई थी। नोएडा प्राधिकरण ने वर्ष 2020 के शुरुआत में अपने बजट से इसका निर्माण शुरू करा दिया। 74 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लोक निर्माण विभाग के जरिए नोएडा प्राधिकरण को 50 प्रतिशत राशि देनी थी, लेकिन उन्होंने एक भी रुपए नहीं दिए। बल्कि साल 2021 में सेतु निगम ने इसकी राशि 700 करोड़ और फिर इसको बढ़ाकर 1076 करोड़ 61 लाख रुपए कर दी। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण और सेतु निगम के बीच विवाद बढ़ गया और नवंबर 2021 में पूरी तरह काम बंद हो गया। तभी से यह काम बंद पड़ा है। फिलहाल अब ये प्रोजेक्ट 940 करोड़ में बनेगा।

पांच किलोमीटर के एक पैच को पूरा करने में लग रहा एक घंटा

चिल्ला एलिवेटेड रोड ना बनने के कारण लोगों को रोजाना जाम का सामना करना पड़ रहा है। सुबह-शाम वाहन चालक महामाया फ्लाई ओवर से चिल्ला बॉर्डर के बीच जाम में फंस रहे हैं। व्यस्त समय में करीब साढ़े पांच किलोमीटर इस हिस्से को पार करने में लोगों को एक घंटा तक लग जाता है। यहां जाम लगने की मुख्य वजह वाहनों की संख्या के मुकाबले सड़क की चौड़ाई कम होना है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने एलिवेटेड रोड का काम शुरू होते समय दावा किया था कि पहले चरण में सितंबर 2021 तक महामाया फ्लाई ओवर से सेक्टर-18 और दूसरे चरण में पूरा एलिवेटेड रोड दिसंबर 2021 तक बनकर तैयार होना था। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार अब नए साल में इस एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो जाएगा। सेतु निगम ने निर्माण शुरू कराने के लिए टेंडर जारी कर दिया है।

क्यों महत्वपूर्ण है दोनों परियोजना

ये पहली चिल्ला एलिवेटड योजना दिल्ली को नोएडा से कनेक्ट करेगी। ये एलिवेटड नोएडा में महामाया फ्लाई ओवर के आगे एक्सप्रेस वे जोड़ेगी। जिससे चिल्ला से सीधे एक्सप्रेस वो जोड़ने वाली लिंक रोड पर जाम समाप्त हो जाएगा। साथ ही दिल्ली से नोएडा की बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे रोजाना करीब पांच लाख वाहन चालकों को राहत मिलेगी। उन्हें घंटों जाम में नहीं फंसना होगा।

प्रसिद्ध मलयालम लेखिका वलसाया का निधन

कोझिकोड। प्रसिद्ध महिला मलयालम लेखिका एवं केरल साहित्य अकादमी की पूर्व अध्यक्ष पी वलसाला का केरल में कोझिकोड स्थित मुक्कम केएमसीटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हृदय गति रुकने से मंगलवार रात निधन हो गया। वह 85 वर्ष की थीं। उनके परिवार में पति मुरली एम अप्पुकुट्टी और दो बच्चे एम ए मिनी तथा एम ए अरुण हैं। लेखिका का अंतिम संस्कार कल किया जाएगा। श्रीमती वलसाला 1960 के दशक से साहित्य क्षेत्र में सक्रिय थीं और उन्होंने 1969 में पहला उपन्यास 'थकरचा' लिखा था। उन्होंने 17 से अधिक उपन्यास तथा 25 लघु कथाएँ भी लिखीं। वर्ष 1972 में लिखा गया उनका उपन्यास 'नेल्लू' वायनाड में आदिवासी समुदायों के जीवन का वर्णन करता है, जिस पर एक मलयालम फिल्म बन गई और रामू करियाट द्वारा रूपांतरित किया गया। उनका जन्म चार अप्रैल, 1938 को कोझिकोड में के चंदू और पद्मावती की सबसे बड़ी बेटी के रूप में हुआ था।

मेघालय के पूर्व उप मुख्यमंत्री एसडी खोंगवीर का निधन

शिलांग। मेघालय के पूर्व उपमुख्यमंत्री और अनुभवी क्षेत्रीय नेता स्टैंडलिंगटन डेविड खोंगविर का मंगलवार को निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। खोंगविर 1972 में अपनी स्थापना के बाद लगातार पांच बार मेघालय विधान सभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने मेघालय के पहले उप मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। वह मावलाई के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री भी थे। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने खोंगविर को एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में स्वीकार करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपने अंतिम दिनों तक खुद को सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, पूर्व उपमुख्यमंत्री, स्टैंडलिंगटन डी खोंगवीर के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ।

आतंकी मॉड्यूल से जुड़े तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। (पी एम ए) पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने आईएसआई नियंत्रित पाकिस्तान स्थित आतंकी मॉड्यूल से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने उनके कब्जे से आठ हथियार, नौ मैगजीन और 30 कारतूस बरामद किये। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी वर्तमान में यूएपीए मामलों के तहत संगरूर जेल में बंद लोगों के संपर्क में थे।

नीदरलैंड की कंपनी से साफ्टवेयर चोरी

दुबई की एक कंपनी को कोर्स कोड दिया; 6 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज

नोएडा। सेक्टर-127 स्थित नीदरलैंड की एक कंपनी से सॉफ्टवेयर चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कंपनी के ही कुछ कर्मचारियों ने सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड अपने पास ले लिया और दुबई की एक कंपनी को दे दिया। इस मामले में सेक्टर-126 थाना पुलिस ने छह नामजद समेत दुबई की कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कंपनी के अधिकारी आकाश दीप शर्मा ने बताया कि नीदरलैंड की सोलुलेवर बीवी कंपनी की एक इकाई नोएडा के सेक्टर-127 में है।

यह कंपनी सॉफ्टवेयर का निर्माण करती है। सॉफ्टवेयर बनाने के लिए कंपनी के इंजीनियर सोर्स कोड बनाते हैं। यह सोर्स कोड सॉफ्टवेयर का अभिन्न हिस्सा होता है। इसके बिना कोई भी शख्स इस तरह का सोर्स कोड नहीं बना सकता है। यह सोर्स कोड कंपनी की संपत्ति है। कंपनी ने इसको प्राइवेट गिटलैब खाते में सेव किया गया था।

आरोप है कि कंपनी कर्मियों ने गिटलैब खाते में सेव सोर्स कोड को दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिया और दुबई की कंपनी नेटिक्सग्लोबल को दे दिया। पुलिस ने रजत सभरवाल, प्रखर शुक्ला, आशीष कपूर, अपूर्व गोयल, अभिषेक अग्रवाल व अर्चित गर्ग के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। इस मामले में जांच की जा रही है।

पी एम मोदी ने सी एम धामी को फोन कर सिलक्यारा सुरंग बचाव अभियान की प्रगति की ली जानकारी

नई दिल्ली। (पी एम ए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात कर सिलक्यारा के सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी ली।

सीएम धामी ने बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में फंसे श्रमिकों के लिए भोजन, दवाइयां, अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति एवं उन्हें सकुशल बाहर निकालने हेतु चलाए जा रहे बचाव कार्यों की और 24 घंटों में हुई सकारात्मक प्रगति की जानकारी दी।

पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत की जानकारी को साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज फोन पर बात कर सिलक्यारा, उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल में फंसे श्रमिकों के लिए भोजन, दवाइयां, अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति एवं उन्हें सकुशल बाहर निकालने हेतु चल रहे बचाव कार्यों की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री को केंद्रीय एजेंसियों, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट्स एवं प्रदेश प्रशासन के परस्पर समन्वय के साथ संचालित बचाव कार्यों से अवगत कराया। इस दौरान उन्हें गत 24 घंटों में हुई सकारात्मक प्रगति एवं श्रमिकों और उनके परिजनों की बातचीत से बढ़े मनोबल की भी जानकारी दी।

धामी ने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री का इस कठिन परिस्थिति से निपटने हेतु निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है, जो हम सभी को पूरी ताकत से श्रमिक भाइयों को शीघ्र और सुरक्षित बाहर निकालने के लिए नित नई उर्जा प्रदान करता है।

आपको बता दें कि, उत्तराखंड के टनल में 41 श्रमिकों के फंसने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पांचवी बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से फोन पर बात कर ग्राउंड जीरो के हालात की जानकारी ली है।

आतंकवादियों के साथ संबंधों के आरोप में 4 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू। (पी एम ए) जम्मू कश्मीर प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों के साथ संबंधों के आरोप में एक चिकित्सक और एक पुलिसकर्मी सहित चार और सरकारी कर्मचारियों को बुधवार को बर्खास्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में सहायक प्रोफेसर (मेडिसिन) निसार-उल-हसन, कांस्टेबल अब्दुल मजीद भट, उच्च शिक्षा विभाग में प्रयोगशाला कर्मी अब्दुल सलाम राठेर और शिक्षा विभाग में शिक्षक फारुख अहमद मीर को भारत के संविधान के अनुच्छेद 11 के प्रावधानों के तहत बर्खास्त कर दिया गया।

दिनेश चंद देशवाल ने रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तरी सर्कल का पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। (पी एम ए) दिनेश चंद देशवाल ने मंगलवार रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तरी सर्कल, नई दिल्ली का कार्यभार संभाल लिया है। वह उत्तरी सर्कल के अंतर्गत आने वाले उत्तर रेलवे की रेलवे संरक्षा देखेंगे।

देशवाल, भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसई) के 1990 बैच के अधिकारी हैं। श्री दिनेश चंद देशवाल ने अपने करियर की शुरूआत पश्चिम रेलवे से करने के पश्चात विभिन्न क्षेत्रीय रेलों में ओपन लाइन, निर्माण और परियोजनाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। देशवाल ने प्रतिनियुक्ति पर एचआरआईडीसी (एमओआर और हरियाणा सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी) के प्रबंध निदेशक के रूप में महत्वपूर्ण पद का भी कार्यभार संभाला है। रेलवे संरक्षा आयुक्त के रूप में नियुक्ति से पहले, वह उत्तर पश्चिम रेलवे में मुख्य ब्रिज इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। निर्माण, रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के ओएंडएम में 31 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने वडोदरा, रतलाम, अजमेर और बीकानेर जैसे महत्वपूर्ण मण्डलों में भी कार्य किया है।

अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने सीई/एमआरटीएस/उत्तर रेलवे, सीनियर फैकल्टी, एनएआईआर, एमडी/एचआरआईडीसी और सीबीई/उत्तर पशचिम रेलवे जैसे विभिन्न पदों पर भी काम किया है।

कश्मीर में भाई की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बड़गाम जिले में बुधवार को भाई की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, बड़गाम जिले में बीरवाह थाना पुलिस को सूचना मिली कि सेल बीरवाह के मजदूर समीर अहमद राथर (18) का शव उसके आवास के पीछे पड़ा है। त्वरित कार्रवाई करते हुए एफएसएल टीमों के साथ एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा और सभी कानूनी औपचारिकताओं के बाद जांच शुरू की गयी। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, जांच के दौरान, मृतक के परिजनों सहित कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान, मृतक समीर अहमद राथर के भाई अकीब अहमद राथर ने अपराध में अपनी संलिप्तता कबूल कर ली। उन्होंने कहा, आकिब ने खुलासा किया कि 19 नवंबर की मध्यरात्रि के दौरान भाइयों के बीच झगड़ा हुआ, जिसमें समीर की मौत हो गयी।

राजस्थान में कभी नहीं बनेगी गहलोत की सरकार : मोदी

जयपुर/डूंगरपुर। (पी एम ए) राजस्थान में आज पीएम नरेंद्र मोदी ने डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा स्थित राजकीय भीखा भाई महाविद्यालय में चुनावी जनसभा में कहा कि, कांग्रेस का सूपड़ा साफ करो और राजस्थान से अत्याचार, भ्रष्टाचार से मुक्त करो।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के प्रचार में सिर्फ दो दिन का समय शेष है। आज बुधवार और कल गुरुवार शाम 23 नवंबर को प्रचार खत्म हो जाएग। विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार 25 नवंबर को वोटिंग है। प्रचार खत्म होने के बाद उम्मीदवार सिर्फ घर-घर जाकर मतदाता से वोट

मांग सकेंगें। राजस्थान में आज पीएम नरेंद्र मोदी ने डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा स्थित राजकीय भीखा भाई महाविद्यालय में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, आज मैं एक भविष्यवाणी करना चाहता हूं कि इस बार तो नहीं अब राजस्थान में कभी भी नहीं अशोक गहलोत की सरकार बनेगी। ये मावजी महाराज के धरती से बोले गए शब्द कभी गलत नहीं होते हैं। डूंगरपुर के सागवाड़ा में विशाल जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कांग्रेस के पाले हुए पेपर लीक माफियाओं ने राजस्थान के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। आज कांग्रेस के नेताओं के घर से छापे में जो निकल रहा है, लॉकर से सोने की ईंटें निकल रही हैं, काले कारनामों की लाल डायरी..ये लाल डायरी के जो पन्ने खुल रहे हैं उसमें कांग्रेस की काली सच्चाई है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस का सूपड़ा साफ करो और राजस्थान से अत्याचार, भ्रष्टाचार से मुक्त करो। कांग्रेस सरकार की विदाई इसलिए भी जरूरी है ताकि यहां केन्द्र की हर योजना तेजी से लागू हो। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मोदी की गारंटी कांग्रेस के हर झूठे वादों पर भारी है। जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है, वहां से मोदी की गारंटी शुरू होती है। कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन काल में जो सोचा तक नहीं, वो बीते 10 साल में आपके सेवक ने देशवासियों के चरणों में समर्पित कर दिया। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलेगा।

विकास की दौड़ में पिछड़ा राजस्थान, तुष्टिकरण राज्य सरकार का मूल मंत्र : शिवराज

जयपुर, भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान सरकार पर हमला बोलते हुए आज कहा कि राज्य विकास की दौड़ में बुरी तरह पिछड़ गया है और तुष्टिकरण यहां की सरकार का मूल मंत्र है।

चौहान चुनाव प्रचार के सिलसिले में इन दिनों जयपुर में हैं। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि राज्य में बहन और बेटियों के सम्मान के साथ खिलवाड़ हुआ है। तुष्टिकरण राजस्थान की सरकार का, मूलमंत्र रहा है, हिंदू त्याहारों पर धारा 144 लगा देना, शोभायात्राओं पर प्रतिबंध लगा देना, पूरा देश हैरान था कि कैसे उदयपुर में एक व्यक्ति की गर्दन काट दी गई। कांग्रेस ने राज्य को अपराधों का गढ़ बना दिया है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान, विकास की दौड़ में बुरी तरह पिछड़ गया। भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया।

चौहान ने कहा कि राजस्थान सरकार साढ़े चार साल रिसोर्ट में रही और अंतिम 6 महीने में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निकलकर आए और घोषणाएं करनी शुरु कर दीं।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने जो कहा, वो किया। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में लाड़ली बहना योजना का उदाहरण दिया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि राजस्थान में कहते रहे, किया कुछ नहीं और इसलिए अब पूरा विश्वास है कि राजस्थान में भारी बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी फिर से लौट के आ रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोलते हुए श्री चौहान ने कहा कि इनकी पुरानी गारंटी एक भी पूरी नहीं हुई, ना किसानों का कर्जा माफ हुआ, ना बेरोजगारों को भत्ता मिला, काठ की हंडी एक बार चढ़ती है बार-बार नहीं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संदर्भ में उन्होंने कहा कि ये डरे हुए हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, अब भ्रष्टाचार में डूबी हुई कांग्रेस परेशान है। मोदी जी किसी भी भ्रष्ट और बेईमान को छोड़ेंगे नहीं, इससे डरकर ये ऊटपटांग टिप्पणीयां करते हैं।

गन्ना किसानों के अनिश्चितकालीन धरने से हाईवे पर भारी जाम

जालंधर। पंजाब में जालंधर-लुधियाना राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा खंड पर धानोवाली गांव के पास गन्ने का समर्थन मूल्य 380 रुपये से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने और चीनी मिलों को चालू करने की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्यों द्वारा मंगलवार से शुरू अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को भी जारी है।

धरने के कारण जालंधर लुधियाना राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर भारी जाम की स्थित है जिसमें हजारों मुसाफिर फंसे हुए हैं। मंगलवार की देर रात किसानों की आपसी बैठक में यह फैसला लिया गया कि आज शाम सरकार के साथ किसानों की बैठक होने पर ही धरना समाप्त किया जाएगा।

अगर आज सरकार के साथ बैठक नहीं हुई तो किसान जालंधर के धनोवाली के पास ट्रेनें भी रोकेंगे।. इतना ही नहीं किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक धरना खत्म नहीं होगा।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान संगठन गन्ने का रेट बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर जालंधर-लुधियाना मुख्य मार्ग पर बैठे हैं। सोमवार देर शाम जालंधर प्रशासन के अधिकारियों ने भी किसानों से मुलाकात की। जहां उन्होंने किसानों को उनके विचार सरकार तक पहुंचाने और उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद भी धरना समाप्त नहीं हुआ।

किसानों ने मंगलवार को जालंधर-लुधियाना मुख्य मार्ग पर तंबू गाड़ दिए थे। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेकेएम) के बैनर तले किसानों ने मंगलवार को जालंधर शहर के बाहरी इलाके धानोवाली में जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है।

दोआबा किसाना मोर्चा के नेता हरसुलिंदर सिंह ने बताया कि किसानों के गैर राजनीतिक संगठनो की मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ आज दोपहर 12 बजे बैठक है जिसके लिए वह चंडीगढ़ पहुंच चुके हैं। उन्होने बताया कि धरना सियासी संगठनों द्वारा आयोजित किया गया है।

भारतीय किसान यूनियन के नेता मनदीप सिंह समरा ने बताया कि आज शाम चीनी मिल मालिकों के साथ मुख्यमंत्री की बैठक होगी। उसके पश्चात ही आगे की रणनीति तय की जाएगी। एसकेएम कार्यकर्ता जंगवीर सिंह चौहान ने कहा कि किसान, गन्ने की कीमत में बढ़ोतरी, चीनी मिलों में एकल खिड़की और काउंटर भुगतान प्रणाली, बाढ़ और अन्य कारकों के कारण क्षतिग्रस्त गन्ने की फसल के लिए मुआवजा और चीनी मिलों में पेराई शुरू करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई दिनों से सरकार के सामने ये मांगें उठा रहे हैं लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि के संबंध में अधिसूचना जारी करने के बाद ही वे अपना विरोध प्रदर्शन उठाएंगे और वाहनों की आवाजाही के लिए राजमार्ग को साफ करेंगे।

एक अन्य किसान नेता मंजीत सिंह राय ने कहा कि उन्होंने आठ नवंबर को विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन उनकी मांगों को पूरा करने के संबंध में राज्य सरकार के आश्वासन के बाद इसे स्थगित कर दिया था।

दिल्ली जल बोर्ड केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है

इसका ओडिट ही नहीं इसकी न्यायिक जांच की आवश्यकता है : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद श्री मनोज तिवारी ने आज दिल्ली भाजपा के मंत्री श्री हरीश खुराना एवं मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर की उपस्थिति में एक पत्रकारवार्ता में कहा कि दिल्ली जल बोर्ड अरविन्द केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है और इसका ओडिट ही नहीं इसकी न्यायिक जांच की आवश्यकता है। पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता सरदार ज्योतजित सिंह एवं श्री शुभेनदू अवस्थी भी उपस्थित थे।

मनोज तिवारी ने कहा कि 1998 में दिल्ली जल बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य था कि यह बोर्ड स्वयं अपना मूलभूत ढांचा तैयार करेगा और अपने राजस्व से अपने खर्चे चलायेगा। दिल्ली सरकार इसको केवल बड़ी प्लान हेड योजनाओं के लिये आर्थिक संसाधन उपलब्ध करायेगी।

यह खेद का विषय है कि 1999 से 2013 तक कांग्रेस की श्रीमती शीला दीक्षित सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड के संसाधनों की लूट मचाई और जल बोर्ड को टैंकर माफिया के सामने गिरवी रख दिया जिसके परिणाम स्वरूप 2013-14 के अंत में दिल्ली जल बोर्ड पर लगभग 20 हजार करोड़ रूपये की देनदारी खड़ी हो गई।

2015 में सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने 14 लाख घरों को नल से जल देने का सपना दिखाया और फिर 2020 में हर घर को जल देने का सपना दिखाया पर दिल्ली की जल उपलब्धता बढ़ाने के लिये कोई काम नहीं किया। 2013-14 में दिल्ली में 850 एम.जी.डी. पानी उपलब्ध था, राष्ट्रपति शासन के दौरान 2014 में ओखला में 100 एम.जी.डी. पानी का प्लांट लगा जिसके बाद दिल्ली में 950 एम.जी.डी. पेय जल की उलब्धता बनी। सांसद तिवारी ने कहा कि हर घर को पानी देने का सपना दिखाने वाली केजरीवाल सरकार ने जनता को किस तरह धोखा दिया है इसका एक प्रमाण है कि आज दिल्ली में 1350 एम.जी.डी. पेय जल की आवश्यकता है जबकि उपलब्धता मात्र 950 एम.जी.डी. की है। यह खेद पूर्ण है कि लगभग 9 वर्ष के शासन में केजरीवाल ने पेय जल की उपलब्धता बढ़ाने के लिये कोई प्रयास नहीं किये हैं और दिल्ली आज भी टैंकर माफिया की शिकार है। तिवारी ने कहा कि विगत 5 वित्त वर्षों में दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड को 12,700 करोड़ रूपये के ऋण एवं अनुदान दिये हैं पर इस पैसे का कोई हिसाब-किताब नहीं है। वित्त विभाग ने जब भी हिसाब मांगा तो केजरीवाल सरकार ने विक्टिम कार्ड खेलना शुरू कर दिया।

किसी भी संस्था में हेरफेर का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है कि 6 वित्त वर्ष तक उसके खाते ही न लिखे जायें जैसा कि दिल्ली जल बोर्ड में हो रहा है। 2016-17 के बाद से दिल्ली जल बोर्ड के न तो खाते बने हैं और न ही कोई ऑडिट हुआ है। इस हेरफेर के चलते 31 मार्च, 2018 को दिल्ली जल बोर्ड का घाटा जो 26 हजार करोड़ रूपये था, 31 मार्च, 2023 को उसका अनुमान 70 हजार करोड़ का लगाया गया है।

सी.ए.जी. ने लगभग 22 पत्र दिल्ली जल बोर्ड को खाते ऑडिट कराने के लिये लिखे हैं लेकिन केजरीवाल सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगी।

किसान एकता संघ ने प्रदर्शन कर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गौतम बुद्ध नगर। गौतम बुद्ध नगर में किसान एकता संघ संगठन के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को तहसील सदर पर किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद किसानों ने एसडीएम सदर को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों ने एसडीएम के सामने 4 सूत्रीय मांगे रखी। किसान एकता संघ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में सदर तहसील पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए एक चार सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम अंकित कुमार को सौंपा।

इस दौरान प्रदेश महासचिव सतीश कनारसी ने बताया कि किसानों की चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जो इस प्रकार है। किसान अपने कार्य के लिए तहसील परिसर में आते है। उनका कार्य समय से नहीं किया जाता हैं। किसानों को तानाशाही रवैया दिखाते हुए अभद्र भाषा से धमकाया जाता है। विरोध करने वाले किसानों के कार्य लम्बे समय तक लंबित किये जाते है। इस समस्या का तुरंत समाधान होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि खेरली हाफिजपुर गांव में बचत की जमीन को जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद भी आज तक खाली नहीं कराया गया। ना ही भू-माफियाओं पर कोई कार्रवाई तहसील प्रशासन द्वारा नहीं की गई है। इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई कराई जाए। वहीं उन्होंने बताया कि उपजिलाधिकारी के टाईपिस्ट जोकि संविदाकर्मी है। उसका व्यवहार किसानों के प्रति ठीक नहीं है। जिसको लेकर किसानों में रोष है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। अंतिम मांग उन्होंने बताया कि कस्टोडियन भूमि जो एसडीएम सदर द्वारा पूर्व में भू-माफियाओं से कब्जा मुक्त कराई गई। लेकिन पुनः भू-माफियाओं ने कब्जा कर लिया है। उसे तत्काल प्रभाव से कब्जा मुक्त कराया जाए।

इन चार सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम सदर अंकित कुमार को जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। इन सभी मामलों में जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान की बात कही गई।

शार्ट न्यूज

ब्लाइंड मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस में 18 नवंबर को हुए सत्येंद्र नामक युवक के कत्ल का खुलासा किया है। इसमें पुलिस ने अक्षय और सुमित नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक अक्षय और सत्येंद्र की भांजी के बीच दोस्ती थी। जिसको सतेंद्र नापसंद करता था। इसी को लेकर 18 तारीख की रात कांच की बोतल और ईट से सत्येंद्र की हत्या कर दी गई थी। गाजियाबाद के थाना टीला मोड़ क्षेत्र में 19 नवंबर की सुबह सत्येंद्र नाम के युवक का शव हिंडन एयरफोर्स की बाउंड्री के पास मिला था। शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। इस मामले का खुलासा पुलिस ने बुधवार को किया है। डीसीपी ट्रांस हिंडन शुभम पटेल के मुताबिक सतेंद्र की हत्या अक्षय और सुमित नाम के दो युवकों ने की थी। पुलिस ने बताया कि अक्षय और सत्येंद्र की भांजी की पिछले 1 साल से दोस्ती थी। जिस कारण से अक्षय का सतेंद्र के घर आना जाना था। यह बात सत्येंद्र को पसंद नहीं थी। इसी को लेकर अक्षय ने अपने दोस्त सुमित से बात की और दोनों ने तय किया कि सत्येंद्र को रास्ते से हटा देंगे। पुलिस के मुताबिक 18 तारीख की रात को तीनों ने मिलकर नशा किया और जब सुमित और अक्षय को यह तय हो गया कि अब सत्येंद्र विरोध नहीं कर सकता तो कांच की बोतल और ईंट से उसकी हत्या करके वहां से फरार हो गए।

पैरेंट एसोसिएशन ने घेरा जिलाधिकारी कार्यालय

गाजियाबाद। गाजियाबाद पैरेंट्स एसोसिएशन से जुड़े लोगों ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की। उन्होंने एक ज्ञापन भी सौपा। पैरेंट्स एसोसिएशन से जुड़े विवेक त्यागी बताते हैं कि इतनी लंबी लड़ाई के बावजूद राइट टू एजुकेशन के तहत जिन बालक बालिकाओं का एडमिशन स्कूल में होना चाहिए था, वह नहीं हुआ है। उनके मुताबिक कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। बस पत्राचार किया जा रहा है। गाजियाबाद पैरेंट्स एसोसिएशन के सचिव अनिल सिंह ने इस मौके पर कहा कि अगर गरीब बच्चों का हक मारा गया तो गाजियाबाद शिक्षा विभाग में ताला लगा दिया जाएगा। जब विभाग जरूरतमंद की मदद नहीं कर सकता तो ऐसे विभाग का क्या फायदा। पैरेंट्स एसोसिएशन से जुड़े विवेक त्यागी के मुताबिक निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) ग के तहत जिले में जिन स्कूल को भी मान्यता प्राप्त है। वह 25 फ़ीसदी निर्धारित सीटों पर दुर्बल-अलाभित समूह के बालक बालिकाओं को दाखिला देखकर निशुल्क शिक्षा देंगे। विवेक त्यागी बताते हैं कि शिक्षा सत्र 2023-2024 के तहत चार चरणों में लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से कुल 5841 बच्चों का चयन हुआ था। जिसमें 8 महीने की लंबी लड़ाई के बावजूद 3,310 बच्चों का दाखिला ही हो पाया है। लगातार संघर्ष के बावजूद 2531 बच्चे शिक्षा के मौलिक अधिकारों से अब भी दूर हैं।

दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर 7 दिन नहीं चलेंगे बस-ट्रक

गाजियाबाद। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर अगले सात दिन तक भारी कॉमर्शियल वाहन नहीं चलेंगे। 27 नवंबर को गढ़मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा के चलते ये फैसला लिया गया है। एक तरफ गाजियाबाद और दूसरी तरफ मुरादाबाद से ही भारी वाहनों को दूसरे रास्तों पर डायवर्ट कर दिया जाएगा। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अपर पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) रामानंद कुशवाहा ने बताया, भारी कॉमर्शियल वाहनों के लिए रूट डायवर्जन प्लान 23 नवंबर की दोपहर 12 बजे से लागू हो जाएगा, जो 29 नवंबर की रात 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। ये डायवर्जन निजी बस, रोडवेज बस, ट्रक, कैंटर जैसे बड़े वाहनों पर लागू होगा। दिल्ली से अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ की तरफ जाने वाले भारी वाहन गाजियाबाद में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से डायवर्ट कर दिए जाएंगे। ये पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से सिकंदराबाद उतरकर बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा, बबराला, बहजोई, चंदौसी होते हुए अमरोहा-बरेली की तरफ जाएंगे। लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद से आने वाले वाहन भी इसी रास्ते का प्रयोग करते हुए गाजियाबाद की तरफ आएंगे। ट्रैफिक पुलिस ने मुरादाबाद-बरेली की तरफ जाने के लिए एक दूसरा रास्ता भी सुझाया है।

धूल उड़ने पर पीसीबी ने नगर निगम पर 50 हजार का लगाया जुर्माना

साहिबाबाद। ग्रैप लागू होने के बावजूद नियमों का उल्लंघन करने पर प्रदूषण बोर्ड ने नगर निगम पर 50 हजार एवं पटेल नगर थर्ड स्थित वीए टेक वबाग पर 25 लाख जुर्माना लगाए जाने की संस्तुति की है। पर्यावरण नियंत्रण के क्षेत्रीय अधिकारी की ओर से दोनों के खिलाफ जुर्माना लगाने की संस्तुति के साथ मौके पर लिए गए तस्वीर भी उप जिलाधिकारी को भेज दी है। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि नगर निगम की ओर से ऊर्जा मार्ग पर पानी की पाइपलाइन डालने के लिए खोदाई करने के दौरान धूल उड़ने से कोई बचाव नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि नगर निगम की शिकायत स्थानीय लोगों ने की थी, जिसके बाद मौके पर निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई। निरीक्षण करने पहुंची टीम ने मौके से सबूत के तौर पर फोटो भी ली। इसी तरह वीए टेक वबाग लिमिटेड जी-89 पर भी ग्रैप के नियमों का उल्लंघन के लिए 25 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इस संस्था को नगर निगम की ओर से 56 एमएलडी एसटीपी से पानी की सप्लाई के लिए इंदिरापुरम से साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने का कार्य सौंपा गया है। संस्था की ओर से यह कार्य करते हुए वायु प्रदूषण रोकने के लिए कोई व्यवस्था नहीं करते पाया गया।

रात को दस बजे के बाद बेचते थे शराब, तीन गिरफ्तार

साहिबाबाद। कौशांबी में ईडीएम मॉल के पास बॉर्डर पर रात को दस बजे के बाद शराब बेचने वालों का आबकारी और कौशांबी थाना पुलिस ने मंगलवार को भंडाफोड़ किया। पुलिस ने देशी-विदेशी शराब व स्कूटी के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि तीन दिन पहले बॉर्डर पर रात में शराब बेचने की जानकारी मिली थी। टीम ने सोमवार देर रात को जांच की तो ईडीएम मॉल के पास भोवापुर में एक गुमटी व किराये के मकान में शराब बेची जा रही थी। टीम ने घेराबंदी कर 32 वर्षीय सौरभ निवासी बीडीबीए फ्लैट गाजीपुर दिल्ली, 27 वर्षीय अमित प्रताप सिंह निवासी भोवापुर व 23 वर्षीय सुमित सिंह निवासी वैशाली सेक्टर-तीन को गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वह झंडापुर के रहने वाले राकेश के कहने पर काम कर रहे थे। राकेश की ओर से हर दिन एक हजार रुपये दिए जाते थे। वह रात को ठेके बंद होने पर ओवररेट पर शराब बेचते थे। देशी मांगने वालों को यूपी ब्रांड की तो विदेशी मांगने पर दिल्ली व हरियाणा मार्का शराब उपलब्ध कराते थे। तीनों के पास उत्तर प्रदेश, दिल्ली व हरियाणा राज्य की रॉयल ग्रीन व्हिस्की के 90 पौव्वे, व्हाइट एंड ब्लू व्हिस्की के 64 पौव्वे, किंग्स गोल्ड विहस्की के 64 पौव्वे, मिस इंडिया ब्रांड देशी शराब के 216 पौव्वे जबकि विदेशी मदिरा के 302 पौव्वे, बीयर की 139 कैन एंव देशी शराब के 216 पौव्वे बरामद हुई।

एक्सप्रेसवे का रखरखाव करने वाली कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट

गुरुग्राम। दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे का रखरखाव करने वाली एप्को इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कैंप में चोरी करने की नियत से घुसे 10-15 लोगों ने मारपीट की। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। इस हमले में तीन लोग घायल हो गए। हालांकि, सोहना थाना पुलिस ने अभी तक केस दर्ज नहीं किया और मामले की जांच कर रही है। कंपनी एचआर हेड भूपेन्द्र पाठक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सांचौली गांव में स्थित कैंप में सोमवार की रात करीब 9:30 बजे अचानक 10-15 लोग चोरी की नियत से कैंप में घुस गए। इनको भगाने के लिए उनकी तरफ दौड़े तो एक महिला समेत सभी ने रॉड, लाठी और डंडे से उन पर हमला कर दिया। आरोपियों ने सौरभ की छाती पर गैती मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मैनेजर अजय विक्रम सिंह ने बताया कि अन्य कर्मचारी डरकर भागने को मजबूर हो रहे हैं। वहीं, पुलिस ने इस मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की।

नोएडा एक्सप्रेस-वे पर चलती कार में लगी आग

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में मंगलवार रात एक आई 10 कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही चालक ने गाड़ी को साइड में लगा दिया और तेजी से उससे उतर गया। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी आगोश में ले लिया और कार जलकर राख हो गई। इस हादसे में कोई भी जनहानि नहीं हुई है। दरसअल मंगलवार रात्रि को थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर 145 के पास दिल्ली से दनकौर जा रही गाड़ी आई-10 कार में अचानक आग लग गई। इस कार को दिल्ली निवासी शाहनवाज चला रहे थे। बताया जा रहा है कि वो दिल्ली से दनकौर जा रहे थे, जैसे ही वह नोएडा एक्सप्रेस वे पर सेक्टर 145 के पास पहुंचे तो कार के बोनट से धुआं निकले लगा। इसके बाद वह उन्होंने कार को साइड में लगाया और उससे उतर गए। इसी दौरान कार जलने लगी और कुछ ही देर में कार आग का गोला बन गई। यह आग इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही देर में पूरी कार को इसने अपनी आगोश में ले लिया और कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई।

चादर की गिनती को लेकर दो पक्षों में पथराव, एक की हुई मौत

हापुड़ । पिलखुवा के सिखेड़ा गांव में मंगलवार की रात दो पक्षों में पत्थर हुआ, जिसमें 60 वर्षीय रहीसुद्दीन की मौत हो गई। जबकि महिला समेत चार लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तीन को गिरफ्तार किया है। सिखेड़ा निवासी रईसुद्दीन टेलर का काम करता है, जबकि उसके बेटे सुल्तान के बच्चे चादरों की छटनी का काम करते हैं। रईसुद्दीन का चचेरा भाई रफीकुद्दीन भी यही कार्य करता है।

सहकार भारती राजधानी में तृतीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आयोजित करेगा

नयी दिल्ली। सहकार भारती ने देश भर में क्रेडिट सोसाइटियों को आर्थिक, सांस्कृतिक, सामाजिक रूप से और अधिक मजबूत करने तथा इस समूह से जुड़े लोगों की केंद्र सरकार के समक्ष समस्याओं के निदान के लिए आगामी दो और तीन दिसंबर को राजधानी में तृतीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया है।

सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ने मंगलवार को राजधानी में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इस अधिवेशन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण क्रेडिट सोसाइटी को संबोधित करेंगे। एक विशाल तृतीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर और क्रेडिट सोसाइटी के निदेशक, पदाधिकारी, कर्मचारी, सहित अन्य गणमान्य को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, सहकारिता क्षेत्र से जुड़े निदेशक, अधिकारी, स्वयं सहायता समूह तथा संयुक्त दायित्व समूह की करीब 3500 महिलाएं और महिला संस्थाओं के सभी प्रतिनिधियों सहित करीब दस हजार लोग शामिल होंगे। इसके अलावा, आगामी 15 और 16 दिसंबर को तेलंगाना के भाग्यनगर में भी 'तृतीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन' का आयोजन रखा गया है। इस दौरान, क्रेडिट सोसाइटियों के वार्षिक वित्तीय विवरण की प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया है। वार्षिक वित्तीय विवरण प्रतियोगिता में हर प्रदेश स्तर से दो तथा केंद्रीय स्तर पर तीन संस्थाओं को चुनकर विशेष सम्मान, अधिवेशन के समापन सत्र में किया जाएगा।

भाजपा झुग्गियों पर चलवा रही बुलडोजर : आप

भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली में गरीब रह सकें, यह बेहद शर्मनाक है

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने कहा कि दिल्ली सरकार सड़क पर रहने वालों के लिए शिविर बनवा रही है जबकि भाजपा ने जंगपुरा के एक इलाके में झुग्गियों पर बुलडोजर चलवा रही है। आम आदमी पार्टी के विधायक संजीव झा ने संवाददाताओं से कहा कि गरीब विरोधी भाजपा लगातार झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों का घर उजाड़ने की कोशिश करती रही है। दिल्ली सरकार सड़क पर रहने वालों के लिए शिविर बना रही है। दूसरी तरफ भाजपा जंगपुरा के एक इलाके में बुलडोजर चला रही है। एक तरफ हम कह रहे हैं कि निर्माण पर बैन है, दूसरी तरफ घरों पर बुलडोजर चलाने का नोटिस दे दिया जाता है। वह ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली में गरीब रह सकें। यह बेहद शर्मनाक है। जंगपुरा से आप विधायक प्रवीन कुमार ने कहा कि ताजा मामला डीपीएस सुंदर नर्सरी के पास जेजे क्लस्टर का है। डूसिब के अंतर्गत कानूनी तौर पर 675 क्लस्टर आते हैं जिसमें जेजे क्लस्टर भी शामिल है। इन 675 क्लस्टरों में 223 नंबर का क्लस्टर डीपीएस सुंदर नर्सरी मथुरा रोड का है। उसमें डूसिब के पास करीब 216 झुग्गियां पंजीकृत हैं। यह मामला 2019 का है जब दो पार्टियां अदालत में गईं , क्योंकि वह जमीन एलएनडीओ की है इसलिए अदालत ने एलएनडीओ को अतिक्रमण रोकने को कहा था। हाई कोर्ट ने पहले भी स्पष्ट किया था और मंगलवार के निर्णय में भी साफ किया है कि सरकारी नीति को नजरअंदाज न किया जाए। सरकारी नीति को जमीनी स्तर पर लागू किया जाए और उसी के अनुसार काम हो।

उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले के बावजूद कल एलएनडीओ ने घरों को चिन्हित करके तोड़ना शुरू कर दिया। अदालत ने मौखिक रूप से भी कह दिया था कि सुबह 10: 30 बजे तक वहां पर तोड़-फोड़ नहीं की जाएगी फिर भी तोड़फोड़ की गयी। यह अदालत के फैसले का उल्लंघन है। यह सारा मामला दिखाता है कि किस तरह केंद्र सरकार पूरे देश से गरीबों को बेघर करना चाहती है।

प्रवीण कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी की मांग है कि अदालत का आदेश लागू हो। एलएनडीओ की जमीन है और विस्थापना डीडीए को करना है लेकिन डीडीए ने अबतक विस्थापना की कोई नीति नहीं बनाई है और ना ही डूसिब के नोटिस को लेकर कोई बैठक की है। एलएनडीओ डूसिब को बुलाए और डूसिब के अंतर्गत आने वाले क्लस्टरों को सुरक्षित रखा जाए। आम आदमी पार्टी गरीबों के आशियानों को बचाने के लिए और उनके हक की लड़ाई लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लूट के विरोध पर चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन के पास सोमवार रात लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। एक युवक बदमाशों की चंगुल से जान बचाकर भाग गया, लेकिन साथी वहीं गिर गया। बदमाशों ने उस पर चाकू से कई वार कर दिए। पुलिस ने घायल युवकों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया जहां मंजय पासवान (36) की मौत हो गई। पश्चिम विहार वेस्ट थाना पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पीड़ित के बताए हुलिए के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी है। पुलिस के अनुसार, मंजय बहादुरगढ़ में रहकर मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र की जूते चप्पल बनाने की फैक्टरी में काम करता था। सोमवार रात करीब 9 बजे पुलिस को मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन के पास युवक को चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। मौके पर पुलिस को जितेंद्र मिला। वह भी चाकू लगने से मामूली रूप से घायल था। उसने बताया कि रेलवे ट्रैक के पास मंजय खून से लथपथ पड़ा है। पुलिस ने देखा कि मंजय के शरीर पर चाकू के आधा दर्जन निशान थे। पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर जांच करवाई। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए। जितेंद्र ने बताया कि वह मूलतः बिहार के रहने वाले हैं और बहादुरगढ़ में रहते हैं। काम खत्म करने के बाद फैक्टरी से बहादुरगढ़ जाने के लिए दोनों मंगोलपुरी रेलवे स्टेशन आ रहे थे। रेलवे ट्रैक से होकर प्लेटफॉर्म पर आने के दौरान पांच युवक उनसे लूटपाट की कोशिश करने लगे। ट्रैक पर ही उनके और आरोपियों के बीच हाथापाई होने लगी। बदमाशों ने उन पर चाकुओं से हमला किया। जितेंद्र मामूली रूप से घायल हुआ और भागकर अपनी जान बचाई।

10,371 लीटर शराब को किया गया नष्ट

गौतम बुद्ध नगर। कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में विगत वर्षों में आबकारी विभाग और पुलिस के द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई । इस दौरान अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध शराब पकड़ी गई। अब न्यायालय के आदेश के बाद उस शराब को नष्ट करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सूरजपुर थाना पुलिस ने करीब 10371 लीटर शराब को जेसीबी की मदद से नष्ट किया। आबकारी विभाग और पुलिस के द्वारा विगत वर्षों में तस्करों के कब्जे से बरामद हुई शराब को नष्ट करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशानुसार माल निरस्तीकरण के सम्बन्ध में चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार रात को सहायक पुलिस आयुक्त तृतीय सेन्ट्रल नोएडा, आबकारी निरीक्षक व थाना प्रभारी सूरजपुर की मौजूदगी में शराब को नष्ट किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार विगत वर्षों में दाखिल आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित 136 अभियोग में बरामद की गयी प्रांतीय/गैरप्रांत अवैध शराब को नष्ट किया गया। इस दौरान कुल 10,371 लीटर शराब को पुलिस के द्वारा नष्ट कराया गया। माल खाने में रखी हुई शराब को निकलवाया गया। एक उचित स्थान पर ले जाकर जेसीबी से गड्ढा खोदने के बाद शराब की बोतलों को फोड़ दिया गया। उसके बाद सभी शराब की उन बोतलों को गड्ढे में डालकर ऊपर से जेसीबी से मिट्टी डाल दी गई।

चलती कार की छत से पटाखों छोड़ने के मामले में एक काबू

गुरुग्राम। दीपावली पर चलती कार की छत पर पटाखे की पेटी रखकर छोड़ने के वीडियो मामले में पुलिस ने एक आरोपी को काबू कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो, जिसमें सेक्टर-70, गुरुग्राम में कार की छत पर पटाखे की पेटी रखकर छोड़कर दूसरों की जान जोखिम में डालकर अपराध किया था। उनका कहना है कि इस संबंध में गुरुग्राम पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुए थाना बादशाहपुर में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कराया था।

बामनोली भूमि अधिग्रहण : आतिशी ने सीएम केजरीवाल को सौंपी सप्लिमेंट्री रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की सतर्कता मंत्री आतिशी ने बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक सप्लिमेंट्री रिपोर्ट सौंपी है। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्य सचिव नरेश कुमार की प्रथम दृष्टया मिलीभगत का आरोप लगाने वाली सतर्कता मंत्री आतिशी की रिपोर्ट पर विचार करने से इनकार कर दिया था। उपराज्यपाल ने पहली रिपोर्ट पर संज्ञान लेने से इनकार करते हुए कहा था कि चीफ सेक्रेटरी ने डीएम के खिलाफ कार्रवाई की थी। आतिशी की रिपोर्ट में बताया कि चीफ सेक्रेटरी ने डीएम के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया। कागज पर नूरा कुश्ती चल रही थी। सारे तथ्य जानते हुए भी डीएम को निलंबित नहीं किया गया। चीफ सेक्रेटरी ने डीएम को बचाने की पूरी कोशिश की। चीफ सेक्रेटरी के बेटे की कंपनी को फायदा मिला है। असलियत को सामने लाने के लिए सीबीआई-ईडी की जांच जरूरी है। जांच होने तक चीफ सेक्रेटरी को निलंबित करना जरूरी है। राज निवास के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि ऐसा लगता है कि यह पूरी तरह से मंत्री की पूर्व धारणाओं और अनुमानों पर आधारित है। सरकार द्वारा उन्हें रिपोर्ट सौंपे जाने पर एक फाइल नोटिंग में सक्सेना ने कहा है कि रिपोर्ट चल रही जांच को सुविधाजनक बनाने के बजाय उसमें बाधा डाल सकती है। उपराज्यपाल ने कहा कि मुझे शिकायतों पर प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त हुई है, जो सतर्कता मंत्री द्वारा प्रस्तुत की गई है और मुख्यमंत्री द्वारा समर्थित है।

भ्रष्ट लेखपाल को किया जाए बर्खास्त, तीसरे दिन भी धरना जारी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के भ्रष्ट लेखपाल को हटाने के लिए आज तीसरे दिन भी प्राधिकरण पर किसानों का धरना जारी रहा। भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारी ने बताया कि लगातार तीसरे दिन अधिकारी प्राधिकरण में नहीं बैठ रहे हे। इस वजह से भ्रष्ट लेखपाल मनोज सिंघल को बर्खास्त करने का ज्ञापन नहीं दे पा रहे हैं ।

जब तक भ्रष्ट लेखपाल को बर्खास्त नहीं किया जाएगा प्रदर्शन जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने कहा कि भ्रष्ट लेखपाल के खिलाफ तब तक प्रदर्शन करते रहेंगे, जब तक कार्यवाही सुनिश्चित ना हो जाए और इसे नोएडा प्राधिकरण इसे हटा नहीं देता। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के इस भ्रष्ट लेखपाल की वीडियो ऑडियो इंटरनेट पर वायरल है।

क्षेत्रीय सांसद विधायक एवं भाजपा के पदाधिकारी भी देख रहे होंगे। लेकिन किसी ने भी सिंघल को हटाने के लिए अब तक कोई भी सार्वजनिक बयान या पत्र नहीं लिखा।

हलाल-सर्टिफाइड प्रोडक्ट की तलाश में 30 जगह छापे

गाजियाबाद। हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रतिबंध लगाया है। जिसको लेकर गाजियाबाद खाद्य और औषधि विभाग लगातार डिपार्टमेंट स्टोर के साथ मॉल में छापेमारी की कार्रवाई कर रहा है। जहां से भारी मात्रा में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स को जब्त किया है। जिनके यहां ये समान मिला है, उन पर कार्रवाई भी की जाएगी। गाजियाबाद में असिस्टेंट कमिश्नर फूड विनीत कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिनों से खाद्य विभाग लगातार हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट को छापेमारी कर चुका है। भारी मात्रा में हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट भी मिले हैं। पिछले तीन दिनों में 30 जगह पर छापेमारी की कार्रवाई की गई और 09 दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी। जिन जगहों पर हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट मिल रहे हैं उन दुकानदारों और गोदामो पर भी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

खसरे के खतरे

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ और अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र यानी सीडीसी की ताजा रिपोर्ट में यह सामने आया है कि खसरे के टीकाकरण में पिछले कुछ वर्षों की गिरावट के बाद 2022 में इस रोग के मामलों में अठारह फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि मौजूदा दौर में सामान्य से लेकर जटिल रोगों के इलाज और उससे पार पाने के तमाम उपाय चिकित्सा जगत निकाल रहा है। इसके बावजूद आज भी कई ऐसे रोग हैं, जिनसे लंबे वक्त से लड़ाई चल रही है। उनके उन्मूलन के प्रयास चल रहे हैं। मगर अक्सर कुछ बीमारियों के फिर से सक्रिय हो जाने का खतरा मंडराने लगता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्लूएचओ और अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र यानी सीडीसी की ताजा रिपोर्ट में यह सामने आया है कि खसरे के टीकाकरण में पिछले कुछ वर्षों की गिरावट के बाद 2022 में इस रोग के मामलों में अठारह फीसद की बढ़ोतरी हुई है।

इसके बाद इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ कर नब्बे लाख तक पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 और 2022 के बीच खसरे से होने वाली मौतों में तैंतालीस फीसद का इजाफा हुआ है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले साल इस रोग से एक लाख छत्तीस हजार लोगों की जान चली गई, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे।

गौरतलब है कि एक विषाणु से होने वाले संक्रमण के लिहाज से खसरा अत्यधिक संवेदनशील रोग है। संक्रमित व्यक्ति की सांस, छींक या खांसी से निकलने वाली बूंदों से भी यह रोग तेजी से फैलता है। इससे मरीज की जान तक चली जाती है। सवाल है कि अचानक इस रोग के खतरा बन जाने के हालात कैसे पैदा हो गए, जबकि इससे निपटने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक तस्वीर दिखने लगी थी।

इसे लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में खसरे के टीकाकरण की दर में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका कारण कोरोना महामारी और इससे उपजे हालात को माना जा रहा है, जिसमें अन्य बहुत सारे जरूरी कामों के साथ-साथ कई बीमारियों की रोकथाम के लिए समयबद्ध टीकाकरण का काम भी व्यापक पैमाने पर प्रभावित हुआ था।

आमतौर पर खसरा के टीके की दो खुराक दी जाती है। 2021-22 के बीच लगभग 3.3 करोड़ बच्चे इससे वंचित रह गए, जिनमें से ज्यादातर को पहली और बहुत सारे बच्चों को दूसरी खुराक नहीं मिल पाई। जबकि माना जाता है कि इस रोग से लड़ने के लिए सबसे कारगर रास्ता टीकाकरण ही है।

विडंबना है कि एक समय जहां इसके उन्मूलन को लेकर उम्मीदें जगने लगी थीं, वहीं पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसका खतरा तेजी से फैलने लगा है। 2021 में बाईस देशों में इसके असर का पता चला था, मगर 2022 में इसकी चपेट में आने वाले देशों की संख्या सैंतीस हो गई। इसका सीधा अर्थ है कि खसरे पर नियंत्रण पाने के दावों या कोशिशों के उलट इसका प्रकोप अब तेजी से फैलने लगा है।

ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिन देशों में खसरा के नए मामले पाए गए हैं, वहां इसके उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर लिए जाने की बात कही गई थी या फिर वे इसके करीब थे।

डब्लूएचओ के मुताबिक, भारत खसरा के मामलों में दुनिया भर में चौथे स्थान पर है। यहां 'मिशन इंद्रधनुष' की मदद से सन 2023 तक खसरे को खत्म करने की बात कही गई थी। मगर फिलहाल जो हालात दिख रहे हैं, उसमें खसरे के खतरे से जूझ रहे दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत के लिए भी एक नई चिंता उभर गई है।

सिलक्यारा सुरंग में खुदाई के दौरान सुरक्षा इंतजाम नहीं करना सवालों के घेरे में

उत्तराखंड के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वे इस कदर भंगुर हैं कि सामान्य से अधिक बारिश में भी धंसने लगते हैं।

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में पिछले दस दिनों से फंसे इकतालीस मजदूरों से संपर्क होने के बाद उनके परिजनों तथा राहत और बचाव दल ने राहत की सांस ली है। सभी श्रमिक सुरक्षित हैं और उन्हें भोजन-पानी पहुंचाने का इंतजाम कर दिया गया है। जल्दी ही उन्हें बाहर निकाल लाने का भरोसा बना है।

जरूरी मशीनें मंगा ली गई हैं और सुरंग के अगल-बगल से खुदाई चल रही है। दरअसल, सीधी खुदाई करके मलबा हटाना जोखिमभरा काम था, इसलिए इस काम में काफी वक्त लग गया। दिवाली वाले दिन सुरंग में काम चल रहा था कि जमीन धंस गई और सुरंग में मलबा भर गया। तब दावा किया गया था कि एक-दो दिन में ही मजदूरों को बाहर निकाल लिया जाएगा, मगर दस दिनों तक कोई उपाय काम नहीं आया।

जैसे-तैसे मजदूरों तक दवाएं और कुछ मेवे वगैरह पहुंचाए जा पा रहे थे। अब वहां तक एक पाइप डाल कर कैमरे के माध्यम से उनसे संपर्क हो पाया है और बचाव दल को वहां की सही स्थिति समझने में भी मदद मिल पा रही है। हालांकि इतने दिनों तक चली मशक्कत के बीच कई ऐसे सवाल भी उभरे हैं, जिनका जवाब शायद किसी के पास नहीं है।

यों सुरंगों और खदानों में काम करना हमेशा जोखिमभरा होता है। पहले भी कई कोयला खदानों के धंस जाने या उनमें पानी भर जाने से मजदूरों के हताहत होने की घटनाएं दर्ज हुई हैं। मगर जबसे इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस मशीनों का इस्तेमाल होने लगा है और सुरक्षा उपाय अधिक पुख्ता हो गए हैं, तबसे ऐसी घटनाएं कम ही सुनने को मिलती हैं।

उत्तरकाशी में सिलक्यारा सुरंग बना रही कंपनी काफी अनुभवी है और इस तरह की कई परियोजनाओं पर पहले काम कर चुकी है। जाहिर है, उसके पास तकनीकी दक्षता है।

मगर यह समझना अब भी मुश्किल है कि कैसे उसे पहाड़ धंसने की आशंका नहीं थी और वह सामान्य सुरंग बनाने के तरीके ही इस्तेमाल करती रही। जहां भी सुरंग की खुदाई होती है, वहां जमीन की प्रकृति का अध्ययन पहले किया जाता है।

उत्तराखंड के पहाड़ों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। वे इस कदर भंगुर हैं कि सामान्य से अधिक बारिश में भी धंसने लगते हैं। वहां जोशीमठ आदि में पहाड़ों के दरकने से किस तरह लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, वह भी किसी से छिपा नहीं है। फिर भी कंपनी ने जरूरी एहतियाती उपाय कैसे नहीं जुटाए।

सुरंग धंसने के बाद अनेक तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चाएं हो चुकी हैं, जिनमें कंपनी की तरफ से जरूरी अध्ययन और सुरक्षा इंतजाम न किए जा सकने की लापरवाहियों पर अंगुलियां उठी हैं। बाहरी दबाव को रोकने के लिए सीमेंट की जैसी मोटी परत बिछाई जानी चाहिए और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पहले ही जो पाइप डाली जानी चाहिए, उसके न होने को लेकर भी कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं।

उम्मीद की जाती है कि इस परियोजना से जुड़े लोग इस घटना से सबक लेंगे और आगे किसी भी तरह की ऐसी घटना को रोकने का प्रयास करेंगे।

अच्छी बात है कि मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तकनीकी उपाय जुटा लिए गए हैं और विशेषज्ञ दूसरे रास्तों से उन तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। इस समय तकनीकी जिस उन्नत अवस्था में है, उससे भरोसा बढ़ा है कि इस समस्या से जल्दी ही पार पा लिया जाएगा।

भ्रष्ट होते चुनावों से लोकतंत्र के धुंधलाने का संकट

-ललित गर्ग-

चुनाव चाहे लोकसभा के हो या विधानसभा के या फिर नीचे के लोकतांत्रिक संगठनों के, जहां नीति, नैतिकता एवं पवित्रता की बात पीछे छूट जाती है, वहां न केवल लोकतंत्र बल्कि राष्ट्र भी कमजोर हो जाता है। तीन राज्यों में चुनाव हो चुके हैं और दो राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तिथियों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू कर दी जाती है। अधिक संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक कर्मियों की तैनाती भी होती है। इन प्रयत्नों एवं सतर्कताओं के बावजूद चुनावों में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार एवं अनैतिकताएं सामने आना दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतंत्र के सामने गंभीर संकट है। तमाम तरह की सावधानियों के बावजूद राजनैतिक पार्टियां और उनके उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए नगदी, शराब, उपहार आदि का वितरण करते हुए देखे जा रहे हैं। यह बीमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हर स्तर-पंचायत से लेकर लोकसभा चुनाव-तक जा पहुंची है और लगातार बढ़ती भी जा रही है। यदि चुनाव को पवित्र संस्कार नहीं दिया गया तो भारत के लोकतंत्र का आदर्श धुंधला एवं दुर्बल ही होता जायेगा। जबकि निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान से ही जन प्रतिनिधियों का चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती दे पायेगा। उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए अवैध तरीके नहीं अपनायें और मतदाता को लुभाने एवं गुमराह करने की कोशिशों से बाज आये। जीत-हार की राजनीति में आकंठ डूबे राजनेता अब राजस्थान एवं तेलंगाना विधानसभाओं के चुनावों में लगे हैं। इसके कुछ महीनों बाद समूचा देश केन्द्र की सत्ता चुनने में लग जाएगा, लेकिन ऐसे में क्या हमारी मौजूदा दूषित होती चुनाव प्रक्रियाओं के हालातों पर विचार करना मौजूं नहीं होगा? क्या इन चुनावों के बहाने आजादी के साढ़े सात दशकों में हासिल वर्तमान परिस्थितियों की समीक्षा नहीं करना चाहिए?

इस माह पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, इन राज्यों में अब तक 1,760 करोड़ रुपये की नगदी, शराब, उपहार आदि की बरामदगी हुई है, चुनाव प्रक्रिया के अंत तक इसमें बढ़ोतरी का अनुमान है। मतदाताओं को रिश्वत देने, रेवडियां बांटने एवं लुभाने का यह चलन किस गति से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि इन राज्यों में इस साल बरामद नगदी और चीजों का मूल्य 2018 के चुनाव की तुलना में सात गुना से भी अधिक है। सबसे अधिक बरामदगी तेलंगाना और राजस्थान में हुई है। इन दो राज्यों में मतदान अभी होना है। मिजोरम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में वोट डाले जा चुके हैं। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अब चुनाव प्रचार के दौरान भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिये सभी राजनीतिक दल जायज-नाजायज तरीके अपना रहे हैं। जबकि आचार संहिता के उल्लंघन और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इस बार चुनाव आयोग ने निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए तकनीक का भी सहारा लिया है ताकि केंद्रीय और राज्य स्तर की विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल हो सके। बावजूद इन सख्तियों के उम्मीदवार मतदाताओं को नगदी, शराब, उपहार आदि देने के रास्ते निकाल ही रहे हैं। यहां मतदाता भी प्रलोभन में आकर अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है। छोटे-छोटे प्रलोभनों में वे अपनी बड़ी जिम्मेदारी से मुंह फेर रहे हैं। जो जनता अपने वोटों को चंद चांदी के टुकड़ों में बेच देती हो, सम्प्रदाय एवं जाति के उन्माद में योग्य-अयोग्य की पहचान खो देती है, अपने निष्पक्ष मतदान की जिम्मेदारी को किन्हीं स्वार्थों की भेंट चढ़ा देती है, वह जनता योग्य, जिम्मेदार एवं पात्र उम्मीदवार को कैसे विधायी संस्थाओं में भेज पाएंगी?

स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र की स्थापना का दायित्व जनता का ही है। वोट देते हुए वह जितनी जागरूक होगी, उतना ही देश का हित होगा।

इन पांच राज्यों- मिजोरम, छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं तेलंगाना में हर बार की तरह इस बार भी जमकर चुनावी भ्रष्टाचार देखने को मिला है। इन चुनावों में हर राजनैतिक दल अपने स्वार्थ की बात सोचता रहा तथा येन-केन-प्रकारेण ज्यादा-से-ज्यादा वोट प्राप्त करने की तरकीबें निकालता रहा। इसके लिये उसने पूर्व की अपेक्षा इस बार ज्यादा गलत, असंवैधानिक, अनैतिक एवं भ्रष्ट तरीकों का इस्तेमाल किया है। जबकि आयोग पूर्व की अपेक्षा अधिक सक्रिय और सतर्क हुआ है। चुनावी प्रक्रिया में शामिल प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मियों में भी अधिक सचेतना देखी गयी है। लेकिन विडम्बना देखिये कि इतना सब होने के बावजूद स्वच्छ, पारदर्शी एवं शुद्ध चुनाव संभव नहीं हो पा रहे हैं। चुनावों में धन-बल का इस्तेमाल बढ़ा है, साम्प्रदायिक एवं जातीय दावपेंच बढ़े हैं।

नगद धन, शराब एवं उपहार खुलेआम बांटे गये हैं। जबकि ये स्थितियां चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। इन पर नियंत्रण की प्राथमिक जिम्मेदारी और जवाबदेही आयोग की है तो राजनीतिक दलों की भी है। बढ़ता चुनावी भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है, जिस प्रकार प्रत्याशियों के विरुद्ध दर्ज मामलों की जानकारी सार्वजनिक की जाती है, उसी तरह यह भी मतदाताओं को बताया जाना चाहिए कि जो अवैध नगदी और अन्य चीजें बरामद हुई हैं, वे किस उम्मीदवार की हैं। जिस उम्मीदवार ने ऐसा दुस्साहस किया हो, उसकी उम्मीदवार की पात्रता को अवैध घोषित किया जाना चाहिए। चुनावी भ्रष्टाचार रोकने में मतदाताओं को भी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। अनेक मतदाताओं को अपने हिताहित का ज्ञान नहीं है, इसलिये वे हित-साधक उम्मीदवार एवं दल का चुनाव नहीं कर पाते हैं। अनेक मतदाता मोहमुग्ध होते हैं, इसलिये उनका मत शराब की बोतलों एवं छोटी-मोटी धनराशियों एवं स्वार्थों के पीछे लुढ़क जाता है। यह हमें समझना होगा कि जो भ्रष्टाचार के सहारे जीतेगा, वह कभी जनता की सेवा को प्राथमिकता नहीं देगा। इसलिए, चुनावी भ्रष्टाचार के रोग का उपचार आवश्यक है।

हकीकत यह भी है कि चुनाव सुधार की मांग समय-समय पर उठती रही है और खासकर उस समय जब चुनाव नजदीक आए अथवा चुनावी प्रक्रियाओं के समय चुनाव में सुधारात्मक कदम उठाने की बात ज्यादा की जाती रही है।

लेकिन प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि इन मसलों का हल चुनाव से पहले ही क्यों नही निकाल लिया जाता है? इसका उत्तर यह कदापि नहीं है कि चुनाव आयोग शक्तिहीन हो चुका है। आज भी चुनाव आयोग में संपूर्ण शक्तियां विद्यमान हैं और वह निष्पक्षता से काम भी कर रहा है। लेकिन पिछले कुछ दशकों से यह देखा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट तो सदैव चुनाव सुधार की बात करता है, लेकिन राजनीतिक दल सदैव इसमें असहयोग और विरोध ही प्रकट करते रहे हैं। शायद यह कयास लगाना गलत नहीं होगा कि चुनाव सुधार से राजनीतिक दलों को यह भय सताता रहा होगा कि उनके मनमानी और आपराधिक संलिप्तता तथा धन का अथाह उपयोग पर रोक लग जाने से चुनावों में जीत को सुनिश्चित करना असंभव हो जायेगा। वैसे भी भारत में चुनावों में बड़ी मात्र में धन की जरूरत एक कड़वी सच्चाई है, इसके लिए निर्धारित खर्च की सीमा निरर्थक साबित होती रही है और जिसका शायद ही पालन किया जाता है।

अनेक खामियों के कारण ही चुनाव शुद्धि के अनुकूल बहुत कुछ हो नहीं सका। वैसे इस संबंध में बहुत से प्रासंगिक सुधारों एवं सख्त कदमों की आवश्यकता है। धन-बल के बढ़ते उपयोग से चुनावों में भ्रष्टाचार मजबूती से अपनी जड़ें जमा लेता है, जो अंततः सारी व्यवस्था को अपने लपेटे में लेकर भ्रष्ट और कमजोर बना देता है। अक्सर ऐसे चुनावी धन का स्रोत अपराध में छिपा होता है। चुनावों में बेहिसाब धन अपराधी तत्वों द्वारा इस उम्मीद से लगाया जाता है कि चुनाव बाद वे सरकारी ठेके और दलाली पर काबिज हो सकेंगे तथा खर्च की गई रकम को सूद समेत वसूल कर लेंगे। यहीं से राजनीतिक भ्रष्टाचार की शुरुआत होती है और इसी से चुनाव भ्रष्टाचार में संलिप्त होते हैं। लोकतंत्र को सही अर्थो में 'लोगों का तंत्र' बनाने बाबत केंद्र सरकार ने चुनाव सुधार संबंधी विधेयक लाकर सार्थक पहल कर दी है।

धर्मनिरपेक्षता देश के विश्वास की बुनियाद

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत हैद्य धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैद्य धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है। भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता हैद्य प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है। धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है। भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें।

चलिए स्वयं की खोज में

क्या कभी आपने अपने आप को
खुद में पहचानने, खोजने की
कोशिश की है, उस सच की तलाश
की है, जो आपके अंदर सदियों से
समाया हुआ है, आपके मन में
तिल तिल कर जिंदा है
आप के मनोभावों के साथ
बाहर आना चाहता हो,
आपने अंदर के मासूम बच्चे
को महसूस करने की कोशिश की है।
आप कभी यूं ही बेवजह
मुस्कुराये, खिलखिलाये है,
रोज एक नया मुखौटा लेकर
एक नए-नए पलों को
जीते चले जा रहे हैं,
जिंदगी के सच का
सामना नहीं कर सकते ,
वही सच जो आपको
वर्तमान का आईना भी दिखाता है,
आप भागते हैं कड़वी
सच्चाईयों से, और निकल पड़ते हैं,
नए चेहरे की तलाश में
जो आने वाले कालचक्र में
आपको नया मुखौटा देगा
और अंदर की सच्चाई से
दूर और दूर ले जाएगा,
बेवजह अनासक्त,
चलो किसी नन्हे मासूम की
भोली मुस्कान में खो जाते हैं,
जिंदगी के बहुत नजदीक ।

संजीव ठाकुर
रायपुर

राजस्थान में कब बनेगा जाट मुख्यमंत्री

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा प्रांत है। यहां करीबन 8 करोड़ की आबादी निवास करती है। जिसमें से सबसे अधिक करीबन 13-14 प्रतिशत जाट समाज के लोग आते हैं। प्रदेश की राजनीति में जाटों का हमेशा दबदबा रहा है। सबसे अधिक संख्या में विधायक व सांसद भी जाट ही निर्वाचित होते हैं। मगर इतना सब होते हुए भी राजस्थान में आज तक किसी भी पार्टी से जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है। जब-जब विधानसभा के चुनाव होते हैं तब जरूर जाट समाज के व्यक्ति को मुख्य मंत्री बनाने की बातें चलती है। मगर चुनाव होने के बाद जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है। राजस्थान में जाट समाज आजादी के समय से ही कांग्रेस का सबसे बड़ा समर्थक वोट बैंक रहा है। आज भी जाटों का झुकाव कांग्रेस की तरफ बना हुआ है। लेकिन मौजूदा विधानसभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल से ऐसा कोई जाट नेता नहीं है जो मुख्यमंत्री की रेस में शामिल हो सके। नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने पिछले विधानसभा चुनाव में जरूर अपनी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और तीन विधानसभा सीटों पर जितने में सफल रहे थे। उस समय हनुमान बेनीवाल का दावा था कि राजस्थान में हासिये पर पहुंच गई जाट राजनीति को वह अपनी पार्टी के माध्यम से मुख्य धारा में लायेंगे।

2019 के लोकसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने भाजपा से गठबंधन कर नागौर से लोकसभा चुनाव लड़कर सांसद बन गए थे। इस बार हनुमान बेनीवाल ने उत्तर प्रदेश के चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी से गठबंधन कर विधानसभा चुनाव में उतरे हैं। लेकिन 200 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करने वाले बेनीवाल की पार्टी महज 78 सीटों पर ही अपने प्रत्याशी उतर पाई है। खुद को जाट आइकॉन के रूप में पेश करने वाले हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतार कर उन्हे वाक ओवर दे दिया है। वैसे भी हनुमान बेनीवाल के साथ अन्य जाति के मतदाता नहीं जुड़ पाए हैं।

राजस्थान में आजादी के बाद से ही कांग्रेस की सरकार बनती रही है। कांग्रेस की सरकारों में नाथूराम मिर्धा, चौधरी कुंभाराम आर्य, परसराम मदेरणा, कमला बेनीवाल, रामनिवास मिर्धा, रामदेव सिंह महरिया, दौलत राम सारण, सुमित्रा सिंह, रामनारायण चौधरी, शीशराम ओला, चौधरी नारायण सिंह, हेमाराम चौधरी, महादेव सिंह खंडेला, लालचंद कटारिया जैसे प्रभावशाली जाट नेता शामिल होते रहे थे। लेकिन इनमें से कोई भी नेता राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया। 1973 में रामनिवास मिर्धा मुख्यमंत्री पद के चुनाव में हरदेव जोशी से महज एक वोट से हार गए थे। इसके साथ ही राजस्थान में जाट मुख्यमंत्री बनने से रह गया था। 1998 के विधानसभा चुनाव में परसराम मदेरणा को चेहरा बनाकर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था और भारी बहुमत प्राप्त किया था। लेकिन दिल्ली की राजनीति में परसराम मदेरणा पराजित हो गए और अशोक गहलोत को राजस्थान का मुख्यमंत्री बना दिया गया। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला अशोक गहलोत के सामने मुख्यमंत्री के दावेदार बने थे मगर अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाया गया। इस तरह जाट नेताओं को तीन बार कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के अवसर मिले मगर तीनों ही बार वह असफल हो गए। वर्तमान समय में देखे तो आज राजस्थान की राजनीति में किसी भी जाट नेता का इतना बड़ा कद नहीं है जो मुख्यमंत्री पद की दावेदारी कर सके। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तीसरी बार के विधायक है। लेकिन मंत्रिमंडल में उनको भी शिक्षा राज्य मंत्री ही बनाया गया था।

हालांकि भाजपा ने भी अब जाटों पर अपनी पकड़ बनाने शुरू कर दी है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 30 से अधिक जाट प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले जाट समाज के डॉक्टर सतीश पूनिया को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष भी बनाया गया था। लेकिन भाजपा में जाट मुख्यमंत्री बनने की बात सोची भी नहीं जा सकती है। क्योंकि जाट समाज आज भी मूल रूप से कांग्रेस से ही जुड़ा हुआ है। इसलिए भाजपा की बजाय जाट समाज की कांग्रेस में अधिक मजबूत दावेदारी बनती है।

कभी केंद्र की राजनीति में बलराम जाखड, कुंवर नटवर सिंह मजबूत जाट नेता बन कर उभरे थे। इन्होंने बहुत से युवा जाट नेताओं को आगे भी बढ़ाया था। मगर यह लोग केंद्र की राजनीति तक ही सीमित होकर रह गए। इन्होंने कभी भी प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री बनने का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस पार्टी अपने विधानसभा के चुनावी संकल्प पत्र में सरकार बनने पर जातिगत जनगणना करवाने की बात कह रही है। यदि प्रदेश में जातिगत जनगणना होती है तो बिहार की तरह राजस्थान में भी सबसे बड़ी आबादी जाटों की ही होगी। तब प्रदेश की राजनीति में जाटों की असली ताकत का अहसास होगा।

राजस्थान में 7 अप्रैल 1949 से लेकर अब तक 25 मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जिनमें आठ बार ब्राह्मण, पांच बार बनिया, पांच बार राजपूत, एक बार मुस्लिम, एक बार खटीक, एक बार कायस्थ, तीन बार माली मुख्यमंत्री बने हैं। इस सूची में जाट समाज के एक भी व्यक्ति का नाम नहीं है। जाट समाज की नेता कमला बेनीवाल को जरूर एक बार उप मुख्यमंत्री बनाया गया था। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर जरूर सरदार हरलाल सिंह, नाथूराम मिर्धा, रामनारायण चौधरी, परसराम मदेरणा, चौधरी नारायण सिंह, डॉक्टर चंद्रभान, गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई जाट नेता रह चुके हैं। मगर मुख्यमंत्री का पद उनसे आज भी दूर ही है। राजस्थान में कांग्रेस की पूरी राजनीति मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धीरे-धीरे एक-एक कर जाट नेताओं को किनारे लगा दिया। ताकि उनकी कुर्सी पर जाटों की दावेदारी नहीं हो सके। 1998 में जब गहलोत पहली बार मुख्यमंत्री बने थे उस समय परसराम मदेरणा, डॉ बलराम जाखड, कुंवर नटवर सिंह, शीशराम ओला, रामनिवास मिर्धा, चौधरी नारायण सिंह, हेमाराम चौधरी जैसे वरिष्ठ जाट नेता राजनीति में सक्रिय थे। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धीरे-धीरे सभी को किनारे कर दिया। इतना ही नहीं 1998 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अशोक गहलोत ने कांग्रेस में वरिष्ठ नेता रहे नवल पंडित नवल किशोर शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया, शिवचरण माथुर, हीरालाल देवपुरा जैसे नेताओं को भी किनारे लगा दिया था। आज राजस्थान की राजनीति में मजबूत नेता नहीं होने के कारण जाट मतदाता किसी एक पार्टी के साथ नहीं बंधे हुए हैं। सभी राजनीतिक दलों में जाट नेताओं को महत्व मिलने लगा है। प्रदेश में भाजपा के 24 लोकसभा सांसदों में से पांच जाट समाज के हैं। जिनमें से कैलाश चौधरी केंद्र सरकार में कृषि राज्य मंत्री के पद पर है। वही करीबन एक दर्जन से अधिक जाट समाज के विधायक भाजपा में भी है। राजस्थान में सबसे अधिक आबादी होने के बावजूद भी जाट समाज का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है इसके लिए स्वयं जाट समाज के नेता भी जिम्मेदार है। प्रदेश की राजनीति में जब भी जाट समाज के व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनने के लिए अवसर आया उस समय जाट नेताओं ने ही उसकी टांग खींचाई कर दी। जिस कारण जाट समाज का व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन पाया।

पूर्वी यूपी का नोएडा बनने की राह पर सोनभद्र

जीबीसी के पहले फेज में सोनभद्र में उतर रही नोएडा के बाद सर्वाधिक निवेश वाली परियोजनाएं

लखनऊ, 22 नवंबर। यूपी का सोनभद्र जिला, जो कभी देश में नक्सलियों के चरागाह के रूप में कुख्यात था, आज प्रदेश के विकास में भागीदारी करने वाला दूसरा सबसे महत्वपूर्ण जिला बन चुका है। प्राकृतिक और खनिज संपदा की प्रचूरता के बावजूद दशकों तक अव्यवस्था और नक्सल गतिविधियों के चलते उद्योग जगत यहां बड़ा निवेश करने से कतराते रहे। नक्सलियों द्वारा लेवी डिमांड (अवैध उगाही) से त्रस्त उद्यमियों ने पिछले दशकों में सोनभद्र से किनारा कर लिया। हालांकि, अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं। योगी सरकार की अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति, दुर्गम और हाशिये वाले क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी ने सोनभद्र से ना सिर्फ नक्सल गतिविधियों का अंत किया है, बल्कि अब ये जिला यूपी के विकास का दूसरा ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है।

सोनभद्र में उतरेंगी 79 हजार करोड़ की 43 निवेश परियोजनाएं

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-23 के बाद यूपी को मिले तकरीबन 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए योगी सरकार अब ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारियों में

जुटी हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नोएडा के बाद धरातल पर उतरने जा रहा सबसे ज्यादा निवेश सोनभद्र में ही होने वाला है। इस निवेश से ना सिर्फ पूर्वांचल बल्कि प्रदेश के विकास को भी रफ्तार मिलेगी। तकरीबन 79 हजार करोड़ की 43 निवेश परियोजनाएं सोनभद्र में कार्यान्वित होने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। सोनभद्र में ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा से जुड़े लगभग 35 हजार करोड़ के दो बड़े प्रोजेक्ट जल्द से जल्द धरातल पर उतरने को तैयार हैं।

इनमें ओबरा में 2×1600 मेगावाट सुपर थर्मल पॉवर प्लांट और सिंगरौली में तापीय विद्युत संयंत्र का विस्तार शामिल है। इसके अलावा 3660 मेगावाट की ऑफ स्ट्रीम क्लोज लूप पंप स्टोरज परियोजना भी सोनभद्र के लिए वरदान साबित होगी। ये तीनों बड़ी परियोनाएं शासन की ओर से अनुमोदित हो चुकी हैं। गौरतलब है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के प्रथम फेज में लगभग 13 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अलग अलग विभागों को मुख्यमंत्री की ओर से निर्देशित किया गया है। इसी के साथ प्रदेश के सभी 75 जिलों में भी निवेश पर योगी सरकार का पूरा जोर है। इस परिप्रेक्ष्य में देखें तो प्रदेश के उस जिले ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे कभी नक्सल गतिविधियों का गढ़ माना जाता था।

अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में भी होने जा रहा बड़ा निवेश

बता दें कि जीबीसी के प्रथम फेज के लिए नोएडा में 1.96 लाख करोड़ की परियोजनाएं निवेश के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं इस पायदान पर दूसरे नंबर पर सोनभद्र जिले का नाम सामने आया है। इसके बाद झांसी में तकरीबन 63 हजार करोड़ की 175 परियोजनाएं, लखनऊ में 34 हजार करोड़ की 327 परियोजनाएं और बरेली में 31.7 हजार करोड़ की 357 परियोजनाएं धरातल पर उतरने जा रही हैं। टॉप फाइव में शामिल सभी जिलों की तुलना में सोनभद्र की ऊंची छलांग सबको हैरान करने वाली है। ऐसे ही नक्सल प्रभावित रहे चंदौली और मीरजापुर जनपदों में भी प्रथम फेज में बड़ा निवेश धरातल पर उतरने के लिए तैयार है। चंदौली में जहां 17.4 हजार करोड़ तो मीरजापुर में 6 हजार करोड़ की निवेश परियोजनाएं क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। बेहतर कानून व्यवस्था कैसे विकास में सहायक हो सकती है, ये तीनों जिलों के प्रदर्शन से साफ दिखाई देता है।

प्रख्यात सर्जन डॉ एचएस असोपा का निधन

आगरा। विश्व को सर्जरी की 'असोपा तकनीक' देने वाले प्रख्यात सर्जन डॉ हरि शंकर असोपा का बुधवार तड़के यहां निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। डा असोपा देश दुनिया में सर्जरी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता और मानवतावादी चिकित्सक के रूप में जाने जाते थे। वह बड़ी संख्या में गरीब मरीजों की मुफ्त सेवा करते थे। उन्होंने जननांगों की सर्जरी की ऐसी तकनीक विकसित की जो विश्व के सभी मेडिकल छात्रों को सिखाई जाती है। डा असोपा ने एसएन मेडिकल कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में एमएलबी मेडिकल कॉलेज झाँसी में प्रोफेसर और सर्जरी विभाग के प्रमुख रहे। इसके बाद वह आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में सर्जरी विभाग के अध्यक्ष रहे। उन्होंने शहर में असोपा हॉस्पिटल की स्थापना की जहां निम्न मध्यम वर्ग के मरीजों का इलाज होता है। जुलाई, 1932 में जन्मे डा असोपा का करियर शानदार रहा, उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से एमबीबीएस में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें उस समय आगरा, ग्वालियर और इंदौर मेडिकल कॉलेज शामिल थे। उन्होंने चांसलर मेडल सहित कई पदक प्राप्त किए और वर्ष 1964 में सर्जरी (आगरा), एफआरसीएस (इंग्लैंड), एफआरसीएस (एडिनबर्ग) में एमएस किया। वह एक प्रिय और सम्मानित शिक्षक रहे और उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षण के प्रति अपने जुनून को जारी रखा। उन्होंने लड़कों में लिंग और मूत्रमार्ग के जन्मजात दोष हाइपोस्पेडिया के लिए एक चरण के ऑपरेशन का आविष्कार किया। प्रत्येक 250 - 300 लड़कों में से एक इस दोष के साथ पैदा होता है। अकेले भारत में लगभग 40 हजार लड़के इस दोष के साथ पैदा होते हैं। यह शोध जून 1971 में जर्नल 'इंटरनेशनल सर्जरी' में प्रकाशित हुआ था।

शार्ट न्यूज

अमेठी में थाने के सामने मिला युवक का शव

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के संग्रामपुर थाने के सामने बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव कालिकन धाम परिसर के सगरे में तैरता मिला। पुलिस सूत्रों ने बताया कि माता कालिकन धाम परिसर में स्थित सगरा में एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने शव मिलने की सूचना संग्रामपुर पुलिस को दी। शव की पहचान क्षेत्र खेरौना निवासी अभिषेक मिश्र (35) के तौर पर की गयी है। थाने के सामने मंदिर परिसर में शव का मिलना पुलिस की कार्य शैली पर सवाल खड़ा कर रहा है। कालिकन धाम मंदिर इलाके का प्राचीन एवं प्रसिद्ध सिद्ध पीठ होने के चलते सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध रहता है। ऐसे में युवक या युवक का शव वहां तक कैसे पहुंचा यह बड़ा सवाल है। एसएचओ संग्रामपुर श्री राम ने बताया कि एक अज्ञात का युवक के शव सगरा में मिला था, जिसकी पहचान करवा कर परिजनों की सूचना दी गई। प्रथम दृष्टया घरेलू कलह की बात सामने आयी है। परिजनों से तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्यवाही की जायेगी। मृत्यु के कारणों की पड़ताल के लिये शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

पूर्व डीजीपी ने उठाई बुंदेलखंड राज्य की मांग

बांदा। प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने अपनी नई पार्टी का ऐलान किया है। वहीं ऐलान करते हुए बताया कि बिना राजनीतिक दखल के बुंदेलखंड राज्य की कल्पना भी बेमानी है। वहीं भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा की सत्ता की हनक के सामने बड़े-बड़े आंदोलन भी तूती की आवाज बन कर रह जाते है। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने पृथक राज्य का संकल्प पूरा करने के लिए राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए आम जनता को जोड़ना होगा। तभी बुंदेलखंड राज्य बनेगा। पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने कहा की अभी वह अकेले ही बुंदेलखंड लोकतांत्रिक पार्टी का गठन करके बुंदेलखंड अलग राज्य की अलख जगाने के लिए निकले है। बताया कि दो राज्यों में बाते होने को प्रमुख कारण बताया। कहा कि राजनीतिक दलों की महत्वकांक्षा उन्हें छोटे राज्य बनाने से रोक रही है। बताया कि उनके दल के पवित्र संकल्प के आधार पार लोग जुड़े और सहयोग करके बुंदेलखंड के विकास के लिए अलग राज्य बनाने को आगे की। उन्होंने बताया कि उनके दल में सहयोग करने के लिए कोई भी समय देकर सदस्य बन सकता है। पूर्व डीजीपी ने दोनों राज्यों के 15 जनपद के बटे बुंदेलखंड क्षेत्र में गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चलाने की संकल्प को दोहराया है।

संभल में पति-पत्नी की मौत

संभल। संभल में पति की मौत के बाद बिलख रही पत्नी की भी मौत हो गई, साथ-जीने मरने की कसम खाने वाले पति-पत्नी की मौत एक ही दिन कुछ घंटे के अंतराल पर हुई है, घर से दोनों के जनाजे एक साथ निकले और गांव के कब्रिस्तान में बराबर बराबर उन्हें सुपुर्दे खाक किया गया। पति पिछले 15 दिन से बीमार था और पत्नी कहती थी कि अगर इन्हें कुछ हो गया तो मैं जी नहीं पाऊंगी। पति की मौत के 3 घंटे बाद पत्नी की मौत होने का पूरा मामला उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव बनिया खेड़ा का है। गांव निवासी 70 वर्षीय वहीद करीब 15 दिन से बीमार थे, उन्हें देखने के लिए रिश्तेदार एवं गांव के लोग रोजाना आते थे, पत्नी कनीज फातिमा रिश्तेदारों से कहती थी अगर इन्हें कुछ हो गया तो मैं जी नहीं पाऊंगी, ऐसा ही कुछ हुआ पति की मौत मौत पर रोते-रोते पत्नी फातमा की भी सांसें रुक गई, माँ-पिता की मौत से उनके दोनों बेटे मस्ते अली एवं हासम अली बेसुध हो गए, पति-पत्नी की मौत की खबर गांव में फैली तो लोग एकत्र हो गए और रिश्तेदार भी गांव पहुंचना शुरू हो गए। घर में पति-पत्नी की मौत से कोहराम मचा हुआ है, ग्रामीणों से लेकर रिश्तेदार तक पति-पत्नी के अटूट प्रेम की चर्चा कर रहे हैं।

शामली में अंडरपास के पास मिला युवक का शव

शामली। शामली के कांधला थाना क्षेत्र में गांव भारसी मार्ग पर अंडरपास के पास जंगलों में एक युवक का शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते स्थानीय पुलिस ने उच्च अधिकारी को सूचना देकर फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाते हुए आरोपी की पहचान कराई जा रही है। वहीं 24 घंटे में जिले में दूसरा शव मिला है। शामली में शव मिलने का सिलसिला जारी है। जहां बीते 24 घंटे में दो युवकों का शव मिला है। वहीं ताजा मामला शामली के कांधला थाना क्षेत्र के महर्षि मोड़ के पास अंडरपास के जंगलों का है। जहां पर एक युवक का शव बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जहां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उच्च अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। वहीं उच्च अधिकारी फोरेंसिक जांच टीम को लेकर मौके पर पहुंचकर साक्ष्य को इकट्ठा करने में जुट गयी। जबकि युवक की मौत के बाद शव बीते 24 घंटे में यह दूसरी घटना है। वहीं पहले सीआरपीएफ जवान की मौत की गुथ्थी पुलिस अभी तक नहीं सुलझा पाई है। अब वहीं पुलिस ने वर्तमान में मिले शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसकी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जमीनी विवाद में वृद्ध की गोली मारकर हत्या

सुलतानपुर। सुलतानपुर के कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े जमीनी विवाद में वृद्ध की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पड़ोसी पर 3 गोली मारने का आरोप है। गोली मृतक की आंख, पेट व पैर में लगी। तीन गोली लगने से वृद्ध की मौके पर मौत हो गई। उधर गोली की तड़तड़ाहट से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक वारदात कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के अनिरूद्ध नगर मोहल्ले की है। स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार सुबह मृतक अशोक दुबे (63) अपनी दीवार पर प्लास्टर करा रहे थे। उसी समय पड़ोसी दिव्यांशु दुबे व धर्मेंद्र दुबे उनसे विवाद करने लगे। कहासुनी में बात बढ़ी तो दिव्यांशु ने असलहा निकालकर ताबड़तोड़ तीन गोली दागी। जिसमें एक गोली अशोक की दाहिनी आंख और एक गोली दाहिनी ओर पेट में लगी। जबकि एक गोली बाएं पैर में लगी। गोली मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। तत्काल परिजन व स्थानीय लोग अशोक को सीएचसी कादीपुर लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर कादीपुर एसडीएम महेंद्र श्रीवास्तव, कोतवाल अशोक कुमार सिंह सीएचसी पहुंचे।

राहुल गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी सीट से लड़ेगें

लखनऊ। (पी एम ए) कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में अपने पिछले अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे,यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को यह बात कही। अजय राय ने दोहराया कि गांधी परिवार पीढ़ियों से अमेठी के लोगों के लिए बहुत मेहनत करता रहा है और राहुल जी निश्चित रूप से 2024 के चुनाव में इस सीट से चुनाव लड़ेंगे।2019 के संसदीय चुनाव में कांग्रेस को यहां शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी अमेठी सीट पर भाजपा की स्मृति ईरानी से 55,000 से अधिक मतों के

अंतर से हार गए थे।हालांकि, वह केरल की वायनाड सीट 4.31 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीते थे और पहली बार दक्षिण भारत से गहरा नाता जोड़ लिया था।यह दूसरी बार है, जब अजय राय ने राहुल गांधी के अपने पुराने गढ़ अमेठी लौटने की संभावना जताई है।

10 राजस्व ग्राम के 110 हेक्टेयर जमीन में रजिस्ट्री पर प्रतिबंध

गोरखपुर। (पी एम ए) जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने नदी बफर क्षेत्र, बाढ़ मैदान और नदी तल क्षेत्र पर किए जा रहे निर्माण कार्यों पर व्यापक रूप से प्रतिबंध लगाते हुए 10 राजस्व ग्राम के 110 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। ये सभी प्रतिबंधित क्षेत्र राजस्व ग्राम हावर्ड बंधा (डोमिनगढ़ से चकरा) 3.9 किलोमीटर के पश्चिम एवं राप्ती और रोहिन के पूर्व के नदी बहाव क्षेत्र व बांध के मध्य हैं। जिलाधिकारी ने अवैध व बिना मानचित्र स्वीकृत कराए जा रहे निर्माण कार्यों पर विधिक कार्यवाही कर अवगत कराने को कहा है।

जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने इन

सभी राजस्व ग्राम के सर्वेक्षण में चिन्हित किए गए गाटों का समुचित विवरण निबंधन कार्यालय को तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इन 10 राजस्व ग्राम के चिन्हित 110 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के गाटों का आवासीय, व्यवसायिक व वाणिज्यिकीय प्रयोजन के लिए क्रय-विक्रय या निबंधन कराया जाता है तो गोरखपुर विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्राधिकरण को लिख कर देना होगा कि उपरोक्त भूमि आवासीय, व्यवसायिक व वाणिज्यिकीय प्रयोजन के लिए उपयुक्त है। प्राधिकरण द्वारा मानचित्र स्वीकृत किए जाने में कोई आपत्ति नहीं होगी। इसी तरह यदि कृषि प्रयोजन हेतु क्रय-विक्रय या निबंधन कराया जाता है तो सिंचाई विभाग के संबंधित खण्ड, बाढ़ खण्ड/बाढ़ खण्ड-2/ड्रेनेज खण्ड से भूमि की अनापत्ति रिपोर्ट प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यह लिखाना होगा कि भूमि कृषि प्रयोजन के लिए उपयुक्त है। यह भूमि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सं0-2458 दिनांक 07 अक्टूबर, 2016 तथा राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण में योजित रिट याचिका मीरा शुक्ला बनाम नगर निगम गोरखपुर एवं अन्य में पारित आदेश के प्राविधानों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालता है। इन शर्तों के पूर्ण होने के बाद ही संबंधित उप निबंधक इन गाटों के विलेख को पंजीकरण के लिए स्वीकार करेगा। जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया है कि मास्टर प्लान की तकनीकी जांच में यह सुनिश्चित कराएं कि नदी बफर क्षेत्र, बाढ़ मैदान तथा नदी तल के अंतर्गत कोई निर्माण कार्य प्रस्तावित न हो।

चित्रकूट में सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या हुयी आठ

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश में चित्रकूट जिले के रैपुरा क्षेत्र में मंगलवार को रोडवेज बस और बोलेरो के बीच भिड़ंत में घायल एक और यात्री की बुधवार को मृत्यु हो गयी, इसके साथ ही हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ कर आठ हो गयी है। मृतकों में सात यात्री एक ही परिवार के हैं।

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 35 पर मानिकपुर तहसील के ग्राम पंचायत बगरेही के पास कल चित्रकूट से प्रयागराज जा रही जनरथ बस और बोलेरो के बीच आमने सामने की भिड़ंत में पांच

यात्रियों की मौके पर मृत्यु हो गयी थी जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये थे। घायलों को प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां देर रात दो और घायलों की मौत हो गयी थी जबकि आज भोर एक अन्य यात्री ने दम तोड़ दिया। मरने वालों में सात एक ही परिवार के हैं।

हादसे में मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र निवासी प्रताप पटेल (35),पुत्री आंकक्षा (13),पुत्र सनत (10), पत्नी अशोका (30) और बांदा जिला निवासी जगजीत कुशवाहा (52) ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि प्रताप के पिता आनंदी प्रसाद पटेल (55) के अलावा रामबाई (36),भूरा उर्फ राजू पटेल (36) की उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। घायल सुनयना पटेल (32),दीपक पटेल (06) और अरविंद कुशवाहा (30) की हालत गंभीर बनी हुयी है।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट

रायबरेली। रायबरेली में दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर जमकर मारपीट हो गई। जिसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे है। मामूली कहासुनी को लेकर विवाद एक बार फिर से शुरू हुआ था। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लेकर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। जहां पर डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पूरे मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है। पूरा मामला बछरावां थाना क्षेत्र के ठकुराइन खेड़ा गांव का है।

लखनऊ में अग्निवीर भर्ती रैली में युवाओं में दिखा उत्साह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अग्निवीर भर्ती रैली को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। 16 नवंबर से शुरु होकर बुधवार को समाप्त हुयी रैली में 940 अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

रैली के समापन सत्र में मुख्यालय भर्ती जोन के जोनल भर्ती अधिकारी मेजर जनरल मनोज तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), लखनऊ के एओआर के तहत 16 नवंबर को शुरू हुई इस रैली में लगभग 1300 अभ्यर्थियों को कॉल अप किया गया था जिनमें से लगभग 940 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

उन्होने अग्निपथ योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इस योजना पर प्रारंभिक आशंकाओं को व्यापक आउटरीच कार्यक्रमों के साथ कम कर दिया गया है। गतिशील अग्निपथ योजना के बारे में उन्होने कहा कि जहां एक व्यक्ति नामांकित होने के बाद, राष्ट्र की सेवा करता है, अपने शिक्षा मानकों को बढ़ाता है और यदि बरकरार नहीं रहता है, तो बाहर करियर के लिए तैयार रहता है।

जनरल ऑफिसर ने बताया कि रैलियों का संचालन बिना किसी पक्षपात के बिल्कुल पारदर्शी और निष्पक्ष है, इसलिए उम्मीदवारों को दलालों अथवा एजेंटों का शिकार नहीं बनना चाहिए और प्रतिबंधित दवाओं या प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग से बचना चाहिए।

हाथरस में प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हाथरस। हाथरस में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन, योजनाओं के संतृप्तीकरण और छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाए जाने के साथ ही जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रचार वाहनों को कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी अर्चना वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी साहित्य प्रकाश मिश्र व जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी 2024 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत में मोबाइल वैन के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन पूरे देश में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य जन कल्याणकारी, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और योजनाओं के लाभ से वंचित पात्रों का चयन करना, लाभार्थियों को केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है। इससे कोई भी पात्र लाभार्थी ग्राम पंचायत में किसी भी योजना से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान संबंधित विभागीय को शत प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

देसी शराब की दुकान से चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

उम्र 22 साल लेकिन दर्ज हैं 8 अपराधिक मुकदमे, नकदी और तमंचा बरामद

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में देसी शराब की दुकान से नकदी चोरी करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से आठ हजार रुपये की नकदी और तमंचा कारतूस भी बरामद किए हैं। एक आरोपी की उम्र 22 साल है, लेकिन उसके उपर 8 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं ।दूसरे आरोपी पर 3 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ।उसके बाद दोनो आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

थाना रोजा क्षेत्र के रोजा अड्डे पर देसी शराब व बियर की दुकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों

को तलाश शुरू कर दी थी। उसके बाद क्षेत्र में चोरी की घटनाएं होने पर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे थे। रोजा थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रोजा अड्डा से ओवरब्रिज के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके पास से आठ हजार रुपये की नकदी बरामद की है। साथ ही आरोपियों के पास से तमंचा और कारतूस भी मिला है। आरोपी अजय और तालिब थाना रोजा क्षेत्र के शाहगंज गांव के रहने वाले हैं।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि, दोनों लोग मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। दोनो ने ही मिलकर रोजा अड्डे पर देसी शराब की दुकान से नकदी चोरी की थी।

आरोपियों के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद

खास बात ये है कि, आरोपी तालिब की उम्र महज 22 साल की है और उसके ऊपर 22 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। दूसरा आरोपी की उम्र 21 साल है और उसके उपर 3 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं पुलिस ने बताया कि, देसी शराब की दुकान से चोरी की थी। दोनो ने मिलकर शराब की दुकान से नकदी चोरी की थी। आरोपियों के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बुलंदशहर में पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ की बैठक

शांति बनाए रखने की अपील की, मंदिर निर्माण के लिए दो पक्षों में था तनाव

बुलंदशहर। बुलन्दशहर में कोतवाली क्षेत्र के गांव सलेमपुर कायस्थ में मंदिर निर्माण को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों में तनाव हो गया। इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव में शांति बनाए रखने की अपील की। वही कानून व्यवस्था भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। पूर्व में एक पक्ष के लोगों ने मंदिर में ज्योति स्थापित नहीं करने देने का आरोप लगाया था। गांव निवासी बृजपाल, डॉक्टर रघुवीर सिंह, देवेंद्र, शिव ,सचिन कुमार समेत दो दर्जन लोगों ने तहरीर देते हुए बताया कि गांव स्थित

शिव मंदिर में वह ज्योति स्थापित करते चले आ रहे हैं। 15 अक्टूबर को जब वह ज्वाला जी की ज्योति लेकर आए तो गांव निवासी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन्हें मंदिर में ज्योति स्थापित करने से रोक दिया। विवाद के चलते उन्होंने मंदिर के पास टेंट में ज्योति रख दी। उक्त स्थान पर उन्होंने दूसरे मंदिर के निर्माण के लिए नींव खोद दी।

कड़ी कार्रवाई की दी चेतावनी

अब दूसरे पक्ष के लोग मंदिर निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एसडीएम प्रफुल्ल कुमार शर्मा, सीओ विकास प्रताप सिंह चौहान, कोतवाल ऋषिपाल सिंह ने दोनों पक्षों के साथ बैठक की। सीओ विकास प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि ग्रामीणों को नियमानुसार मंदिर का निर्माण किए जाने के लिए कहा है। गांव स्थित मंदिर में किसी को पूजा करने से रोकने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

अयोध्या में झाड़ियों के बीच मिला महिला का सड़ा-गला शव

मिल्कीपुर। अयोध्या में थाना कुमारगंज क्षेत्र अंतर्गत देवगांव चौकी क्षेत्र के आदिलपुर गांव स्थित झाड़ियों के बीच महिला का सड़ा गला शव मिला।

जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची कुमारगंज पुलिस ने महिला का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा करने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

हालांकि महिला के शव की पहचान नहीं हो सकी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक देवगांव चौकी क्षेत्र अंतर्गत आदिलपुर गांव के करीब स्थित घनी झाड़ियों के बीच से दुर्गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने किसी व्यक्ति के तबसे दुर्गंध आने का कयास लगाते हुए पुलिस को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही कुमारगंज थाना क्षेत्र स्थित चिलबिली चौकी प्रभारी रजनीश यादव पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे।

झाड़ियों के बीच पड़े महिला के शव को बाहर निकलवाया और महिला की पहचान में जुट गए। किंतु देर रात तक महिला के सड़े गले शव की पहचान न हो पाने के बाद पुलिस कर्मियों ने थक हार कर विधिक कार्रवाई शुरू की। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शार्ट न्यूज

महंगाई का जोखिम अब भी बरकरार

नई दिल्ली। घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई अब भी जोखिम बना हुआ है। इसे लेकर केंद्र सरकार और आरबीआई, दोनों सतर्क हैं। इस बीच, अगले साल फिर से मंदी का खतरा मंडराने लगा है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जारी अक्तूबर की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में हालिया नरमी और मुख्य महंगाई में लगातार गिरावट से मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने में मदद मिली है। केंद्रीय बैंक भी इस स्थिति से वाकिफ है। उसके संकेतकों के मुताबिक, उच्च कीमतों से राहत देने के लिए बहुत जरूरी होने पर ब्याज दरों में और बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक मंदी के मोर्चे पर समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच खाद्य और ऊर्जा की उच्च कीमतों से अनिश्चितता का जोखिम बना हुआ ?है। ?अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वस्तुओं के निर्यात में गिरावट से वैश्विक कारोबार पर दबाव पड़ने की आशंका है। इन तथ्यों को देखते हुए 2024 में मंदी के जोखिम की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक सुस्ती के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती है।

समुद्री मार्ग से फल-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने पर सरकार का जोर

नई दिल्ली। भारत समुद्री मार्ग से केले, आम, अनार और कटहल जैसे विभिन्न फलों व सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रोटोकॉल तैयार कर रहा है। फिलहाल, इनमें से अधिकांश का निर्यात कम मात्रा और अलग-अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने मंगलवार को कहा, प्रोटोकॉल में यात्रा समय व वैज्ञानिक रूप से इन वस्तुओं के पकने को समझना, एक विशेष समय पर कटाई करना और किसानों को प्रशिक्षण देना शामिल है। ये प्रोटोकॉल अलग-अलग फलों व सब्जियों के लिए अलग-अलग होंगे। अग्रवाल ने कहा, समुद्री मार्ग से निर्यात के दो फायदे (मात्रा-लागत) हैं। इससे फलों-सब्जियों का निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी क्योंकि हवाई माल परिवहन से निर्यात का इन वस्तुओं की कीमत प्रतिस्पर्धा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अब तक हम इन खराब होने वाले उत्पादों के निर्यात के लिए हवाई मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

असुरक्षित माने जाने वाले लोन के लिए मानदंडों को कड़ा करना बैंक व्यवस्था के हित में

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि हाल ही में असुरक्षित माने जाने वाले कुछ कर्ज के मानदंडों को कड़ा करना बैंक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के मकसद से सोच-समझकर लिया गया एहतियाती और लक्षित कदम है। दास ने उद्योग मंडल फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) और भारतीय बैंक संघ के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना FIBAC कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि RBI ने हाउस और वाहन खरीद के अलावा छोटे कारोबारियों द्वारा लिए जाने वाले कर्जों को इससे अलग रखा है। इसका कारण उन्हें वृद्धि के मोर्चे पर जो लाभ हो रहा है, उसे बनाये रखना है। उन्होंने कहा, ''हमने हाल ही में व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने को ध्यान में रखकर सोच-विचारकर कुछ उपायों की भी घोषणा की है। ये उपाय एहतियाती हैं। ये उपाए सोच-विचारकर और लक्ष्य के हिसाब से किए गए हैं।'' दास ने यह भी कहा कि उन्हें फिलहाल बैंकों में कोई नया दबाव उत्पन्न होता नहीं दिख रहा है, लेकिन वे चाहते हैं कि बैंक सतर्क रहे और दबाव परीक्षण जारी रखे।

जीएसटी व्यवस्था में टैक्स रिटर्न को लेकर 'फेसलेस' आकलन में अभी लग सकता है कुछ समयं

माल एवं सेवा कर के तहत टैक्स रिटर्न के आकलन को लेकर करदाता और अधिकारी के आमने-सामने आए बिना जांच व्यवस्था शुरू करने में कुछ समय लग सकता है। जीएसटी नेटवर्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। करदाता और कर अधिकारी के आमने-सामने आये बिना (फेसलेस) आकलन की व्यवस्था सबसे पहले आयकर विभाग ने शुरू की थी। बाद में सीमा शुल्क विभाग ने इसे अपनाया। 'फेसलेस' आकलन जांच में टैक्स अधिकारी और करदाता आमने-सामने नहीं आते और इसमें दस्तावेज को भौतिक रूप से पेश करने की भी जरूरत नहीं होती। जीएसटी नेटवर्क के उपाध्यक्ष (सेवा) जगमाल सिंह ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमें जीएसटी में 'फेसलेस' आकलन शुरू करने में कुछ समय लग सकता है। जीएसटी आकलन एक विशेष क्षेत्राधिकार अधिकारी या इकाई से जुड़ा हुआ है। इसे बदलने में कुछ समय लग सकता है।

डिजिटल एक्सेलेरेशन ऐंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो का आज उद्घाटन करेंगी वित्त मंत्री सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो का गुरुवार को उद्घाटन करेंगी। इसमें भारत की बढ़ती डिजिटल महत्वाकांक्षाओं, उसके प्रौद्योगिकी बदलाव पर जोर दिया जाएगा और नए युग के इनोवेशन पर चर्चा की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दो दिवसीय कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते प्रभाव तथा भारत की डिजिटल आकांक्षाओं के बारे में बात करेंगे। यह कार्यक्रम ट्रेसकॉन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश की डिजिटल उपलब्धियां तथा अभूतपूर्व समाधानों को तेजी से अपनाना आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रहा है, जिससे भारत नई विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक ताकत के रूप में स्थापित हो रहा है।

निवेश के मामले में मेरठ, झांसी, मीरजापुर, लखनऊ और वाराणसी मंडल टॉप फाइव में

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के प्रथम फेज में 7.16 लाख करोड़ की परियोजनाएं क्रियान्वयन के लिए तैयार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में फरवरी माह में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का परिणाम सरकार की सोच से भी कहीं ज्यादा उत्साहवर्धक साबित हुआ है। लगभग 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को अब धरातल पर उतारने के प्रयास शुरू हो गये हैं। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के प्रथम फेज की तैयारी में जुटी योगी सरकार के प्रयासों से 7.16 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश धरातल पर उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। प्रदेश के सभी 18 मंडलों में उद्योग जगत ने बेहतरीन संभावनाएं देखते हुए निवेश करने का फैसला लिया है। हालांकि सभी मंडलों में निवेशकों की रुचि अलग अलग ही देखने को मिली है। मेरठ मंडल में निवेशकों ने सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई है। क्रियान्वयन के लिए तैयार निवेश में प्रदेश के टॉप फाइव मंडलों में क्रमशः मेरठ, झांसी, मीरजापुर, लखनऊ और वाराणसी हैं।

किस मंडल में धरातल पर उतरने जा रहा कितने का निवेश

मंडलवार बात की जाए तो मेरठ मंडल में सर्वाधिक 2,55,097 करोड़, इसके बाद झांसी मंडल में 91,128 करोड़, मीरजापुर मंडल में 85,104 करोड़, लखनऊ मंडल में 48,770 करोड़, वाराणसी मंडल में 37,372 करोड़, बरेली मंडल में 35,322 करोड़, अयोध्या मंडल में 23,921 करोड़, आगरा मंडल में 23,706 करोड़, कानपुर मंडल में 22,992 करोड़,

मुरादाबाद मंडल में 17,833 करोड़, प्रयागराज मंडल में 17,780 करोड़, गोरखपुर मंडल में 15,600 करोड़, सहारनपुर मंडल में 12,413 करोड़, अलीगढ़ मंडल में 9,873 करोड़, चित्रकूट मंडल में 9,213 करोड़, देवीपाटन मंडल में 3,954 करोड़, आजमगढ़ मंडल में 3,400 करोड़ और बस्ती मंडल में 3,018 करोड़ रुपए के निवेश क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं।

बुंदेलखंड और पूर्वांचल पर रंग लाई योगी सरकार की मेहनत

कभी बुंदेलखंड और पूर्वांचल यूपी के सबसे पिछड़े इलाके माने जाते थे। योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद से ही इन दोनों क्षेत्रों पर विशेष फोकस करते हुए विकास कार्यों को लेकर रणनीति बनाना शुरू किया। बीते छह साल में पूर्वांचल और बुंदेलखंड रीजन से ना सिर्फ डकैतों, माफिया और रंगदारों के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया, बल्कि बेहतर कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी विकसित करते हुए पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों का परिणाम अब धरातल पर उतरने जा रहे निवेश के रूप में दिखने जा रहा है।

बुंदेलखंड रीजन के अंतर्गत आने वाले झांसी और चित्रकूट मंडल में 1 लाख करोड़ से भी ज्यादा का निवेश क्रियान्वित होने के लिए तैयार है। इस मामले में भी झांसी मंडल प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।

इसी प्रकार पूर्वांचल क्षेत्र में मीरजापुर और वाराणसी मंडल टॉप फाइव में शामिल है, इसके अलावा गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल में भी भारी भरकम निवेश धरातल पर उतरने के लिए तैयार है।

जाहिर है उद्योग जगत को योगी शासन में इन इलाकों में व्यवसाय करने में अब कोई परेशानी नहीं दिख रही है। यही नहीं जिन इलाकों में कभी शाम ढलने के बाद लोग घर से बाहर निकलने से भी डरते थे, वहां उद्योग धंधे स्थापित करने का माहौल बनाने में योगी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। सोनभद्र, चंदौली और मीरजापुर में धरातल पर उतरने जा रहा निवेश इसकी गवाही देता है।

शेयर बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर पावर, ऑटो, आईटी और हेल्थकेयर समेत बारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में तेजी जारी रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 92.47 अंक चढ़कर 66 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 66023.24 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 29.40 अंक बढ़कर 19812.80 अंक पर पहुंच गया। दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में घटबढ़ रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 33517.21 अंक पर पहुंच गया जबकि स्मॉलकैप 0.63 अंक फिसलकर 39,577.98 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3830 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1622 में लिवाली जबकि 2067 में बिकवाली हुई वहीं 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 29 कंपनियां लाभ जबकि 20 नुकसान में रही वहीं एक के भाव

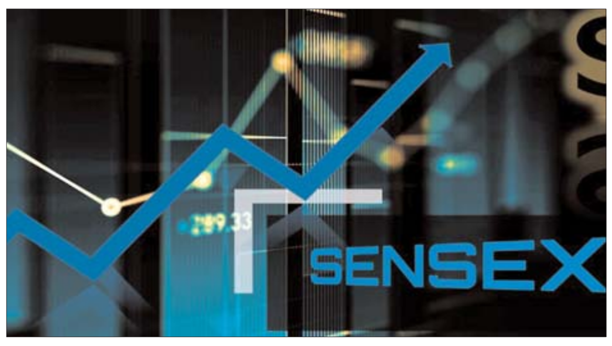

स्थिर रहे।

बीएसई के बारह समूहों में लिवाली हुई। इनमें सीडी 0.13, ऊर्जा 0.17, एफएमसीजी 0.34, हेल्थकेयर 0.54, आईटी 0.52, यूटिलिटीज 0.39, ऑटो 0.64, कैपिटल गुड्स 0.38, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.47, तेल एवं गैस 0.36, पावर 1.41 और टेक समूह के शेयर 0.52 प्रतिशत शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.45 और जापान का निक्केई 0.29 प्रतिशत चढ़ गया जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.03 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.79 प्रतिशत गिर गया। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग स्थिर रहा।

सेंसेक्स की शुरूआत कमजोर रही और यह 91 अंक उतरकर 65,839.62 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में दोपहर तक 65,664.85 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 66,063.43 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 65,930.77 अंक के मुकाबले 0.14 प्रतिशत चढ़कर 66,023.24 अंक पर रहा।

वहीं, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 19,784.00 अंक पर सपाट खुला और सत्र के दौरान 19,703.85 अंक के निचले जबकि 19,825.55 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,783.40 अंक की तुलना में 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर 19,811.85 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 1.50, इंफोसिस 1.27, पावरग्रिड 1.24, टेक महिंद्रा 0.87, आईटीसी 0.84, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65, एक्सिस बैंक 0.64, टीसीएस 0.56, रिलायंस 0.39, अल्ट्रासिमको 0.37, एलटी 0.27, एचसीएल टेक 0.22, सन फार्मा 0.13, टाटा मोटर्स 0.02 और एशियन पेंट 0.01 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, इंडसइंड बैंक 2.10, कोटक बैंक 1.16, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.07, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.00, मारुति 0.42, एसबीआई 0.41, आईसीआईसीआई बैंक 0.40, एचडीएफसी बैंक 0.35, भारती एयरटेल 0.21, नेस्ले इंडिया 0.17, टाटा स्टील 0.12 और विप्रो ने 0.06 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

चीन में कारोबारियों पर दबिश जारी

नई दिल्ली। चीन की वीडियो गेम लाइव-स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डौयू के अध्यक्ष और सीईओ चेन शाओजी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अधिकारियों के हत्थे चढ़ने वाले कारोबारियों की सूची में शामिल हो गए हैं। डौयू (ष्ठश्वह्वङ्ग) ने मंगलवार को एक नियामकीय फाइलिंग में कहा कि उसके प्रमुख चेन शाओजी को पुलिस ने 16 नवंबर को या उसके आसपास दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदू में गिरफ्तार किया था। कंपनी ने कहा कि उसे गिरफ्तारी के बारे में सोमवार को सूचित किया गया।

कंपनी ने कहा, उसे चेन के खिलाफ जांच का कोई आधिकारिक नोटिस नहीं मिला है। उसे चेन की स्पष्ट गिरफ्तारी के कारण पता नहीं हैं। कंपनी की ओर से चेतावदी देते हुए कहा गया है कि चेन की हिरासत और उसके बाद होने वाली किसी भी कानूनी कार्रवाई से उसके व्यवसाय पर भौतिक असर पड़ेगा। दूसरी ओर, चीनी सोशल मीडिया पर बुधवार को पोस्ट किए गए एक बयान में चेंगदू पुलिस ने कहा कि चेन उपनाम के 39 वर्षीय व्यक्ति को कैसीनो खोलने के संदेह में गिरफ्तार किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बयान का हवाला देते हुए पुष्टि की कि डूयू के सीअईओ को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि यह खबर सरकारी मीडिया संस्थान कवर न्यूज की उस खबर के दो हफ्ते बाद आई है जिसमें कहा गया था कि चेन से संपर्क नहीं हो पा रहा है। रिपोर्ट में अपुष्ट खबरों का हवाला देते हुए कहा गया था कि चेन की जांच की जा रही है और वह करीब तीन सप्ताह से लापता हैं। इंटरनेट वॉचडॉग के मई के एक बयान के अनुसार, चेन के लापता होने से लगभग पांच महीने पहले चीन के साइबरस्पेस प्रशासन ने कथित पोर्नोग्राफी और अश्लील सामग्री परोसने के आरोपों की जांच के लिए डौयू का ऑनसाइट निरीक्षण शुरू किया था।

असुरक्षित ऋण देने के नियमों को कड़ा करना स्थिरता की दिशा में शुरुआती कदम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि असुरक्षित कर्ज के नियमों को सख्त करना स्थिरता की दिशा में उठाया गया एहतियाती कदम है। मुंबई में वार्षिक एफआईबीएसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने मकान और वाहन खरीद के लिए कर्ज तथा छोटे कारोबारियों को मिलने वाले कर्ज जैसे कुछ वर्गों को नए नियमों से बाहर रखा है क्योंकि उन्हें वृद्धि के मोर्चे पर फायदा मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन संयुक्त रूप से एफआईबीएसी कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में स्थिरता की दिशा में कुछ मैक्रोप्रूडेंशियल उपायों की घोषणा की है। ये उपाय शुरुआती हैं। उन्हें जांचा-परखा जा रहा है। दास ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि बैंकिंग प्रणाली में फिलहाल कोई नया दबाव पैदा हो रहा है, लेकिन वह चाहते हैं कि कर्जदाता ऐसी परिस्थिति के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि कुछ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां-सूक्ष्म वित्त संस्थान के रिपोर्टों से उच्च ब्याज मार्जिन का पता चलता है और उनसे आरबीआई ने दरों को लचीलेपन के साथ निर्धारित करने को कहा है। इस बीच, मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत मिलने के बावजूद दास ने कहा कि रिजर्व बैंक का पूरा ध्यान मूल्य वृद्धि पर है। दास ने कहा कि अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल बढ़ने के बावजूद भारतीय रुपये में कम उतार-चढ़ाव और व्यवस्थित उतार-चढ़ाव रहा है। आरबीआई गवर्नर ने विकास दर को बनाए रखने, टिकाऊ मूल्य स्थिरता और कीमतों के झटकों को कम करने के लिए कृषि विपणन और संबद्ध मूल्य शृंखलाओं में सुधार की भी वकालत है।

एक्सआर टेक्नालॉजी पर काम करने वाले 100 डेवलपरों को प्रोत्साहन

नयी दिल्ली। उद्योग संगठन फिक्की ने मेटा के सहयोग से भारतीय डेवेलपरों के लिए अपनी तरह की अनूठी पहल एक्सआर ओपन सॉर्स (एक्सरोस) फेलोशिप कार्यक्रम में भाग लेने वाले डेवेलपरों को ग्रेजुएशन डे पर सम्मानित किया है।

कार्यक्रम में एक्सआर टेक्नोलॉजी पर काम करने वाले 100 डेवलपर को प्रोत्साहन दिया गया, जिसके अंतर्गत एक्सआर के क्षेत्र में कार्यरत कार्यक्रम के भागीदार अग्रणी संस्थानों और कंपनियों के प्रोजेक्टों में उनको शामिल किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत 10,000 डेवेलपरों के पंजीकरण से हुई। 24 भागीदार संस्थाओं के 38 ओपन-सोर्स प्रोजेक्टों में योगदान देने के लिए 100 डेवलपर को चुना गया। ये भागीदार संस्थाएं एक्सआर इकोसिस्टम निर्मित करने की दिशा में भारत के योगदान को आगे बढ़ाने और भारत के लिए खास समाधान बनाने के प्रति कटिबद्ध हैं। इस कार्यक्रम के जरिए चुने गए डेवेलपर्स को एक्सआर (एक्सटेंडेड रियलिटी) के क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रोजेक्टों पर काम करने के साथ-साथ विचार साझा करने, सीखने और साझेदारी करने के लिए एक अनूठा प्लेटफार्म प्रदान किया गया।

चुने गए डेवेलपरों में से 65 प्रतिशत से अधिक छोटे शहर और कस्बों से और करीब 20 प्रतिशत महिलाएं हैं। फेलोशिप प्राप्त डेवेलपरों ने कई यूजर-केस पर काम किया, जिसमें स्पाशली-पॉवर्ड स्मार्ट वेअरेबल डिवाइसों, मनुष्य की शरीर संरचना का 3डी मानचित्र जोकि मेडिकल ईकोसिस्टम की 3डी दुनिया में मनुष्य शरीर संरचना को समझने में मदद करेगा, इमर्सिव अनुभव हेतु विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों की सहायता के लिए वीआर टूलकिट, हेरिटेज साइट टूर और सांस्कृतिक अनुभव के लिए इंडिक मेटावर्स और विभिन्न तरह की हार्डवेयर स्थितियों में इमर्सिव अनुभव के लिए उचित वेब समाधान शामिल थे।

फिक्की एक्सरोस फेलोशिप सम्मिट में भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रो अजय सूद ने कहा, इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में एक्सआर टेक्नोलोजियों में निपुणता हेतु भारतीय डेवेलपर्स को सहायता प्रदान करने के लिए लांच की गई एक्सरोस फेलोशिप की सफलता पर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

निश्चित ही ऐसी पहल इमर्सिव टेक्नोलॉजी में हमारी क्षमता के दोहन को बढ़ाएंगी और वैश्विक टेक लीडर के तौर पर भारत की स्थिति को मजबूत करेंगी। डिजिटल रूप से सशक्त भविष्य की ओर ले जाने वाला यह विजनरी दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और सरकार के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन के अध्यक्ष और सीईओ अभिषेक सिंह ने कहा, एक्सआर प्रौद्योगिकी के विकसित ओपन-सोर्स इकोसिस्टम में विभिन्न क्षेत्रों में फिक्की एक्सरोस फेलोशिप प्रोग्राम जैसी पहल ने युवा तकनीक-प्रेमी भारतीयों को हमारे बढ़ते तकनीकी परिदृश्य में अपना योगदान देने के लिए कौशल, मार्गदर्शन और उद्योग अनुभव से सुसज्जित किया। यह मात्र एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक्सआर और मेटावर्स में भारतीय डेवलपर्स की वास्तविक क्षमता को उजागर करने, वैश्विक प्रमुखता तक उनकी उन्नति को बढ़ावा देने की कुंजी है। हमें इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है।

पांच दिन चले उठापटक के बाद ओपनएआई में सैम आल्टमैन की वापसी

नई दिल्ली। पांच दिन तक चले उठापटक और हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद ओपनएआई के संस्थापक सैम ऑल्टमैन ने एआई कंपनी में वापसी की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, मुझे ओपनएआई पसंद है, और पिछले कुछ दिनों में मैंने जो कुछ भी किया है वह इस टीम और इसके मिशन को एक साथ रखने के लिए है। जब मैंने माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होने का फैसला किया, तो यह स्पष्ट था कि यह मेरे और टीम के लिए सबसे अच्छा रास्ता था। नए बोर्ड और सत्या के समर्थन के साथ, मैं ओपनएआई में लौटने और एमएसएफटी के साथ हमारी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

इससे यह तय हो गया है कि सैम आल्टमैन ओपनएआई में मुख्य कार्यकारी के रूप में वापसी कर रहे हैं। हाई-प्रोफाइल एआई स्टार्टअप ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है। कंपनी ने कहा है कि पिछले हफ्ते आल्टमैन को स्टार्टअप से अचानक बर्खास्त करने के बाद पांच दिनों की गहन चर्चा और बहस के बाद विश्वास का माहौल बन

गया है।

ओपनएआई के बोर्ड में भी होगा बदलाव, ब्रेट टेलर होंगे अध्यक्ष

ओपनएआई, जो सबसे मूल्यवान अमेरिकी स्टार्टअप है, ने कहा कि वह आल्टमैन की वापसी के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गया है। इसके अलावे स्टार्टअप अपने बोर्ड में भी बदलाव कर रहा है और कई सदस्यों को हटा रहा है। सेल्सफोर्स के पूर्व मुख्य कार्यकारी ब्रेट टेलर, अमेरिका के पूर्व वित्त मंत्री लैरी समर्स और कोरा के संस्थापक एडम डी एंजेलो एआई स्टार्टअप में नए बोर्ड का हिस्सा होंगे। स्टार्टअप ने कहा कि टेलर बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। माइक्रोसॉफ्ट, जो ओपनएआई के लगभग 49त्न का मालिक है, पिछले हफ्ते ओपनएआई के फैसले से हैरान था। कंपनी ने अपने यहां एक सॉफ्टवेयर समूह में आल्टमैन को नियुक्त करने का एलान कर दिया था। उसस पहले ओपनएआई के पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन और स्टार्टअप के अनगिनत अन्य सदस्यों ने ओपनएआई बोर्ड के फैसले के विरोध में इस्तीफा दे दिया था।

सत्या नडेला बोले- ओपनएआई के बोर्ड में बदलाव से उत्साहित

उधर माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख सत्य नडेला, जिन्होंने पिछले हफ्ते ओपनएआई बोर्ड के फैसले पर निराशा व्यक्त की थी ने बुधवार को कहा कि वह ओपनएआई बोर्ड में आज के बदलावों से उत्साहित है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यह अधिक स्थिर, अच्छी तरह से सूचित और प्रभावी शासन के मार्ग पर पहला आवश्यक कदम है। सैम, ग्रेग और मैंने बात की है और सहमति व्यक्त की है कि ओएआई नेतृत्व टीम के साथ उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे यह यह सुनिश्चित हो सकेगा कि ओएआई अपने मिशन पर कामयाब रहे और निर्माण जारी रखे। हम अपनी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने और अपने ग्राहकों और भागीदारों को एआई की इस अगली पीढ़ी का मूल्य प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।

आल्टमैन को हटाने के बाद कंपनी के बोर्ड की हुई थी आलोचना

ओपनएआई के पहले बोर्ड- जिसमें इसके मुख्य वैज्ञानिक इल्या सुत्सकेवर, स्वतंत्र निदेशक डी%एंजेलो, प्रौद्योगिकी उद्यमी ताशा मैककॉली और जॉर्जटाउन सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के हेलेन टोनर को आल्टमैन को हटाने के फैसले के बाद आलोचना झेलनी पड़ी थी। इस मामले में पूर्व बोर्ड की ओर से कोई व्यापक स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ओपनएआई बोर्ड के फैसले से निराश होकर, कई ओपनएआई निवेशकों ने बोर्ड के सदस्यों पर मुकदमा करने के विकल्पों की तलाश शुरू कर दी थी।

अंतरिम सीईओ एम्मेट शियर बोले- समाधान का हिस्सा बनकर खुश हूं

ट्विच के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम्मेट शियर, जिन्हें रविवार को ओपनएआई का अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था, ने कहा कि वह ओपनएआई के नए फैसले से खुश हैं। ओपनएआई में आने के बाद, मुझे पता नहीं था कि सही रास्ता क्या है। यह वह रास्ता है जिसने हितधारकों की भलाई के साथ सुरक्षा को सुनिश्चित किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मुझे खुशी है कि मैं इस समाधान का हिस्सा हूं।

टाइटन पांच साल में देगी तीन हजार से अधिक नौकरियां

आईआईएफएल बनी दूसरी बड़ी गोल्ड लोन एनबीएफसी

मुंबई । टाटा समूह की टाइटन कंपनी अगले पांच में 3,000 से अधिक लोगों को नौकरियां देगी। ये भर्तियां इंजीनियरिंग, डिजायन, लग्जरी, डिजिटल, डाटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में होगी।

टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट व खुदरा) प्रिया एम पिल्लई ने मंगलवार को कहा, हम अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। इसलिए, अगले पांच साल में 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे।

इरेडा आईपीओ- पहले दिन 1.95 गुना सब्सक्राइब

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के आईपीओ को पहले दिन मंगलवार को 1.95 गुना

अभिदान मिला। 2,150 करोड़ के आईपीओ के तहत पेश 47,09,21,451 शेयरों के लिए 91,98,25,200 शेयरों की बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 2.73 गुना बोली लगी। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 1.97 गुना और पात्र संस्थागत निवेशकों ने 1.34 गुना बोली लगाई। उधर, कंपनी ने एंकर निवेशकों से 643 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आईआईएफएल फाइनेंस देश की दूसरी सबसे बड़ी गोल्ड लोन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बन गई है। इसने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में मणप्पुरम फाइनेंस को पीछे छोड़ दिया है। आईआईएफएल फाइनेंस के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो ने 23,690 करोड़ रुपये के एयूएम पार कर लिया है। मणप्पुरम फाइनेंस का गोल्ड लोन एयूएम 20,809 करोड़ रुपये है। इस बाजार में मुथूट फाइनेंस सबसे आगे है।

गौरवशाली भारत
नई दिल्ली
गुरुवार 23 नवंबर 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

यौन उत्पीड़न मामले में कुश्ती शिक्षक को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने हाल ही में एक कुश्ती शिक्षक को अंतरिम जमानत दी, जिसके खिलाफ कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नाबालिग छात्रों को प्रशिक्षण देते समय कथित रूप से गलत तरीके से छूने का मामला दर्ज किया गया था। शिक्षक (22) द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अवकाशकालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति मिलिंद सथाये ने उसे गिरफ्तारी से अंतरिम राहत प्रदान की, जिसके खिलाफ पुणे पुलिस थाने में जून 2020 से सितंबर 2022 के बीच किए गए कथित कृत्यों के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के अतर्गत 21 सितंबर को यौन हमला और यौन उत्पीड़न के लिए प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायतकर्ता वरिष्ठ शिक्षक ने कहा कि नौवीं कक्षा के एक छात्र ने उनके एक सहकर्मी को बताया था कि हाल ही में एक यात्रा के दौरान उसने छह सहपाठियों को यह कहते हुए सुना कि आरोपी शिक्षक ने उनके साथ कुछ गलत किया है। सहयोगी ने फिर उन छात्रों को यह सब लिखित में देने के लिए कहा। उन्होंने खुलासा किया कि, कुश्ती सिखाने के बहाने, आरोपी शिक्षक ने उन्हें एक-दूसरे को अनुचित तरीके से छूने के लिए कहा और उनके साथ भी ऐसा ही किया।

दुनिया जीतने के लिये भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम चिली रवाना

मुंबई। चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से दस दिसंबर के बीच खेली जाने वाली एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के लिये भारतीय टीम बुधवार को रवाना हो गयी। टूर्नामेंट के 2022 के संस्करण में भारत को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। भारत को 2022 के उपविजेता जर्मनी के साथ-साथ बेल्जियम और कनाडा के साथ पूल सी में रखा गया है, जबकि गत चैंपियन नीदरलैंड को दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान चिली के साथ पूल ए में रखा गया है। अर्जेंटीना, कोरिया, स्पेन और जिम्बाब्वे को पूल बी में रखा गया है जबकि इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान पूल डी का हिस्सा हैं। कप्तान प्रीति के नेतृत्व में भारत क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित करने के लिए पूल सी के शीर्ष दो में जगह बनाना चाहेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ करेगा और उसके बाद 30 नवंबर को जर्मनी के खिलाफ मुकाबला होगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत पूल सी के अपने अंतिम लीग चरण मैच में दो दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ेगा। विदेश रवाना होने से पहले भारतीय कप्तान ने कहा विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना वास्तव में सम्मान की बात है।

ओटोमेंडी के गोल से अर्जेंटीना ने ब्राजील को हराया

रियो डि जेनेरियो। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने बुधवार को खेले गये फीफा विश्व कप 2026 के क्वालिफायर मुकाबले में ओटोमेंडी के गोल की बदौलत ब्राजील को हरा दिया। ब्राजील के मरकाना स्टेडियम में आज खेले गए मुकाबले में मेजबान ब्राजील को अर्जेंटीना के खिलाफ खेले गये मैच में 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना की ओर से मैच का एकमात्र गोल 63वें मिनट में निकोलस ओटामेंडी ने किया। हालांकि ब्राजील के खिलाड़ियों ने कई बार गोल करने के प्रयास किये लेकिन वे इसमें सफल नहीं हुए। इस जीत के बाद अर्जेंटीना टीम फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर के अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि ब्राजील 6 में से दो जीत के साथ छठे स्थान पर है। अर्जेंटीना 6 में से 5 मैच जीते हैं। अर्जेंटीना का अगला मुकाबला पांच सितंबर 2024 में चिली के साथ होगा। आज मैच शुरू होने से पहले आपस में भिड़े ब्राजील और अर्जेंटीना के प्रशंसक को काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे मैच नहीं हुआ प्रभावित और मुकबला पूरे समय तक चला।

रैंकिंग : कोहली चौथे से तीसरे नंबर पर पहुंचे

टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली आईसीसी वनडे रैंकिंग में चौथे से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बुधवार को जारी हुई ताजा वनडे बैटिंग रैंकिंग के टॉप-4 में भारत के तीन बल्लेबाज शामिल हैं। शुभमन गिल पहले नंबर पर बरकरार हैं। विराट और रोहित को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। विराट चौथे से तीसरे पर, जबकि रोहित पांचवें से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे नंबर पर बरकरार हैं। वर्ल्ड कप 2023 में कोहली ने कुल 765 रन बनाए, जिसमें 3 शतक शामिल हैं। बॉलिंग रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के केशव महाराज टॉप पर बने हुए हैं, जबकि भारत के मोहम्मद सिराज को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे दूसरे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड तीसरे से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों में भारत के शुभमन गिल पहले नंबर पर कायम हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे 7वें से छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को एक स्थान का नुकसान हुआ है। बॉलिंग रैंकिंग में भारत के मोहम्मद शमी टॉप-10 में आ गए हैं, वे दसवें नंबर पर हैं। रैंकिंग में टॉप-10 में चार भारतीय हैं, जिसमें शमी और सिराज के साथ चौथे नंबर पर जसप्रीत बुमराह और छठे नंबर पर कुलदीप यादव हैं।

भारत अब 6 महीने बाद वर्ल्ड कप खेलेगा

एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अब द्विपक्षीय सीरीज का दौर शुरू होने जा रहा है। 23 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज से इसकी शुरुआत होगी। यहां से न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और बाकी टेस्ट प्लेइंग देशों की भी सीरीज शुरू हो जाएंगी। भारत अगले 12 महीने में 4 देशों के खिलाफ कुल 15 टेस्ट खेलेगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में टेस्ट की शुरुआत होगी और अगले साल दिसंबर में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से साल का अंत होगा। टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 6 महीने बाद जून में खेला जाएगा। उससे पहले भारत में आईपीएल भी होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी पिछले सितंबर से भारत में ही हैं। वर्ल्ड कप जीतने के बाद भी देश नहीं लौट रहे, क्योंकि उन्हें 23 नवंबर से टीम इंडिया के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। मुकाबले 23, 26 और 28 नवंबर के साथ 1 और 3 दिसंबर को होंगे। सभी मैच भारत में होंगे, इसलिए शाम 7: 00 बजे ही शुरू हो जाएंगे, जो रात करीब 10: 30 से 11: 00 बजे तक चलेंगे। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टी-20 सीरीज सितंबर 2022 के दौरान भारत में ही हुई थी। तब 3 टी-20 की सीरीज को भारत ने 2-1 के अंतर से जीता था।

ब्राजील-अर्जेंटीना मैच के दौरान फैंस भिड़े

मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना ने 22 नवंबर को खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर मैच में ब्राजील को हरा दिया। ब्राजील के मरकाना स्टेडियम (रियो डि जेनेरियो) में खेले गए मैच में मेजबान को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच का इकलौता गोल अर्जेंटीना के निकोलस ओटामेंडी ने 63वें मिनट में किया। मैच शुरू होने से पहले ब्राजील और अर्जेंटीना के फैंस आपस में भिड़ गए। भीड़ को काबू करने के लिए ब्राजील पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। हालांकि, इसका मैच पर कोई असर नहीं हुआ और मैच फुल-टाइम पर खत्म हुआ। ब्राजील और अर्जेंटीना फुटबॉल राइवल्स है। ऐसा कई बार हुआ है कि दोनों टीमों के फैंस के बीच हिंसा हुई है। साल 1925 और 1937 के बीच दोनों टीमों के बीच हिंसा की वजह से कोई मैच आयोजित नहीं किया गया क्योंकि दोनों टीमों ने उन टूर्नामेंट में खेलने से इनकार कर दिया जिनमें दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलना था। इस जीत के बाद अर्जेंटीना टीम साउथ अमेरिका फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, जबकि ब्राजील 6 में से 2 जीत के साथ छठे स्थान पर है। अर्जेंटीना 6 में से 5 मैच जीते हैं। अर्जेंटीना का अगला मुकाबला 5 सितंबर 2024 में चिली के साथ होगा।

डब्ल्यूपीएल के व्यस्त कार्यक्रम के कारण टेस्ट की तैयारी का मौका नहीं : हरमनप्रीत कौर

एजेंसी

नयी दिल्ली। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूपीएल) के व्यस्त कार्यक्रम के कारण दिसंबर में तीन टी-20 और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच की तैयारी का मौका नहीं होगा।

हरमनप्रीत दिसंबर के दो सप्ताह में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में दो टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली हैं। अपने 14 वर्षों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने केवल एक ही टेस्ट भारत में खेला है। उन्होंने करियर का एकमात्र घरेलू टेस्ट 2014 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस टेस्ट में उन्होंने नौ विकेट हासिल किया था। साथ ही भारतीय टीम ने उस मैच में बड़ी जीत दर्ज की थी। उस टेस्ट के अलावा हरमनप्रीत ने अपने करियर में केवल दो और टेस्ट मैच खेले है।

ऑस्ट्रेलियाई टी-20 लीग डब्ल्यूपीएल खेलने के बाद जब हरमनप्रीत स्वदेश लौटेंगी तो उनके पास दो टेस्ट मैचों की तैयारी के लिए केवल 10 दिन का समय होगा। पहले उन्हें तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलने है और फिर 14 दिसंबर को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच। हरमनप्रीत कौर ने 285 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में डब्ल्यूबीबीएल में खेलने वाली एक मात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरमनप्रीत ने कहा ,टेस्ट सीरीज का हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि मैंने (2014 से) घरेलू दर्शकों के सामने कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। इसलिए मैं काफी उत्साहित हूं। हमारे लिए चुनौती यह है कि हमने काफी समय से लाल गेंद से नहीं खेला है। हम इतने सालों से सफेद गेंद से खेल रहे हैं। यहां तक कि घरेलू क्रिकेट में भी लाल गेंद की कोई सीरीज नहीं खेली जाती है। इसलिए हमारे लिए चुनौती यह है कि हमें स्वयं को इतने कम समय में तैयार करना होगा। उन्होंने कहा, मैंने लाल गेंद से अभ्यास करने के बारे में सोचा था, लेकिन क्योंकि यह इतना व्यस्त कार्यक्रम है कि आप दो चीज़ों को एक साथ मिला ही नहीं सकते। हम टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट खेल बिल्कुल अलग तरह का खेल है। इसलिए मैं इसमें किसी तरह का मिश्रण नहीं करना चाहती। जब मैं वापस भारत जाऊंगी तो मेरे पास खुद को तैयार करने के लिए दस दिन होंगे। उन्होंने कहा, यहां विश्व के सबसे अच्छे स्टेडियमों में से एक में खेलना हमेशा सम्मान की बात है। हमने यहां टी20 विश्व कप फाइनल खेला था और उससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुछ मैचों में हम यहां आए थे। यहां खेलने का अनुभव हमेशा अदभुत रहा है। अब इस सीज़न में हमें फिर से यहां खेलने का मौक़ा मिल रहा है।

एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए नामांकन पर हूं अभिभूत: हार्दिक सिंह

बेंगलुरु। चोट के कारण एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला से बीच में ही बाहर होने से लेकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मिडफील्डर हार्दिक सिंह को एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2023 के लिए नामांकित किया गया है। सम्मान से अभिभूत हार्दिक ने बुधवार को कहा एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड 2023 के लिए नामांकित होने पर मैं आश्चर्यचकित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसी मान्यता प्राप्त करना एक खिलाड़ी के रूप में सपने के साकार होने जैसा है। यह निश्चित रूप से आपको और भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ वर्ष नहीं था और वह और बेहतर कर सकते थे। उन्होने कहा मैं बहुत खुश हूं, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि यह मेरा सबसे अच्छा साल था। मैं और भी बेहतर कर सकता था, खासकर विश्व कप के दौरान, जहां इतने महत्वपूर्ण चरण में चोट लगना दिल तोड़ने वाला था लेकिन, कुल मिलाकर मैं खुश हूं। एफआईएच प्रो लीग अभियान, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ यह साल मेरे लिए शानदार रहा। मिडफ़ील्ड में अपने तेजतर्रार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 और एशियाई खेल 2023 के दौरान हरमनप्रीत सिंह के डिप्टी के रूप में भी काम किया, जहां भारत ने स्वर्ण पदक जीते। उन्होने कहा मैंने अपने सीनियर्स सरदार सिंह, पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह और हरमनप्रीत सिंह से काफी कुछ सीखा है कि आगे बढ़कर नेतृत्व कैसे करना है।

एलएसजी से अलग हुये गंभीर, केकेआर में वापसी

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व सदस्य और टीवी कमेंटेटर गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से अलग होने का ऐलान किया है। गंभीर पिछले दो सालों से एलएसजी के मेंटर की भूमिका निभा रहे थे। अब वह अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ मेंटर के तौर पर काम करते दिखेंगे। इससे पहले वह केकेआर के कप्तान की भूमिका में नजर आ चुके हैं। विश्वकप के फाइनल में गंभीर और केकेआर के स्वामी शाहरुख खान के बीच मुलाकात के बाद इस बारे में अटकलें शुरु हो गयी थी। गंभीर ने ट्वीट कर अपने इस्तीफे की जानकारी साझा की। उन्होने एक्स पर लिखा मैं लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ अपने बेहतरीन सफर के समापन का ऐलान करता हूं। मेरे कार्यकाल के दौरान मुझे सभी कोच, प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ से काफी प्यार मिला और मैं उनका आभार प्रकट करता हूं। मैं संजीव गोयनका को धन्यवाद देना चाहता हूं जिनकी बेहतरीन लीडरशिप में इस टीम का निर्माण हुआ और उन्होंने मुझे काफी सपोर्ट भी किया। मुझे पूरा भरोसा है कि ये टीम आने वाले दिनों में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेगी और लखनऊ सुपर जायंट्स के फैंस को गर्व महसूस कराएगी। एलएसजी ब्रिगेड को शुभकामनाएं। बाद में केकेआर के आधिकारिक एक्स अकाउंट से गंभीर के टीम के साथ जुड़ने की पुष्टि भी की गयी। केकेआर ने लिखा वेलकम बैक मेंटर गौतम गंभीर। गौरतलब है कि आईपीएल की नयी फ्रेंचाइजी के तौर पर अस्तित्व में आने के बाद गंभीर को एलएसजी ने अपना मेंटर नियुक्त किया था।

हर आधे घंटे में याद आता है कि आपने अभी-अभी विश्व कप जीता है : कमिंस

एजेंसी

सिडनी। आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप का खिताब जीतकर बुधवार को स्वदेश पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि हर आधे घंटे में याद आता है कि आपने अभी-अभी विश्व कप जीता है और आप फिर से उत्साहित हो जाते हैं।

चश्मा पहने कमिंस ने सिडनी हवाई अड्डे पर कहा, हर आधे घंटे या उसके बाद आपको याद आता है कि आपने अभी-अभी विश्व कप जीता है और आप फिर से उत्साहित हो जाते हैं। हम अभी भी चर्चा कर रहे हैं। यह एक बड़ा साल रहा है।

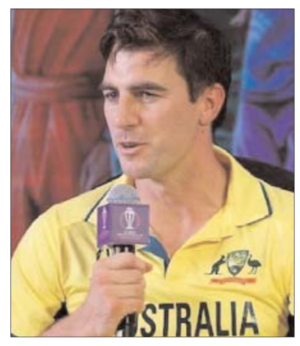

इससे भी बढ़कर, यह आश्चर्यजनक रहा है। मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी विरासत बनाई है। एक विश्वकप, आपको हर चार साल में केवल एक मौका मिलता है और विशेष रूप से भारत जैसी जगह पर खेलना कठिन है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा एक विदेशी एशेज श्रृंखला, एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप भी शामिल है। हम इससे बेहतर योजना नहीं बना सकते थे। इसलिए काफी संतुष्ट समूह है।

कमिंस और कुछ खिलाड़ियों को 14 दिसंबर को पाकिस्तान के खिलाफ पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट समर शुरू होने से पहले आराम दिया गया। लेकिन फाइनल में भाग लेने वाले पांच खिलाड़ियों के लिए गुरुवार को भारत के खिलाफ शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया की पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए तैयारी करना कठिन काम होगा।

मेलबर्न पहुंचे ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने मुस्कुराते हुए कहा, हेडी निश्चित रूप से चोटिल थे, मुझे यकीन नहीं है कि वह इस तरह का खेल खेलेगा।

मैं कोई चयनकर्ता या कोच नहीं हूं लेकिन अगर वह इस तरह खेला है तो यह एक चमत्कार है।

मोदी-ट्रूडो की वर्चुअल मीटिंग से पहले फिर शुरू हुआ ई-वीजा

सभी कैटेगरी में सर्विस मिलेगी; निज्जर की हत्या पर तनाव के बाद बंद थी सेवा

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या पर शुरू हुए तनाव के बाद आज पहली बार त्20 की वर्चुअल मीटिंग में पीएम मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आमने-सामने होंगे। इससे पहले भारत ने फिर से कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सर्विस शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2 महीने की रोक के बाद यह सर्विस फिर शुरू हो रही है। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद कनाडा ने भारत पर आरोप लगाए थे, इसके बाद बढ़े तनाव के बाद भारत सरकार ने 21 सितंबर को वीजा सेवा बंद कर दी थी। इसके बाद 26 अक्टूबर को सरकार से 4 कैटेगरी में वीजा सर्विस शुरू कर दी थी। तब से कनाडाई एंट्री, बिजनेस, मेडिकल और कॉन्फ्रेंस में वीजा के लिए अप्लाय कर

पा रहे हैं। अब नए अपडेट के साथ कनाडाई नागरिकों के लिए टूरिस्ट समेत सभी कैटेगरी में वीजा सर्विस शुरू कर दी गई है।

21 सितंबर को रोकी गई थी वीजा सर्विस

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 21 सितंबर को कहा था कि कनाडा में हमारी डिप्लोमैटिक यूनिट को धमकियां मिल रही हैं। वे अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि वीजा सर्विसेज सस्पेंड की गई है। उन्होंने कहा था कि कनाडा आतंकियों को रहने और उनके मंसूबों को अंजाम देने की जगह दे रहा है।

कुछ दिन पहले ही लंदन में पत्रकार लायनेल बार्बर के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था- जब कनाडा में भारत के हाई कमीशन पर हमले हुए और डिप्लोमैट्स को धमकाया गया तब कनाडाई सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की।

जयशंकर ने कहा था- कनाडा ने अब तक अपने आरोपों के सबूत नहीं दिए

विदेश मंत्री ने आगे कहा था- हम जांच से इनकार नहीं कर रहे हैं, लेकिन कनाडा ने अब तक निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने से जुड़े कोई सबूत नहीं दिए हैं।

हमें लगता है कि कनाडा की राजनीति में हिंसा और चरमपंथ को जगह मिल रही है, जिससे भारत में अलगाववाद को बढ़ावा मिल रहा है। जयशंकर ने कहा- हम एक लोकतांत्रिक देश हैं और कनाडा में भी लोकतंत्र है। ऐसे में अभिव्यक्ति की आजादी के साथ कुछ जिम्मेदारियां भी आती हैं। इस आजादी का गलत इस्तेमाल करना और ऐसा होने देना सही नहीं है।

दुनिया में भारत के प्रभाव पर विदेश मंत्री ने कहा- सही मायने में भारत की वजह से वैश्विक महंगाई काबू में आ पाई है। हम इसके लिए धन्यवाद का इंतजार कर रहे हैं।

इजराइली संसद में 4 दिन के सीजफायर को मंजूरी

बदले में हमास छोड़ेगा 50 बंधक; नेतन्याहू बोले- संगठन के खात्मे तक नहीं रुकेगी जंग

तेल अवीव/दोहा। इजराइल हमास जंग के बीच कई दिनों से चल रही सीजफायर की डील पर इजराइली संसद ने मुहर लगा दी है।

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, संसद ने 50 बंधकों के बदले 4 दिन के सीजफायर के प्रस्ताव को पास कर दिया है।

इजराइली सरकार के अधिकारी ने बताया कि जिन बंधकों को छोड़ा जाएगा, उनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे होंगे। इन्हें हर दिन 12-13 बंधकों के ग्रुप में आजाद किया जाएगा। हर 10 बंधकों के ग्रुप की रिहाई के बदले इजराइल 1 दिन का सीजफायर करेगा।

हिब्रू मीडिया के मुताबिक, जिन बंधकों को हमास छोड़ेगा उनमें 30 बच्चे, 12 महिलाएं और 8 माएं शामिल हैं। इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि इस डील के तहत इजराइल भी 150 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनमें महिलाओं और बच्चों को ही प्राथमिकता मिलेगी।

100 बंधकों के बदले 300 फिलिस्तीनियों को छोड़ने के लिए तैयार इजराइल

टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, ये डील का सिर्फ पहला फेज होगा, जो करीब 4-5 दिन तक चलेगा। इसके बाद इजराइल ने अगले 50 बंधकों के बदले 150 अतिरिक्त फिलिस्तीनियों को रिहा करने को कहा है। हर 10 बंधकों की रिहाई पर इजराइल 24 घंटे के सीजफायर के लिए भी तैयार हुआ है।

इसके अलावा इजराइल ने 300 फिलिस्तीनियों के नाम की एक लिस्ट भी जारी की है, जिन्हें वो रिहा कर सकता है। इनमें ज्यादातर बच्चों और महिलाओं के नाम थे।

वहीं, हमास ने अपने बयान में बताया कि समझौते के तहत इजराइल साउथ गाजा के ऊपर 6 घंटे के लिए सर्विलांस ड्रोन्स की उड़ानें भी रोकेगा। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक ये ड्रोन सिर्फ उत्तरी गाजा में ही उड़ सकेंगे।

इससे पहले पीएम नेतन्याहू ने देर रात कैबिनेट मीटिंग की। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास के खिलाफ अपना युद्ध जारी रखेगा, भले ही बंधकों को रिहा करने के लिए हमास के साथ अस्थायी रूप से सीजफायर लागू हो। हमास चीफ इस्माइल हानिए ने भी रविवार को सीजफायर की तरफ इशारा किया था।

चीन में शीत लहर के लिए येलो अलर्ट जारी

बीजिंग। चीन के कुछ हिस्सों में तापमान में भारी गिरावट के आसार के मद्देनजर शीत लहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया। यहां के मौसम विज्ञान अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार से शुक्रवार तक यांग्त्जी नदी के मध्य और निचले इलाकों तथा उनके उत्तर के क्षेत्रों में तापमान में छह से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है। भीतरी मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र, हेबेई प्रांत और पूर्वोत्तर चीन के कुछ हिस्सों में बुधवार सुबह आठ बजे से शुक्रवार सुबह आठ बजे तक तापमान 20 डिग्री सेल्सियस गिरने के आसार हैं, जिससे कुछ क्षेत्रों में तापमान शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे तक चले जाने के अनुमान हैं।

पूर्वी इंडोनेशिया में 6.6 तीव्रता का भूकंप, एक की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत उत्तरी मालुकु में बुधवार को तीव्र भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये और इस कारण एक व्यक्ति की मौत हो गयी। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.6 मापी गयी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं शमन एजेंसी के प्रमुख फेहबी अल्टिंग ने बताया कि भूकंप के कारण दूरसंचार का एक टावर ढह गया, जिसके कारण एक कर्मचारी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे के समय कर्मचारी टेल्कोमसेल द्वारा संचालित टॉवर को ध्वस्त करने का काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण शहर और प्रांत के अन्य हिस्सों में अन्य इमारतें या घर क्षतिग्रस्त नहीं हुए हैं। भूकंप के प्रभाव के जोखिम का आकलन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। मौसम विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि भूकंप के झटके जकार्ता के समयानुसार पूर्वाह्न 09҇48 बजे महसूस किए गए और इसका केंद्र हलमहेरा बारात (पश्चिम हलमहेरा) जिले से 68 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में और समुद्र तल से 109 किमी की गहराई में स्थित था। एजेंसी ने कहा कि भूकंप के झटके उत्तरी मालुकु प्रांत के पश्चिमी हल्माहेरा और उत्तरी हल्माहेरा जिलों के साथ-साथ उत्तरी सुलावेसी प्रांत के मानदो शहर, बिटुंग शहर, मिनाहासा और सीतारो जिले में भी महसूस किये गये। एजेंसी के अधिकारी ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की, क्योंकि भूकंप से बड़ी लहरें नहीं उठेंगी।

कोरियाई युद्ध में मारे गए चीनी सैनिकों के अवशेष, उनके देश भेजने की तैयारी

इंचियोन। दक्षिण कोरिया में 1950-53 के कोरियाई युद्ध में मारे गए 25 चीनी सैनिकों के अवशेषों को उनके वतन वापस भेजने की तैयारी की जा रही है। चीनी सैनिकों के 25 अवशेषों को ताबूतों में रखने का समारोह राजधानी सियोल के पश्चिम में इंचियोन में आयोजित किया गया। वयोवृद्ध मामलों के उप मंत्री चांग झेंगगुओ के नेतृत्व में चीनी प्रतिनिधिमंडल, दक्षिण कोरिया में चीनी दूतावास के अधिकारी, दक्षिण कोरिया में चीनी छात्रों और चीनी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने समारोह में भाग लिया। चीनी पीपुल्स वालंटियर्स (सीपीवी) के शहीदों के अवशेषों के लिए एक अस्थायी बस्ती में फूलों की टोकरी रखी गई थी। श्री चांग फूलों की टोकरी और रिबन की व्यवस्था करने के लिए आगे बढ़े। चीनी प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने सीपीवी शहीदों को तीन बार नमन किया और फूल भेंट किये। चीनी पक्ष की स्मारक सेवा के बाद दक्षिण कोरियाई पक्ष ने अवशेषों को ताबूतों में रखा। वर्ष 2014 के बाद से चीन और दक्षिण कोरिया ने मानवीय सिद्धांतों का पालन और मैत्रीपूर्ण और व्यावहारिक सहयोग करते हुए, लगातार नौ वर्षों तक दक्षिण कोरिया में 913 सीपीवी शहीदों के अवशेषों को सफलतापूर्वक सौंपा है। इस साल का प्रत्यावर्तन समारोह, गुरुवार को इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित होने वाला है।

इमरान की 'जेल सुनवाई' को किया अवैध घोषित

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने मंगलवार को सिफर मामले में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की 'जेल सुनवाई' में सुनवाई के लिए 29 अगस्त की अधिसूचना को अवैध करार दिया। मीडिया के अनुसार, सिफर मामले में पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान के खिलाफ जेल में सुनवाई को मंजूरी देने के एकल सदस्यीय पीठ के फैसले के खिलाफइमरान की ओर से दायर 'जेल सुनवाई' की अपील पर यह फैसला सुनाया गया। गौरतलब है कि 29 अगस्त को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने तोशाखाना मामले में खान की सजा को निलंबित किया था, लेकिन आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के अंतर्गत स्थापित एक विशेष अदालत ने जेल अधिकारियों को सिफर मामले में श्री खान को न्यायिक हिरासत में रखने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब और न्यायमूर्ति समन रिफत इम्तियाज की खंडपीठ ने अपने फैसले में श्री इमरान की 'जेल सुनवाई' की अपील को सुनवाई योग्य करार दिया। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने कहा कि इमरान के जेल ट्रायल के लिए कानून मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना अभी लागू नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ताजी हवा कैसे उगाएं

भारत का हृदय दिल्ली, वायु प्रदूषण और धुंध जैसी लगातार और चिंताजनक समस्या से जूझ रहा है। हर साल बिगड़ती वायु गुणवत्ता के खिलाफ शहर का संघर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है, जिससे निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका मानव स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण और हानिकारक प्रभाव पड़ता है। दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोतों में वाहन धुआं, बिजली उत्पादन जैसे भारी उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योग, निर्माण गतिविधियां, खुले में कचरा जलाना आदि शामिल हैं। फसल के मौसम के दौरान पराली जलाने से निकलने वाला धुआं समस्या को और बढ़ा देता है, जो ज्यादातर फसल की शुरुआत के करीब होता है। सर्दियाँ। इन स्रोतों से अत्यधिक वायु प्रदूषण घनी आबादी वाले क्षेत्रों में लाखों नागरिकों को प्रभावित करता है जो लंबे समय तक घने और जहरीले धुएं के संपर्क में रहते हैं। प्रभाव विनाशकारी हैं, जिनमें हवा में कणीय पदार्थ की सांद्रता की मात्रा और जीवन प्रत्याशा में कमी शामिल है। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि इस जहरीली हवा के कारण दिल्लीवासी लगभग 12 साल कम जी रहे हैं।

फेफड़ों सहित श्वसन प्रणाली पर वायु प्रदूषण का प्रभाव प्रदूषकों के प्रकार और सांद्रता के साथ-साथ किसी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य और जोखिम की अवधि के आधार पर भिन्न हो सकता है। PM2.5 (कणों का व्यास 0.3 से 2.5 माइक्रोन तक होता है) सबसे घातक कणों में से एक है, ये कण इतने छोटे होते हैं कि श्वसन प्रणाली में प्रवेश कर सकते हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकते हैं।

2018 में, बिगड़ते वायु प्रदूषण संकट के बीच, प्रसिद्ध विशेषज्ञ कमल मीटल (पहाड़पुर बिजनेस सेंटर के मानद अध्यक्ष) और बरुण अग्रवाल (सीईओ, ब्रीथईज़ी कंसल्टेंट्स) ने जागरूकता पैदा करने के लिए हाउ टू ग्रो फ्रेश एयर का अंग्रेजी संस्करण लॉन्च किया।

वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए और इनडोर वायु गुणवत्ता में सुधार की अत्यधिक आवश्यकता है, हमें हाउ टू ग्रो फ्रेश एयर पुस्तक का एक हिंदी संस्करण लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है ताकि इसे भारत में अधिक से अधिक लोगों तक व्यापक रूप से पहुंचाया जा सके और उन्हें लाभ मिल सके।

इस पुस्तक का प्राथमिक उद्देश्य स्वस्थ जीवन के लिए ताजी और स्वच्छ हवा के लाभों के बारे में हम सभी के बीच जागरूकता बढ़ाना है। यह इस बात पर जोर देता है कि कैसे हम अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव कर सकते हैं और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए अपने आस-पास के पर्यावरण की जिम्मेदारी ले सकते हैं। ताज़ी हवा न केवल बेहतर सोच और सतर्कता में सहायक होती है बल्कि स्वस्थ बच्चों के पालन-पोषण में भी सहायक भूमिका निभाती है, जो हमारे भविष्य के संरक्षक हैं।

हार्वर्ड के हालिया शोध से वायु प्रदूषण के संपर्क और संज्ञानात्मक हानि के बीच एक संभावित संबंध का संकेत मिलता है, जिसमें शैशवावस्था और बचपन में समझौता किए गए तंत्रिका-संज्ञानात्मक विकास से लेकर जीवन के बाद के चरणों में संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश के बढ़े हुए उदाहरण शामिल हैं । यह पुस्तक व्यावहारिक समाधान प्रदान करती है, जिसमें सफाई और वेंटिलेशन के तरीकों से लेकर हरित विकल्पों को अपनाना, वायु प्रदूषण के खतरों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए सर्वोत्तम वायु शोधक और वायु-सफाई संयंत्रों का प्रदर्शन शामिल है। पुस्तक के लेखकों ने अपने व्यावहारिक अनुभव और शोध कार्य को इनडोर वायु गुणवत्ता सुधार दृष्टिकोण के इर्द-गिर्द रखा है जो अच्छी तरह हवादार स्वच्छ वायु स्थान के अंदर सांस लेने वाले मनुष्यों की संज्ञानात्मक क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। लेखक, कमल मीटल और बरुण अग्रवाल पर्यावरणीय मुद्दों और वायु गुणवत्ता के प्रति गहरा जुनून लेकर आते हैं। वर्षों की विशेषज्ञता के माध्यम से, उन्होंने एक व्यापक मार्गदर्शिका तैयार की है जो न केवल वायु प्रदूषण के महत्वपूर्ण मुद्दे को संबोधित करती है बल्कि व्यावहारिक भी प्रदान करती है। ज्ञान के भंडार द्वारा समर्थित समाधान। पर्यावरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पूरी पुस्तक में प्रतिध्वनित होती है, जिससे यह हवा की गुणवत्ता में सुधार और एक स्वस्थ रहने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के बारे में जानकारी चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मूल्यवान और आधिकारिक संसाधन बन जाती है।

धूमधाम से मनाई गई मुलायम सिंह यादव की जयंती

गोरखपुर। (पी एम ए) समाजवादी पार्टी के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव नेताजी की 85वी जयंती पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में मनाई गई संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि आज जिस तरह का आतंक फैला हुआ है हम सभी नेता जी को याद कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नेता जी की नीतियों पर चलकर हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएगी और उससे लड़ेगी. कमजोर और वंचितों को नेता जी के विचारों और संघर्षों ने सत्ता तक पहुंचाया. जिलाध्यक्ष ने इस मौके पर मुलायम सिंह यादव को समाजवाद का प्रेरणापुंज बताया और कहा कि नेताजी न्याय और बराबरी के पक्षधर थे. वह हर मजदूर, दलित, वंचित, शोषित की मुखर आवाज थे, उनके विचारों का प्रकाशपुंज हमेशा हमें आलोकित करता है. हम लोग अपना बूथ मजबूत करने में जुटे हुए हैं 2024 में भाजपा को हटाना है उपस्थित सपा नेताओं ने कहा कि महान व्यक्तित्व, सरल हृदय और जमीन से सदा जुड़े रहे धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की जयन्ती पर कोटि-कोटि नमन. हम हमेशा नेताजी के दिखाए मार्ग पर चलते रहेंगे.इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम रामनाथ यादव डॉक्टर मोहसिन खान अवधेश यादव यशपाल रावत राम सिंह जफर अमीन डक्कू मुन्नी लाल यादव मिर्जा कदीर बेग दूधनाथ मौर्य देवेंद्र भूषण निषाद राजेंद्र यादव सुरेंद्र निषाद दयाशंकर निषाद गिरीश यादव विश्वनाथ विश्वकर्मा जियाउल इस्लाम इनामुल्लाह खान शहाब अंसारी अखिलेश यादव हाजी शकील अंसारी राघवेंद्र तिवारी राजू रामजतन यादव अशोक यादव अशोक चौधरी रामहित यादव बिंदा देवी सुशीला भारती मैंना भाई नमिता सिंह रूबी खातून दूईजा देवी दिलशाद राईन महेंद्र निषाद शशिकांत दुबे शब्बीर कुरैशी पप्पू यादव राजाराम बेलदार रामजीत यादव रफीउल्लाह सलमानी कपिल मुनि यादव जनार्दन सिंह फौजी शमशेर शाही हीरालाल यादव घनश्याम राव रामाशंकर यादव धनंजय सिंह राजेश सिंह बृजनाथ मौर्य महेंद्र तिवारी अभिषेक पांडे संतोष यादव अनूप यादव गोली यादव विनोद विश्वकर्मा सीताराम गौड़ हरिकेश यादव राम अजोर मौर्य शकील शाही मनोज निषाद पुजारी यादव सोहराब खान संदीप यादव लालमोहन यादव भवनाथ यादव अविनाश तिवारी छोटेलाल राजभर सत्य प्रकाश जायसवाल नारद यादव भृगुनाथ निषाद नौशाद भाई बी डी अंसारी आदि मौजूद रहे।

शार्ट न्यूज

दो ट्रक आपस में टकराये, चालक और खलासी की मौत

बहराइच। (पी एम ए) जनपद में बुधवार को सीतापुर मार्ग पर दो ट्रक आमने-सामने टकरा गए। हादसे में एक के ट्रक के चालक और खलासी की मौत हो गई। दूसरे ट्रक का चालक घायल हुआ पर घटनास्थल से भाग निकला। हादसे के बाद हाइवे पर वाहनों का जाम लग गया। क्षेत्राधिकारी जय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि बहराइच-सीतापुर मार्ग पर हरदी थाना क्षेत्र में चहलारी घाट पुल पर बुधवार की सुबह दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में जिस चालक और खलासी की मौत हुई है उनकी शिनाख्त मुरादाबाद के दातीपुर गांव का अनवर (28) इसी गांव निवासी मोहम्मद ताहिर (20) के रूप में हुई है। दूसरे ट्रक का चालक माजिद अली घायल हो गया। लेकिन वो घटनास्थल से भाग निकला है। घटना के बाद हाइवे पर वाहनों का जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर क्रेन की मदद से वाहनों को रास्ते से हटाकर आवागमन चालू कराया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि यहा हादसा मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात तीन बजे का है। पुलिस ने सुबह नौ बजे तक रेस्क्यू किया है। घटना की जानकारी मृतकों के परिवार को दे दी गई है।

राखी सावंत की बढ़ी मुश्किलें, पी एम मोदी पर किए आपत्तिजनक कमेंट, मुकदमा दर्ज

मेरठ । (पी एम ए) फ़िल्म अभिनेत्री राखी सावंत आए दिन अपनी अजीब हरकतों और अपने दिए बयानों के चलते चर्चा में बनी रहती हैं। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में फिल्म अभिनेत्री राखी सावंत बुरी तरह से फंस गई है। जहा एक व्यक्ति द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस के खिलाफ शिकायत करते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है। बुधवार को जनपद मेरठ के खरखौदा थाना क्षेत्र गोविंदपुर शकरपुर महल वाला गांव के रहने वाले हरेंद्र पुत्र मानसिंह ने बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत का एक वीडियो पुलिस को देकर आरोप लगाया है कि वीडियो के माध्यम से बॉलीवुड एक्ट्रेस राखी सावंत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आबाद टिप्पणी करते हुए उनका अपमान किया गया है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर मेरठ पुलिस द्वारा सौपी गई वीडियो की साइबर टीम से जांच कराई गई है, जिसमें वीडियो सही होना पाया गया है। वायरल हो रहे तकरीबन 20 सेकंड की इस वीडियो में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस राखी सावंत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अपनी टिप्पणी कर रही है। राखी सावंत ने वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी को इंगित करते हुए कहा है कि मोदी जी आप मुझे अपनी योगा टीचर रख लो। मैं आपको अच्छे से योग सिखाऊंगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा क्रियान्वयन के विषय में जारी गाइडलाइन की दी गई जानकारी

गोरखपुर। (पी एम ए) विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल क्रियान्वयन के संबंध में जिला विकास अधिकारी राजमणि की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में योजनाओं के संतृप्तीकरण, आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने तथा छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाए जाने के संबंध में आयोजित बैठक में जिला विकास अधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों खास तौर से वंचित व असंतृप्त लोगों तक समयबद्ध तरीके से तथा जन सामान्य को जागरुक करते हुए वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने प्रत्येक दिवस में आयोजित होने वाली गतिविधियों से संबंधित फोटोग्राफ्स को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश देते हुये कहा कि प्रत्येक कार्यकम में जनप्रतिनिधियो को विशेष रूप से आमन्त्रित किया जाये। उन्होंने शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के संबंध में सभी को विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल जीवन मिशन, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग आदि योजनाओं को सम्मिलित किया गया है।

मकर संक्रान्ति मेले की सभी तैयारी 15 दिसम्बर तक पूरी कर ली जाए : अखिल कुमार

गोरखपुर । (पी एम ए) अपर पुलिस महानिदेशक अखिल कुमार एवं मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने आयुक्त सभागार में मकर संक्रान्ति मेले के लिए आयोजित तैयारी बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि मकर संक्रान्ति मेले की सभी तैयारी 15 दिसम्बर तक पूरी कर ली जाये और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एंव व्यवस्था उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के पहले दिन से ही मंदिर में भारी संख्या में लोग आने लगते है इसके बाद से लोग लगातार आते रहते हैं। मकर संक्रान्ति से लेकर शिवरात्रि तक काफी संख्या में श्रद्धालु आते है। इसलिए सुगम यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन भी तैयारी कर लें। वाहनो को खड़ा करने के लिये वाहन पार्किंग स्थल बनाये जाये। वाहन स्टैण्ड पर प्रकाश, सी0सी0टी0वी0 एंव साफ सफाई की व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत मेले में पर्याप्त संख्या में सी.सी.टीवी कैमरा लगवायें जाये।

दिल्ली विश्विद्यालय के महाराजा अग्रसेन कॉलेज में पुस्तक मेले का किया आयोजन

दिल्ली विश्विद्यालय के महाराजा अग्रसेन कॉलेज में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आर के शर्मा, पूर्व महानिदेशक, दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर, भारत सरकार ने रिबन काटकर किया। उन्होंने अपने उद्बोधन के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजीव कुमार तिवारी ने पुस्तक मेले में उपलब्ध विभिन्न पुस्तकों का अवलोकन किया। साथ ही पुस्तक मेले में उपस्थित सभी प्रकाशकों की सराहना की। मेले में एनबीटी, पियर्सन, सुल्तान चंद एंड सन्स, वाइले, प्राइमस,जाइको पब्लिशर, पी एच आई लर्निंग और ओरिएंट ब्लैकस्वान सहित 40 से अधिक प्रकाशकों की हिंदी साहित्य, अंग्रेजी, कंप्यूटर, साइंस, गणित, राजनीति, मीडिया व इतिहास विषयों की पुस्तकें उपलब्ध थी। मेले में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंचे और किताबों के प्रति अपनी रुचि दिखाई। मेले में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पुस्तकालय की संयोजिका डॉ. अनुपमा जयदेव और लाइब्रेरियन डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने सभी का अभिवादन किया ।

योगी ने कानून व्यवस्था पर गहलोत सरकार को धो दिया

जोधपुर में दंगाई तलवारें लहरा रहे थे, यूपी होता तो मेरा बुलडोजर इन्हें रौंद देता : योगी आदित्यनाथ

जोधपुर/बीकानेर/नागौर/चुरू। सीएम योगी आदित्यनाथ राजस्थान के चुनावी समर में बुधवार को छठवें दिन उतरे और भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाने का आह्वान किया। उन्होंने यूपी की भाजपा व राजस्थान की कांग्रेस सरकार का फर्क समझाया, फिर कानून व्यवस्था पर कांग्रेस को खूब धोया। बोले कि जोधपुर में दो वर्ष पहले सड़कों पर नंगी तलवारें लहरा रही थीं और दंगाई दंगा कर रहे थे। जोधपुर में नग्न तांडव पर सरकार मौन थी, लेकिन मैं सोच रहा था कि यह दंगाई यूपी में होते तो मेरा बुलडोजर रौंद देता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया कि चुनाव सहानुभूति का नहीं, भविष्य निर्माण का अवसर होता है। राजस्थान के सुखद भविष्य के लिए भाजपा जरूरी है। सीएम ने 22 जनवरी के बाद राजस्थानवासियों को अयोध्या राम मंदिर के दर्शन के लिए आमंत्रित भी किया।

वोट बैंक के नाम पर अराजकता फैलाने की छूट कब तक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जोधपुर शहर से अतुल भंसाली, सूरसागर से देवेंद्र जोशी, सरदारपुरा से डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में दो वर्ष पहले सड़कों पर नंगी तलवारें लहरा रही थीं और दंगाई दंगा कर रहे थे। जोधपुर में नग्न तांडव पर सरकार मौन थी, लेकिन यह दंगाई यूपी में होते तो मेरा बुलडोजर इन्हें रौंद देता। वोट बैंक के नाम पर आखिर अराजकता फैलाने की छूट कब तक होगी। यह कर्फ्यू व दंगों वाली सरकार है। अलवर, जोधपुर में पूज्य संतों की हत्या पर सरकार सुनवाई करने को तैयार नहीं। सीएम ने कहा कि आपने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को पानी पिलाया तो गजेंद्र सिंह शेखावत जलशक्ति मंत्री बने। वे अपनी योजना से पूरे देश को शुद्ध जल पिला रहे हैं।

हार देख कांग्रेस के लोग फैला रहे थे अफवाह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायक व नोखा से प्रत्याशी बिहारी लाल विश्नोई को फिर से चुनाव जिताकर जयपुर भेजने का आह्वान किया। बोले कि कांग्रेस के लोग अपनी हार देख कल से अफवाह फैला रहे थे कि मैं नहीं आ रहा हूं। फोन आ रहे थे, मैंने बताया कि दूसरी जनसभा नोखा में ही है।

हम लोग प्रभु श्रीराम के भक्त हैं। मैंने वचन दिया था, उसे पूरा करने के लिए फिर से नोखा आया हूं। अच्छी मिठाई-नमकीन में बीकानेर व राजस्थान का सबसे बड़ा योगदान है। राजस्थान में डबल इंजन की सरकार होती तो कभी पेपर लीक न होता। माफिया को यहां सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। चुनाव सहानुभूति का नहीं, भविष्य निर्माण का अवसर होता है।

मोदी जी जो पैसा भेजते हैं, उसका जयपुर में बंदरबांट हो जाता है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीडवाना से भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह जोधा के पक्ष में कमल खिलाने का आह्वान किया। बोले- मोदी जी जो पैसा भेजते हैं, उसका जयपुर में बंदरबांट हो जाता है। पहले आतंकी कहीं भी विस्फोट कर देते थे, निर्दोष लोग मारे जाते थे। आज उनके आकाओं को पता है कि कुछ करेंगे तो भरेंगे भी। पांच वर्ष पहले चुनी गई सरकार यहां के लोगों की वेदना का कारण है। कांग्रेस ने देश में गरीबी, अव्यवस्था व अविश्वास दिया तो मोदी ने हर व्यक्ति के सम्मान की रक्षा की। उन्होंने मातृशक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से आधी आबादी को सम्मान तो दूसरी तरफ तीन तलाक पर हमेशा के लिए ताला लगाने का काम हुआ।

रेरा अधिसूचना दिल्ली के आवासों की सुरक्षा और ढांचागत मजबूती सुनिश्चित कर बिल्डरों की मनमानी पर नकेल कसेगी : दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के रियल इस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) द्वारा दिल्ली में आवास निर्माण से संबंधित जारी अधिसूचना का राष्ट्र हितैषी समाज बरवाला दिल्ली के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने स्वागत किया है। रेरा के आदेश को वत्स ने दिल्ली में आवासीय सुरक्षा और ढांचागत मजबूती के लिए मील का पत्थर बताया है।

वत्स ने कहा कि रेरा का आदेश कहता है कि घर सुरक्षित होगा तभी घरवाले सुरक्षित होंगे। रेरा की यह अधिसूचना जनहित में है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए। छोटे प्लाटों पर लोगों ने तीन की जगह पांच-छह मंजिलें तक बना ली हैं जिससे उन मकानों की मजबूती और सुरक्षा को बड़ा खतरा है। वत्स ने कहा कि दिल्ली में बिल्डर और डिवेलपर्स ने 50मीटर के प्लाटों पर भी पांच-पांच , छह-छह मंजिलें बना कर बेच डाली। जिसके कारण जनसंख्या घनत्व की समस्या भी सामने आ रही है। मकान की सुरक्षा और ढांचागत मजबूती पर भी प्रश्नचिन्ह लगे हैं। लेकिन हर कानून की तरह रेरा के आदेश को भी लोग हल्के में ले रहे हैं। राजनीति दलों के जो प्रतिनिधि इस आदेश से खुश नहीं हैं वे रेरा में अपने तर्कसंगत सुझाव देकर इसमें सुधार कर जनता की मदद कर सकते हैं। वत्स ने रेरा से मांग की है कि वह यह भी अधिसूचित करें कि इन प्लाटों की नींव कितनी गहरी हो। ताकि लोगों में जागरूकता आए और मकान और अधिक सुरक्षित बनाए जा सकें।

वत्स ने कहा कि दिल्ली में 1671 अनधिकृत कालोनियों और अन्य क्षेत्रों में जिनमें अभी तक कोई भी भवन निर्माण नियम नहीं हैं और जहां रेरा के नियमों का उल्लघंन करके ऊंची बिल्डिंगें लोगों ने बेचने के उद्देश्य से बनाई हैं। उनके लिए संपत्ति पंजीकरण के लिए व्यापक जनहित में कोई नीति बनाई जाएं और भविष्य में सख्ती से रेरा के आदेशानुसार भवनों का निर्माण हो।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर भाजपा ने अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

नई दिल्ली। (पी एम ए) आरआरटीएस परियोजना के लिए दिल्ली सरकार द्वारा 1100 करोड़ रुपये नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के परिप्रेक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई सीधी टिप्पणी से जाहिर होता है कि अरविंद केजरीवाल न सिर्फ भ्रष्ट हैं बल्कि जनता विरोधी भी हैं।

पहली से 5वीं कक्षा की कन्याओं को मिला ट्रैक सूट

सेवानिवृत्त अंग्रेजी अध्यापक देवेन्द्र वर्मा ने 90 ट्रैक सूट किए वितरित

कपिल शर्मा। गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता में प्राचार्य महावीर सिंह चंदेला एवं समस्त स्कूल स्टॉफ़ एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में जरूरतमंद छात्राओं को रिटायर्ड पीजीटी इंग्लिश देवेंद्र वर्मा द्वारा पहली से पाँचवीं कक्षा की 90 छात्राओं को यूनिफॉर्म स्वरूप टैक सूट वितरित किया गया।

गौरवशाली भारत को टेलिफ़ोनिक जानकारी देते हुए गर्ल्स स्कूल में पूर्व पीजीटी इंग्लिश देवेंद्र वर्मा ने बताया कि, विद्यालय से सेवामुक्त होने के बाद भी वह अपने नेक कार्य को जारी रखेंगे।

वार्षिक वस्त्र वितरण के लिए संकल्पबद्ध अध्यापक देवेन्द्र वर्मा ने कहा कि उन्होंने बीते वर्ष भी कक्षा नौवीं से प्लस-टू की लगभग सभी छात्राओं को स्टाइलिश हाई नेक कैप सहित स्वेट स्वेटर प्रदान किया था। सर्द ऋतु को देखते हुए सभी जरूरतमंद छात्राओं के लिए सिंपल स्वेटर से हटकर बेहतर क्वालिटी की इक्स्पेन्सिव और फुल स्लीव चेन वाली कैप सहित हाई नेक डार्क स्वेट स्वेटर करीब 400 छात्राओं को वितरित की गई थी। उन्होंने कहा - इन स्वेटर का ट्रेंड कभी भी खत्म नही होता है। बालिकाएँ इसे स्कूल के साथ-साथ कैजुअल और

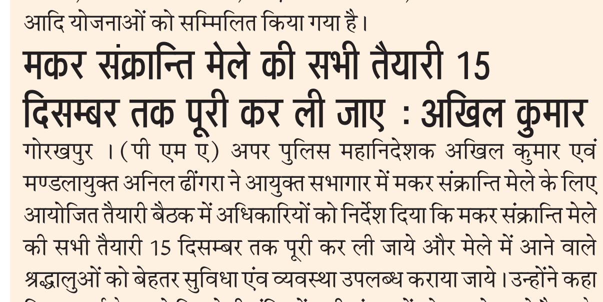

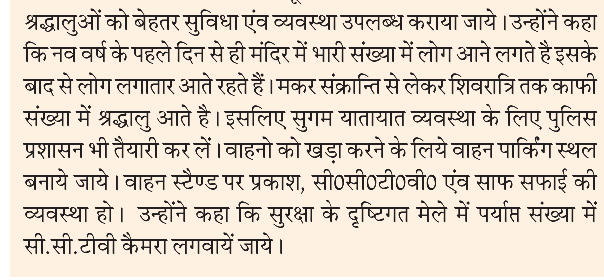

फॉर्मल ड्रेस के साथ टीमअप कर सकती हैं। सभी स्वेटर फंक्शन पार्टी वियर के लिए भी श्रेष्ठ हैं।

बता दें कि, राजकीय स्कूलों में अध्यन करने वाले जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों के लिए विद्यालय के शिक्षकों द्वारा शैक्षणिक साम्रगी पुस्तकें, ड्रेस, शूज़, स्कूल बैग इत्यादि वितरण एक श्रेष्ठ और सराहनीय प्रयास है।

जिसके लिए सम्पन्न नागरिक भी विद्यार्थियों के सहयोग के लिए अग्रणीय हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों का मनोबल दुगना करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन सहित पुरस्कार से सम्मानित करना और उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित करना विद्यालय स्टॉफ़ द्वारा अहम योगदान है।

विद्यालय के इस कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य महावीर सिंह चंदेला एवं मुख्तियार सिंह, शीषराम जींदड़ समेत विद्यालय स्टॉफ़ सदस्य उपस्थित रहे।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का जनपद में हुआ शुभारंभ

मंत्री अनिल राजभर ने चिरईगांव के राजस्व ग्राम पंचायत भवन अमरपट्टी में किया कार्यक्रम का उद्घाटन

वाराणसी। (पीएमए) विकसित भारत संकल्प यात्रा का जनपद वाराणसी में विधिवत उद्घाटन उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने विकासखंड चिरईगांव के राजस्व ग्राम पंचायत भवन अमरपट्टी में दीप प्रचलित कर किया।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री अनिल राजभर ने विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।

प्रत्येक ग्राम पंचायतो में यह यात्रा पहुंचेगी। प्रधानमंत्री के %सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास व सबका प्रयास का जिक्र करते हुए कहा कि सबके प्रयास से सभी का विकास हो। यह यात्रा पूरे जनपद के एक ग्राम सभाओं, मुहल्लो, वार्डों तक जायेगी।

उन्होंने बताया कि अधिकारी सभी गांव, मुहल्लो में घर-घर तक जायेगे और जनसामान्य की समस्याओं से अवगत होंगे और उसकी मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना है, इसे आत्मनिर्भर बनाना हैं। भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाना है। सभी का प्रयास होगा, तभी देश आत्मनिर्भर बन पायेगा।

भारत से गरीबी को भगाना ही प्रधानमंत्री का सपना है। मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र तभी बनेगा जब सबका प्रयास होगा।

मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि वाराणसी में विकसित भारत संकल्प यात्रा में देश के प्रधानमंत्री व काशी के सांसद नरेन्द्र मोदी भी शामिल होने के लिए आयेगे और शहर व गांव में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में शामिल होगे।

उन्होंने अधिकारी/कर्मचारियो से इस पूरे कार्यक्रम को शासन की मनसा के अनुरूप कार्यक्रम को धरातल पर उतारने की अपील की, वही उन्होने ग्रामवासियों से भी अनुरोध करते हुए कहा कि जब उनके गांव में अधिकारी जाएं तो अपने साथ- साथ अगल-बगल के लोगों की भी समस्याओं से उन्हें अवगत कराए। जिससे सभी की समस्याओं का समाधान हो।

इस दौरान मंत्री अनिल राजभर ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने के लिए लोगों को शपथ भी दिलाई। तत्पश्चात उन्होंने आई0ई0सी0 प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना।